वर्ष-1 अंक-3 जनवरी-मार्च 2022

उदय-प्रभा

त्रैमासिक वार्तापत्र

(Quarterly Newsletter)

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

परामर्श मण्डल

अध्यक्ष

प्रो. अमेरिका सिंह
माननीय कुलपति
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय

सदस्य

प्रो. पी.के. सिंह
अधिष्ठाता
विश्वविद्यालय वाणिज्य एवं प्रबंधन महाविद्यालय

प्रो. एम.एस. राठौड़
अधिष्ठाता
स्नातकोत्तर अध्ययन

प्रो. जी.एस. राठौड़
अधिष्ठाता
विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय

प्रो. सी.आर.सुथार
अधिष्ठाता
विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय

प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत
अधिष्ठाता
छात्र कल्याण

प्रो. नीरज शर्मा
अधिष्ठाता
विश्वविद्यालय नॉर्थ कैंपस, बिलोता, राजसमंद

प्रो. आनंद पालीवाल
अधिष्ठाता
विश्वविद्यालय विधि महाविद्यालय

प्रो. सुरेंद्र कटारिया
समन्वयक, विश्वविद्यालय वार्तापत्र

श्री सी.आर. देवासी
कुलसचिव

श्री डी.एस. राठौड़
वित्त नियंत्रक

डॉ. नवीन नंदवाना
सह आचार्य, हिंदी विभाग

संपादक मण्डल

डॉ. नवीन नंदवाना
प्रधान संपादक

डॉ. खुशपाल गर्ग
सह संपादक

डॉ. दीपिका माली
सह संपादक

डॉ. मुरलीधर पालीवाल
सह संपादक

आवरण परिकल्पना

डॉ. दीपिका माली
सहायक आचार्य, दृश्यकला विभाग

सहयोग

श्री दिनेश हरकावत
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

श्री दीपक वर्मा
वरिष्ठ सहायक

प्रकाशक

कुलसचिव
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर-313001 (राज.)
वेबसाइट : www.mlsu.ac.in, ई-मेल : registrar@mlsu.ac.in

संदेश

श्री कलराज मिश्र
राज्यपाल, राजस्थान

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा त्रैमासिक वार्तापत्र के तीसरे अंक का प्रकाशन किया जा रहा है।

विश्वविद्यालयों को मैं ज्ञान के प्रकाश पुंज कहता हूँ। यहाँ प्रदान की जाने वाली शिक्षा ज्ञान का प्रसार ही नहीं करती है बल्कि अनुसंधान के नवान्वेषण के लिए भी प्रेरित करती है। कठोपनिषद् का मंत्र है– 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत।'

अर्थ है – उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक कि अपने लक्ष्य तक न पहुँच जाओ। विद्यार्थी जीवन का ध्येय लक्ष्य प्राप्ति तक निरंतर चलते रहना ही होना चाहिए। ऐतरेय ब्राह्मण का बहुश्रुत मंत्र भी यही है– 'चरैवेति... चरैवेति।' चलते रहें। चलते रहें।

यह सुखद है कि 'उदय प्रभा' शीर्षक से आपका विश्वविद्यालय त्रैमासिक वार्तापत्र प्रकाशित करता है। उदय और प्रभा दोनों ही शब्द प्रेरणा प्रदान करने वाले हैं। प्रातःकाल का उदय जीवन में नव संचार का ही तो प्रतीक है। इस अर्थ के आलोक में आपका विश्वविद्यालय नित्य नवीन उपलब्धियों का वरण करें, ऐसी शुभाकांक्षा है।

प्रकाश्य वार्तापत्र विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्द्धक होने के साथ ही प्रेरणादायक होगा, ऐसा विश्वास है।

मेरी स्वस्तिकामना है।

कलराज मिश्र

संदेश

श्री अशोक गहलोत
मुख्य मंत्री, राजस्थान

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा इस वर्ष के शैक्षणिक सत्र से विश्वविद्यालय के त्रैमासिक न्यूज लेटर 'उदयप्रभा' का प्रकाशन प्रारम्भ किया गया है और इसका आगामी अंक जनवरी से मार्च, 2022 की गतिविधियों पर आधारित होगा।

उच्च शिक्षण संस्थाओं के इस प्रकार के प्रकाशन अपने आप में महत्वपूर्ण हैं। इससे विश्वविद्यालय की शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों को प्रकाशमान करने का मार्ग प्रशस्त होता है।

आशा है इस त्रैमासिक न्यूजलेटर की सामग्री विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और प्रगति की जानकारी कराने की दृष्टि उपयोगी एवं उद्देश्यपूर्ण होगी।

मैं इस प्रकाशन की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

अशोक गहलोत

संदेश

श्री राजेन्द्र सिंह यादव
राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा (स्वतन्त्र प्रभार)
राजस्थान सरकार

अतिशय आनन्द का विषय है कि अपनी ज्ञानगरिमा और नवोन्मेषिता से विशेष पहचान रखने वाले मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के त्रैमासिक वार्तापत्र उदयप्रभा का तृतीय अंक प्रकाशित होने जा रहा है। निश्चित ही यह प्रयास प्रशंसनीय है क्योंकि श्रेष्ठ वार्ताओं एवं विचारों का प्रकाशन विश्वविद्यालय की महनीयता एवं भारतवर्ष की वन्दनीयता को बढ़ाता है। इसके साथ ही वार्तापत्र के माध्यम से विश्वविद्यालय का नवाचारों से युक्त नवसृजित इतिहास सुरक्षित दस्तावेज का रूप ग्रहण कर पाता है। इसके द्वारा सभी शिक्षक, अभिभावक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी विश्वविद्यालय की योजनाओं, समाचारों एवं क्रियान्वयनों का अभिज्ञान रख पाते हैं। वास्तव में शिक्षा, सद्विचारों एवं शुभकर्मों को फैलाना ही शिक्षकों एवं शिक्षण संस्थानों का ध्येय होता है। जैसा कि कहा गया है–

अपूर्वः कोऽपि कोशोऽयं विद्यते तव भारति।

व्ययतो वृद्धिमायाति क्षयमायाति सञ्चयात्।।

अर्थात् हे सरस्वती! आपका यह खजाना अद्भुत है, जो व्यय करने से बढ़ता है और संग्रह करने से घट जाता है।

उदयप्रभा वार्तापत्र के तीसरे अंक के प्रकाशन के उपलक्ष्य में मेरे द्वारा आत्मिक शुभकामनाएँ व्यक्त की जाती हैं।

राजेन्द्र सिंह यादव

संदेश

प्रो. अमेरिका सिंह
कुलपति

नवहर्ष का विषय है कि भारतीय नववर्ष के प्रारम्भ में विश्वविद्यालय के त्रैमासिक वार्तापत्र उदयप्रभा के तृतीय अंक का प्रकाशन होने जा रहा है। इस वार्तापत्र के प्रारम्भिक अंकद्वय को शिक्षाजगत में भूरि-भूरि प्रशंसा प्राप्त हुई है। इसके प्रारम्भ किए जाने के उद्देश्य भी फलीभूत हो रहे हैं। कर्मपथ पर आगे बढ़ते हुए इस विश्वविद्यालय के पदचिह्नों की छाप इस वार्तापत्र में अपना आकार ले रही है। हमारी सभी चिरस्मरणीय गतिविधियाँ इसमें समायोजित हो रही हैं। इस वार्तापत्र में लिखा जा रहा हमारा देदीप्यमान वर्तमान ही गौरवशाली अतीत बनता हुआ स्वर्णिम भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। हमारी कर्मठता, निरन्तरता एवं नवीनता के चलते निश्चित ही इस विश्वविद्यालय का भविष्य उत्कृष्ट एवं उज्ज्वल है।

भारतीय नववर्ष 2079 विक्रमाब्द के पावन अवसर पर भारतीय शास्त्र सम्पदा के महत्त्वपूर्ण सन्देश - 'चरैवेति-चरैवेति' के द्वारा समस्त विश्वविद्यालय परिवार के प्रति शुभाशंसा व्यक्त करता हूँ-

चरन् वै मधु विन्दति चरन् स्वादुमुम्बरम।
सूर्यस्य पश्य श्रेमाणं यो न तन्द्रयते चरंश्चरैवेति॥ (ऐतरेय ब्राह्मण, 7.33)

अर्थात् उठकर कमर कसकर चल पड़ने वाले व्यक्ति को ही सफलतारूपी मधु मिलता है। निरन्तर चलता हुआ व्यक्ति ही स्वादिष्ट फलों का आनन्द प्राप्त करता है; सूर्यदेव को देखो जो सतत चलते रहते हैं, क्षणभर भी आलस्य नहीं करते। अतः जीवन में भौतिक और आध्यात्मिक मार्ग के पथिक को चाहिए कि वह निरन्तर बाधाओं से संघर्ष करता हुआ चलता ही रहे, आगे बढ़ता ही रहे।

मैं सभी संकाय सदस्यों से भी समीहा करता हूँ कि वे अपने दायित्वबोध से विभागीय, महाविद्यालयीय एवं विश्वविद्यालयीय उन्नति को बढ़ाते हुए उपलब्धिपूर्ण समाचारों एवं नवाचारों की वार्ताएँ समयानुरूप सम्पादक मण्डल तक प्रेषित करते रहें। मैं इस अवसर पर सम्पादक मण्डल को अनेकशः बधाइयाँ प्रेषित करता हूँ। आप सभी को पुनः भारतीय नववर्ष की बधाई और शुभकामनाएं।

प्रो. अमेरिका सिंह

संपादक की कलम से ....

'उदयप्रभा' का तीसरा अंक आप सभी के सम्मुख प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता है। संपादक मंडल के सभी साथियों के सहयोग और समर्पण का प्रतीक यह अंक 15 दिसंबर, 2021 से 31 मार्च, 2022 की अवधि में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और केंद्रों आदि के द्वारा आयोजित किए गए विविध कार्यक्रमों का समेकित विवरण प्रस्तुत करता है। इस अंक के माध्यम से हमने विश्वविद्यालय की विविध गतिविधियों के सार-संक्षेप को प्रस्तुत करने का प्रयास किया है।

इस अंक के प्रकाशन के लिए यह आधार बनाया गया कि सर्वप्रथम विश्वविद्यालय स्तर पर हुए बड़े आयोजनों की खबरों को स्थान मिले। तत्पश्चात् हमने संघटक महाविद्यालय की सूचनाओं और समाचारों को स्थान दिया है। विभिन्न विभागों से संबंधित जानकारियों के प्रकाशन के लिए भी यह व्यवस्थापन किया गया कि विभागों का क्रम अंग्रेजी वर्णमाला के क्रम को ध्यान में रखते हुए उनकी सूचनाओं का प्रकाशन किया जाए।

जिन विभागों ने हमें अपनी जानकारियाँ ई-मेल के माध्यम से प्रेषित की हैं, उनका आभार व्यक्त करते हुए यह बताना चाहते हैं कि संपादक मंडल के साथियों ने विविध सोशल मीडिया माध्यमों से भी खबरों का चयन किया है। प्रयास रहा है कि विश्वविद्यालय के सभी विभागों की इस अवधि की महत्त्वपूर्ण जानकारियों को इस अंक में प्रकाशित किया जाए, फिर भी यदि कोई समाचार प्रकाशित होने से रह गया हो, तो उसके लिए खेद है।

विभिन्न संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों की महत्त्वपूर्ण उलब्धियों को भी प्रकाशित करने का विशेष प्रयास रहा है। आप सभी से आग्रह है कि आगामी अंक के लिए अपने विभाग के समाचार यथासमय संपादक मंडल को ईमेल पर प्रेषित करने का कष्ट करें।

आशा है संपादक मंडल का यह प्रयास सभी को सार्थक लगेगा। अंक को बेहतर बनाने संबंधी सुझाव सदैव आमंत्रित हैं। विश्वविद्यालय के समस्त साथियों से निवेदन है कि वे इस अंक के संबंध में अपने सुझाव ईमेल के माध्यम से प्रेषित करें और आगामी अंक को और बेहतर बनाने के लिए भी अपने सुझाव प्रदान करें।

संपादक मंडल

सूचना

उदयप्रभा का चतुर्थ अंक अप्रैल-जून, 2022 की अवधि पर आधारित होगा। इस अंक में वार्ताओं के प्रकाशन के लिए संपादक मंडल के अधोलिखित ईमेल पर वार्ताएँ यथासमय प्रेषित करें -

E-mail : mlsunews2021@gmail.com

नवाचारों से युक्त रहा सुविवि का 29वाँ दीक्षांत समारोह

सूचना तकनीक और डिजिटल माध्यमों के इस्तेमाल ने खोले नई शिक्षण विधाओं के द्वार : राज्यपाल

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का 29वाँ दीक्षांत समारोह 22 दिसंबर, 2021 को विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में भव्य और विभिन्न नवाचारों के साथ आयोजित हुआ। इसमें कुलाधिपति और राज्यपाल श्रीमान् कलराज मिश्र ने 105 विद्यार्थियों को स्वर्ण-पदक और 180 शोधार्थियों को पीएच.डी. डिग्रियाँ प्रदान कीं।

नवाचारों से युक्त इस दीक्षांत समारोह में कई नई चीजों की पहल की गई है, जिसमें कार्यक्रम के पश्चात माननीय कुलाधिपति के साथ स्वर्ण-पदक विजेताओं का समूह फोटो करवाया गया। समूह फोटो की परंपरा पहली बार शुरू की गई है। इसके साथ ही पहली बार दीक्षांत रजिस्टर की शुरुआत भी की गई, जिसमें दीक्षांत अवसर पर दी गई डिग्रियों एवं स्वर्ण-पदक विजेताओं की सूचना दर्ज की गई, जिस पर माननीय कुलाधिपति ने अपनी टिप्पणी अंकित की। यह अपनी तरह की पहल करने वाला पहला विश्वविद्यालय है। इसके साथ ही ऑडिटोरियम के प्रांगण में हस्तशिल्प, लोक-कलाओं और पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जो कि मुख्य आकर्षण का केंद्र रही।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमान् कलराज मिश्र ने कहा कि दीक्षांत समारोह शिक्षा जगत का सर्वाधिक गौरवशाली क्षण होता है। विद्यार्थी के जीवन का भी यह ऐसा महत्त्वपूर्ण अवसर है जब सीखे हुए ज्ञान की पूर्णता के उपरांत अब उसे व्यावहारिक जीवन में उतारने के लिए स्वयं को प्रस्तुत करना होता है। मैं चाहता हूँ, यहाँ से दीक्षित विद्यार्थी जीवन के हर मोड़ और पड़ाव पर समस्त चुनौतियों का सामना करते हुए लोक कल्याण के लिए अपने ज्ञान और सर्वोपरि क्षमताओं को समर्पित करें। उन्होंने कहा कि देश की नई शिक्षा नीति हमारी प्राचीन भारतीय शिक्षा-पद्धति से प्रेरित है। इसमें विद्यार्थी को अपने विषय के साथ बहुत से अन्य विषयों के ज्ञान का अवसर देने का उदात्त दृष्टिकोण है। मैंने नई शिक्षा नीति का गहराई से अध्ययन किया है और यह पाया है कि बहुत सोच-विचार कर इसे विद्यार्थी हित में इस तरह से तैयार किया गया है कि विद्यार्थियों का इससे चहुँमुखी विकास हो। राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि हमारे यहाँ शिक्षा का परिदृश्य तेजी से बदलता जा रहा है। कोरोना महामारी के दौरान सूचना तकनीकी की जो भूमिका सामने आई है, उसने परम्परागत शिक्षण प्रविधियों के समानान्तर एक नया मार्ग खोल दिया है। उच्च शिक्षा जगत में भी उसका बखूबी उपयोग किया जा रहा है किंतु डिजिटल माध्यम से शिक्षण-कौशल और ज्ञानार्जन दोनों की प्रक्रिया और उसका निरपेक्ष मूल्यांकन करना भी अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को मैं हमारी संस्कृति और ज्ञान-परंपरा की पीठ मानता हूँ इसलिए यह जरूरी है कि यहाँ पर संविधान के हमारे आदर्शों की भी शिक्षा सभी स्तरों पर प्रदान की जाए। मैं यह मानता हूँ कि किसी भी विषय में हम शोध करें तो उसका लक्ष्य यह होना चाहिए कि वह शोध मानव-कल्याण के लिए उपयोगी हो। शिक्षा में पाठ्यक्रम को निरंतर अपडेट किए जाने की भी बहुत अधिक जरूरत है। विश्वविद्यालयों को चाहिए कि वे अपने पाठ्यक्रम समय-समय पर अपडेट करें। अपने पुस्तकालयों में नवीनतम ज्ञान की पुस्तकों का समावेश करें। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभाग अपने यहाँ विद्वानों के ऐसे संवाद आयोजित करें, जिनसे विद्यार्थियों को विषय से जुड़े गहन ज्ञान में रुचि पैदा हो। मैं चाहता हूँ, विश्वविद्यालय ज्ञान के ऐसे आलोक केंद्र बनें जिनसे निकलकर विद्यार्थी समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए कार्य करें। स्वर्ण-पदक में छात्राओं की संख्या को देखते हुए उन्होंने कहा कि छात्राएँ छात्रों से आगे निकल रही हैं, यह बालिका शिक्षा के लिए शुभ संकेत है।

राजस्थान सरकार उच्च शिक्षा को महत्त्वपूर्ण बनाने की दिशा में सदैव प्रयासरत : उच्च शिक्षा मंत्री

समारोह के विशिष्ट अतिथि माननीय उच्च शिक्षा मंत्री श्रीमान् राजेंद्र सिंह यादव ने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा जितनी महत्त्वपूर्ण होती है, उतनी ही महत्त्वपूर्ण विश्वविद्यालयीय शिक्षा भी होती है। उन्होंने कहा कि कई लोग ऐसे हैं जो अपनी रुचि के विषय के अनुरूप शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते हैं या मनचाहे विषयों के जरिए मनचाहा रोजगार प्राप्त नहीं कर पाते हैं लेकिन अब समय परिवर्तित हो गया है। नई शिक्षा नीति के जरिये शिक्षा के नवीन सोपान तय किए गए हैं। रुचि के अनुसार विषयों का चयन और रोजगार प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएँ बनाई गई हैं।

राजस्थान सरकार पिछले ढाई वर्षों में उच्च शिक्षा को महत्त्वपूर्ण बनाने की दिशा में सदैव प्रयासरत रही है। नए कॉलेज खोलने का विषय हो या जरूरतमंद बच्चों को छात्रवृत्ति देने का मुद्दा, नए शिक्षकों की नियुक्ति हो या संसाधन विकास करने का विषय हर क्षेत्र में सरकार ने उच्च शिक्षा को मजबूती देने के लिए अथक प्रयास किए हैं। उन्होंने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति को शिक्षा और शोध की दिशा में शानदार कार्य करने पर बधाई दी। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि भविष्य में शैक्षिक चुनौतियों से निपटने के लिए विश्वविद्यालय तकनीकी सहयोग के जरिए नवाचार युक्त तैयारी करें ताकि रोजगार की नई संभावनाएँ पैदा की जा सके। स्वर्ण पदक में छात्राओं की अधिक संख्या को देखते हुए उन्होंने छात्राओं के प्रदर्शन पर संतोष जताते हुए बधाई दी।

शिक्षा को अपनी महानतम क्षमताओं के विकास के साधन के रूप में सोचें विद्यार्थी : डॉ. फ्रैंक एफ. इस्लाम

दीक्षांत समारोह के अवसर पर ऑनलाइन जुड़े उच्च शिक्षा संस्थान मैरीलैंड, यूएसए के सलाहकार डॉ. फ्रैंक एफ. इस्लाम ने दीक्षांत उद्बोधन में अपनी भारत से लेकर अमेरिका तक की यात्रा के सबक साझा करते हुए कहा कि भारत मेरे जीवन का एक अमिट हिस्सा है। भारत में जन्म लेने और और यहाँ की कला, इतिहास, संगीत, संस्कृति और रीति-रिवाजों के कारण मैं भारत से प्यार करता हूँ। सबसे बढ़कर, मैं भारत से इस कारण प्यार करता हूँ क्योंकि यह लोकतंत्र, विविधता और शांति स्थापना के अंतरराष्ट्रीय प्रकाश-स्तंभ के रूप में खड़ा है। उन्होंने कहा कि हम शिक्षा को अपनी महानतम क्षमताओं के विकास के साधन के रूप में सोचें, क्योंकि हम में से प्रत्येक में एक निजी आशा और सपना है, जिसे पूरा किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि हमारी विविधता ही हमारी ताकत है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ने रचनात्मकता, करुणा और प्रतिबद्धता को विकसित करने में मदद की है, जो आर्थिक सीढ़ी को मजबूत बनाने, उस पर और अधिक कदम रखने और अधिक लोगों को उस पर चढ़ने में सक्षम बनाने के लिए आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि मैं आपसे यह सोचने के लिए कहता हूँ कि कुछ भी असंभव नहीं है। आप असंभव को संभव कर सकते हैं। आपके सबसे अच्छे दिन आपके आगे हैं।

भारत संभावनाओं और आशाओं का देश : भार्गव

दीक्षांत समारोह में ऑनलाइन जुड़े भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के महानिदेशक प्रो. बलराम भार्गव ने अपने दीक्षांत भाषण में कहा कि भारत संभावनाओं और आशाओं का देश है, जहाँ सर्वाधिक युवा हैं। उन्होंने कहा कि बीते एक-दो वर्षों से कोविड ने पूरे विश्व को प्रभावित किया है और भारत भी इससे अछूता नहीं रहा लेकिन भारत सरकार और राज्य सरकारों ने कोरोना से निपटने के समुचित उपाय किए। हमारे कोविड प्रबंधन को पूरे विश्व में सराहा गया। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को सभ्य और नम्र बनाती है। हम सभी को अपनी शिक्षा को देश के नव निर्माण और समाज के उन्नयन में लगाना चाहिए।

सुविवि को विश्व-स्तरीय बनाना ही लक्ष्य : कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए पिछले एक वर्ष में अर्जित उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पिछले एक वर्ष में किए गए विभिन्न शोध, पेटेंट, नवाचारों, नए पाठ्यक्रमों, नए संकाय एवं शिक्षकों को प्राप्त विभिन्न राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों की जानकारी देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने का लक्ष्य है।

उन्होंने बताया कि नाथद्वारा के पास बिलोता गाँव में विश्वविद्यालय का नया केंपस बनाया जा रहा है जो कि अगले शिक्षा सत्र से शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि माननीय कुलाधिपति के करकमलों से इस बार 105 स्वर्ण पदक, 180 पीएच.डी. डिग्रियाँ प्रदान की गईं। इसमें कुल 51 छात्राओं ने गोल्ड मेडल प्राप्त किए। 8 विद्यार्थियों को चांसलर मेडल दिए गए, जिसमें 4 छात्राएँ थीं। इसके अलावा 89 विद्यार्थियों को

विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक और 8 विद्यार्थियों को प्रायोजित मेडल प्रदान किए गए। इसमें 74 विद्यार्थियों ने स्वयं उपस्थित होकर पदक प्राप्त किए। दीक्षांत समारोह में 180 पीएच.डी. उपाधि धारकों को डिग्री प्रदान की गई। इसमें विज्ञान संकाय में 28 (11 छात्राएँ), वाणिज्य संकाय में 22 (08 छात्राएँ), विधि संकाय में 3 (1 छात्रा), पृथ्वी विज्ञान संकाय में 17 (3 छात्राएँ), सामाजिक विज्ञान संकाय में 36 (19 छात्राएँ), शिक्षा संकाय में 22 (15 छात्राएँ), प्रबंध अध्ययन संकाय में 13 (2 छात्राएँ), मानविकी संकाय में 39 (23 छात्राएँ) को डिग्री प्रदान की गई। इसमें 149 विद्यार्थियों ने स्वयं उपस्थित होकर अपनी पीएच.डी. की डिग्री प्राप्त की। इसके साथ ही गत शैक्षणिक सत्र में उत्तीर्ण हुए 45,861 स्नातक एवं 13,132 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करने का अनुमोदन कुलाधिपति द्वारा किया गया। इसमें विज्ञान संकाय में 4,382 स्नातक एवं 866 स्नातकोत्तर, वाणिज्य संकाय में 5,573 स्नातक एवं 3,361 स्नातकोत्तर, विधि संकाय में 1,131 स्नातक एवं 121 स्नातकोत्तर, कला संकाय में 27,108 स्नातक एवं 8,499 स्नातकोत्तर, शिक्षा संकाय में 7,667 स्नातक एवं 39 स्नातकोत्तर तथा प्रबंध अध्ययन संकाय में 246 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर की डिग्री का अनुमोदन किया गया। दीक्षांत समारोह से पूर्व राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद विधिवत अकादमिक यात्रा सभी डीन, डायरेक्टर्स और बॉम सदस्यों के साथ सभागार में पहुँची। दीक्षांत समारोह का अकादमिक संचालन रजिस्ट्रार सी.आर. देवासी ने किया।

राष्ट्रीय जूनियर एवं सब जूनियर पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन

43वीं राष्ट्रीय जूनियर पुरुष एवं महिला एवं 22वीं राष्ट्रीय सब-जूनियर बॉयज एंड गर्ल्स पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का उद्घाटन समारोह दिनांक 02 फरवरी, 2022 को विश्वविद्यालय के कुलपति आदरणीय प्रो. अमेरिका सिंह के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इसमें देश के विभिन्न राज्यों के 500 से अधिक महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस अवसर पर अतिथियों एवं खिलाड़ियों ने विश्वविद्यालय में स्थित संविधान पार्क का भ्रमण भी किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि डॉ. लाखन पोसवाल, अधीक्षक आरएनटी मेडिकल कॉलेज, डॉ. गिरिराज सिंह चौहान, सचिव क्रीडा मंडल, सुरेश चंद्र न्याति, समाजसेवी थे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री कृष्णा साहू, संयुक्त सचिव, राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग संघ ने की। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने राष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट खिलाड़ियों का सुखाड़िया विश्वविद्यालय में निःशुल्क प्रवेश दिलाने तथा छात्रावास सुविधा प्रदान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की तथा राष्ट्रीय स्तर के आयोजन के लिए आयोजन अध्यक्ष श्री दिनेश श्रीमाली को हर संभव मदद का विश्वास दिलाया।

ऑल इण्डिया इन्टर जोन हॉकी महिला चैम्पियनशिप

सुखाड़िया विश्वविद्यालय की मेजबानी में 21–27 मार्च, 2022 तक ऑल इण्डिया इन्टर जोन हॉकी महिला चैम्पियनशिप का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में ऑल इण्डिया इन्टर जोन हॉकी महिला चैम्पियनशिप की विजेता जिवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर, उपविजेता आईटीएम विश्वविद्यालय ग्वालियर की टीम तथा तीसरे स्थान पर पंजाबी विश्वविद्यालय पटीयाला की टीम रही।

माननीय राज्यपाल महोदय श्री कलराज मिश्र समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे। सम्मानीय अतिथि के रूप में डॉ. रोजर गोपॉल ने तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने शिरकत की। समारोह की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह द्वारा की गई। राज्यपाल महोदय की ओर से प्रथम तीन टीमों को क्रमशः विजेता को एक लाख, उप विजेता टीम को पच्चतहर हजार तथा तृतीय टीम को पचास हजार रुपए नकद पुरस्कार राशि देने की घोषणा की गई। राज्यपाल महोदय श्री कलराज मिश्र ने ओलम्पियन एवं अर्जुन अवार्डी श्री अशोक ध्यानचंद को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया।

आयोजन के अध्यक्ष प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत ने ऑल इण्डिया इन्टर जोन हॉकी महिला चैम्पियनशिप का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सह आयोजन सचिव डॉ. कुलदीप सिंह झाला ने बताया कि ऑल इण्डिया इन्टर जोन हॉकी महिला चैम्पियनशिप के फाइनल में जिवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर तथा आई.टी.एम. विश्वविद्यालय ग्वालियर के मध्य मुकाबला खेला गया जिसमें जिवाजी विश्वविद्यालय 01–00 से विजयी रही, इससे पहले प्रातःकालीन सत्र में तीसरे स्थान के लिए पंजाबी विश्वविद्यालय पटीयाला ने सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय पुना को 03–01 से परास्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। फाइनल मैच के मध्यांतर में राज्यपाल महोदय श्री कलराज मिश्र ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

समारोह के विशिष्ट अतिथि श्री लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने तृतीय स्थान पर रही पंजाबी विश्वविद्यालय पटीयाला के खिलाड़ियों को कांस्य

पदक से सम्मानित किया। सम्मानीय अतिथि श्री रोजर गोपॉल ने उपविजेता टीम आई.टी.एम. विश्वविद्यालय ग्वालियर को रजत पदक से सम्मानित किया। मुख्य आतिथि माननीय राज्यपाल महोदय श्री कलराज मिश्र ने विजेता टीम जिवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने प्रतियोगिता का सफल संचालन करने वाले पूरे देश से आए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय निर्णायकों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। माननीय राज्यपाल महोदय श्री कलराज मिश्र तथा गणमान्य अतिथियों ने प्रथम चार स्थान पर रही टीमों को ट्रॉफी प्रदान की। साथ ही प्रतियोगिता की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हितीका को बेस्ट प्लेयर अवार्ड से सम्मानित किया।

श्री गजेन्द्र सिंह शक्तावत प्रवेश द्वार का भूमि पूजन तथा शिलान्यास

'श्री गजेन्द्र सिंह शक्तावत प्रवेश द्वार' का भूमि पूजन तथा शिलान्यास कार्यक्रम 20 जनवरी, 2022 को संपन्न हुआ। यह भूमि पूजन और शिलान्यास श्री प्रमोद जैन भाया, खनिज एवं गोपालन मंत्री, राजस्थान सरकार, प्रो. अमेरिका सिंह, माननीय कुलपति, सुखाड़िया विश्वविद्यालय तथा प्रीति गजेंद्र सिंह शक्तावत, विधायक, वल्लभनगर द्वारा किया गया।

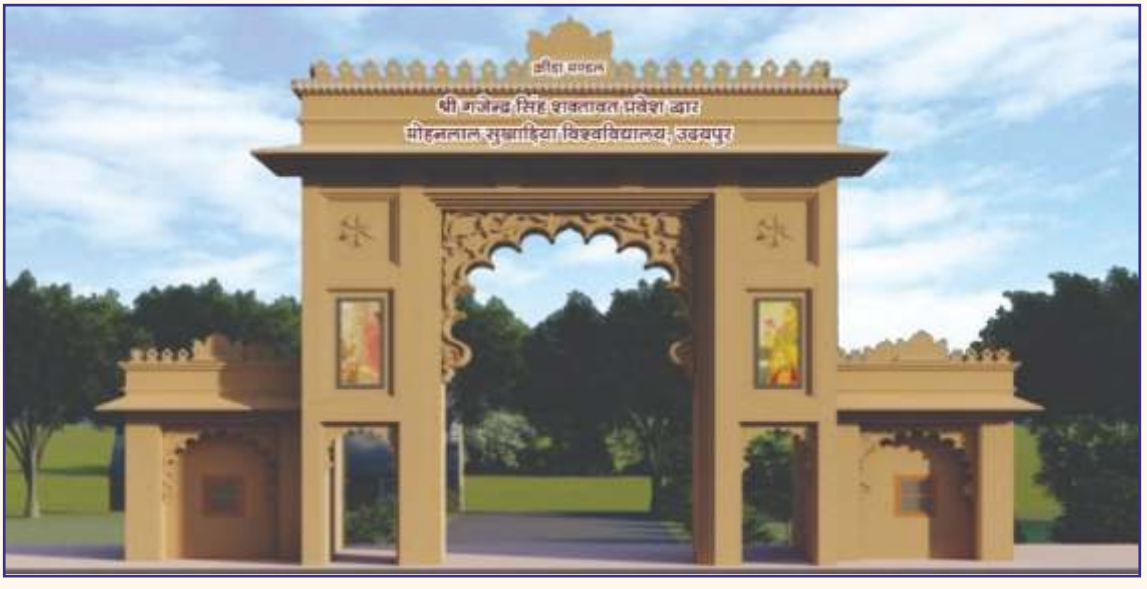

विश्वविद्यालय के त्रैमासिक न्यूज़लेटर 'उदय-प्रभा' के प्रथम अंक का विमोचन

विश्वविद्यालय ने अपने त्रै-मासिक न्यूज़लेटर का प्रकाशन आरंभ किया है। इस न्यूज़लेटर के प्रधान संपादक डॉ. नवीन नंदवाना ने बताया कि 'उदय-प्रभा' नाम से प्रकाशित इस न्यूज़लेटर के प्रथम अंक का विमोचन दिनांक 22 दिसंबर, 2021 को विश्वविद्यालय के 29वें दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल और कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री श्री राजेंद्र सिंह यादव, विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह एवं बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्यों के करकमलों से संपन्न हुआ। 44 बहुरंगी पृष्ठों के इस न्यूज़लेटर में सर्वप्रथम विश्वविद्यालय स्तर की गतिविधियों को स्थान दिया गया है। तत्पश्चात् विश्वविद्यालय के चारों संघटक महाविद्यालयों के विभागों और फिर संबद्ध महाविद्यालयों की गतिविधियों को प्रकाशित किया गया है। इस न्यूज़लेटर के सह संपादक डॉ. खुशपाल गर्ग, डॉ. दीपिका माली और डॉ. मुरलीधर पालीवाल हैं। इसके प्रकाशन में न्यूज़लेटर के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र कटारिया का सहयोग अभिनंदनीय रहा।

10 साइबर सुरक्षा कार्यशालाओं का आयोजन

साइबर सुरक्षा पर शिक्षा और प्रशिक्षण आम नागरिक के लिए भी जरूरी : प्रो. अमेरिका सिंह

साइबर सुरक्षा की कार्यशाला पुलिस विभाग को अधिक मजबूती के साथ अपराधों को रोकने में सक्षम बनाएगी : महेंद्र पारीक, पुलिस अधीक्षक

दिनांक 26 फरवरी, 2022 से 26 मार्च, 2022 तक मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर में अपनी तरह की अद्वितीय 10 साइबर सुरक्षा कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय एवं उदयपुर संभाग, राजस्थान पुलिस के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में दैनिक जीवन में बढ़ते साइबर अपराधों से किस प्रकार जनता की त्वरित सहायता की जाए, इस विषय पर पुलिस प्रशिक्षणार्थियों हेतु कार्यशाला सम्पन्न हुई।

विश्वविद्यालय कम्प्यूटर विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. अविनाश पंवार और युवा साइबर विशेषज्ञ श्री मानस त्रिवेदी द्वारा एक माह में उदयपुर संभाग के प्रत्येक जिले से आए हुए जवान से लेकर उप निरीक्षक स्तर तक के 400 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया गया। इन कार्यशालाओं में वित्तीय धोखाधड़ी, ऑनलाइन फ्रॉड, OTP शेयर, सोशल मीडिया (फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, यूट्यूब) आदि के फैक अकॉउंट से जन्मे अपराध, ATM क्लोनिंग, फिशिंग, बुलिंग, स्किमिंग, सीडीआर एनालिसिस आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

कार्यशाला की विभिन्न शृंखलाओं के दौरान उद्घाटन व समापन सत्र में माननीय श्री राजेंद्र सिंह यादव (उच्चशिक्षा मंत्री, राजस्थान सरकार), माननीय प्रो. अमेरिका सिंह (कुलपति, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय), हिंगलाजदान चारण आईपीएस (महानिरीक्षक, उदयपुर संभाग राजस्थान पुलिस), महेंद्र पारीक, पुलिस अधीक्षक, मनोज कुमार, आईपीएस (पुलिस अधीक्षक, उदयपुर), कुंदन कांवरिया, आईपीएस, अशोक कुमार मीणा, आरपीएस, हर्ष रतनू आरपीएस, श्रीमती माधुरी, आरपीएस, श्रीमती चेतना भाटी, आरपीएस, विश्वविद्यालय परिवार के प्रो. प्रदीप त्रिखा, प्रो. नीरज शर्मा, प्रो. हनुमान प्रसाद, डॉ. पी.एस. राजपूत आदि शिक्षाविद्, पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं मिडियाकर्मी आदि समय-समय पर मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय सीईओ कॉन्फ्रेंस

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने की 37 देशों की मेजबानी

सुखाड़िया विश्वविद्यालय के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय सीईओ कॉन्फ्रेंस का आगाज़ 24 दिसंबर, 2021 को हुआ। तीन दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन सभी 37 देशों के प्रतिनिधियों ने अपने वक्तव्य रखे। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि वैदिक शिक्षा को आज की शिक्षा व्यवस्था के साथ जोड़ा जाना चाहिए जिससे कि ज्ञान के साथ अच्छे व्यक्तित्व का भी विकास होगा। वेदों के अध्यायों से मिली सीख प्रकृति की रक्षा में भी उपयोगी होती है। वेदों में वसुधैव कुटुंबकम् का संदेश दिया गया है जो आज के समय में सार्थक सिद्ध होता है। कुलपति ने बताया कि सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के लिए यह बड़े गर्व की बात है कि हमें एक ऐसी कॉन्फ्रेंस के आयोजन का अवसर मिल रहा है जिसमें अल्बेनिया, अर्जेंटीना, अजरबेजान, बोस्निया, जापान, जॉर्डन, इटली, इंडोनेशिया, न्यूजीलैंड, भारत, यू.के., नाईजीरिया, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, रोमानिया, टर्की, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, इजिप्ट, फ्रांस, जॉर्जिया, चीन, चिली, कोलंबिया, कैमरून, कोसोवो, लेबेनोन, मोरक्को, मेसेडोनिया, फिलीपींस, सऊदी अरब, थाईलैंड, साइप्रस, ट्यूनीशिया और उज़्बेकिस्तान देशों के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। कॉन्फ्रेंस के रेक्टर, वाणिज्य महाविद्यालय अधिष्ठाता प्रो. पी.के. सिंह तथा ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री असिस्टेंट प्रोफसर डॉ. सचिन गुप्ता थे।

द इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन का 104वाँ वार्षिक अधिवेशन

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर के तत्त्वावधान में द इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन के 104वें वार्षिक अधिवेशन का शुभारंभ दिनांक 27 दिसंबर, 2022 को हुआ। अधिवेशन का मुख्य विषय 'आर्थिक विकास का भारत केन्द्रित दृष्टिकोण : कोविड-19 के बाद की सीख' रखा गया। अधिवेशन का आयोजन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों मोड से किया गया। प्रबन्ध अध्ययन संकाय के निदेशक एवं इस अधिवेशन के आयोजन सचिव प्रो. हनुमान प्रसाद ने स्वागत उद्बोधन में बताया कि 1962 से यह विश्वविद्यालय अन्तरराष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियाँ करते आ रहा है। कार्यक्रम के दौरान 'सावास' जर्नल और साथ ही डॉ. मदानी मनोज की पुस्तक 'व्यवस्था परिवर्तन एक विमर्श : एक पहल नए भारत के रचना की' का विमोचन किया गया। अर्थशास्त्री प्रो. श्री प्रकाश को अटल बिहारी वाजपेयी अवार्ड से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के संरक्षक मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने अपने वक्तव्य में बताया कि हमें अपने संवैधानिक कर्तव्यों की पालना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन का कार्यक्रम देश ही नहीं अपितु विश्व आर्थिक ग्रोथ को एक नई दिशा प्रदान करेगा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मणिपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. ए.पी. पांडे ने बताया कि देश को कोरोना के आतंक से बचाने के लिए हम शोध के माध्यम से चुनौती देने का कार्य कर रहे हैं। विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. जी.एस. राठौड़ ने मंचासीन अतिथियों, प्रतिभागियों और कार्यकर्ताओं का विश्वविद्यालय की ओर से स्वागत किया।

IEA के अध्यक्ष प्रो. घनश्याम सिंह ने अपने वक्तव्य में बताया कि हमारा संस्थान ऐतिहासिक कार्य कर रहा है। पिछले कुछ दशकों में हमने बहुत ही महत्त्वपूर्ण समय देखा है और संस्थान के सभी लोगों ने इस चुनौतीपूर्ण समय में भी साहस के साथ कार्य किया है। कार्यक्रम के अतिथि अरनी विश्वविद्यालय के कुलपति विवेक सिंह ने अपने उद्बोधन में बताया कि इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन भारतीय अर्थव्यवस्था में अनुसंधान गतिविधियों द्वारा महत्त्वपूर्ण योगदान निभा रही है। इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन के मुख्य सचिव डॉ. डी. के. अस्थाना ने अपने वक्तव्य में बताया कि इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन 104 वर्षों से निरन्तर प्रगति कर है और यह देश की दूसरी सबसे पुरानी आर्थिक संस्था है। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ए.के. तोमर ने बताया कि इस अधिवेशन में तीन मुख्य विषय भूमण्डलीय उष्मीकरण व जलवायु परिवर्तन, डिजिटल एप्लीकेशन के जरिए गरीबी उन्मूलन, कोविड-19 और भारतीय अर्थव्यवस्था रहे।

इस अधिवेशन के दूसरे दिन के प्रथम सत्र में प्रो. डी.एम. दिवाकर, पूर्व निदेशक, ए.एन. सिन्हा, सामाजिक विज्ञान संस्थान ने प्रो. पी.आर. ब्रह्मा मेमोरियल लेक्चर में सत्र को संबोधित किया। द्वितीय सत्र के अंतर्गत आत्मनिर्भरता पर सामूहिक चर्चा का आयोजन किया गया। इस

सत्र के मुख्य वक्ता फैकल्टी ऑफ कॉमर्स, प्रयागराज के पूर्व निदेशक प्रो. प्रह्लाद कुमार, लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग की प्रो. मधुरिमा लाल, अलीगढ़ विश्वविद्यालय के डॉ. प्रदीप कुमार एवं डॉ. ईरा भटनागर थे। अधिवेशन के द्वितीय दिवस पर चार तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। द्वितीय दिवस में नवीन शिक्षा नीति पर एक विशेष सत्र भी रखा गया था। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. फरीदा शाह ने की।

इस तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस का समापन समारोह दिनांक 29 दिसंबर को आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि श्रीमान् लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ थे। श्री लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि हर भारतवासी का कर्तव्य बनता है कि वह आदर्श जीवन मूल्यों पर डटकर देश की अर्थव्यवस्था को गति दे ताकि 21वीं शताब्दी किसी और की नहीं, हिंदुस्तान की हो। इसी अवसर पर कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने सत्र को ऑनलाइन संबोधित किया। आयोजन की सह सचिव डॉ. नेहा पालीवाल ने तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस का विवरण प्रस्तुत किया तथा प्रबन्ध अध्ययन संकाय के निदेशक प्रो. हनुमान प्रसाद को इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन के प्रतिष्ठित सम्मान 'फैलो ऑफ इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन' से नवाजा गया।

सुविवि : राष्ट्रीय युवा दिवस पर हुआ नेशनल सिंपोजियम

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उद्योगों में प्रयुक्त की जाने वाली नवीनतम तकनीकों से उन्हें परिचय कराना प्रथम प्राथमिकता : कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

सुखाड़िया यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में एक राष्ट्रीय सिंपोजियम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का विषय 'नेशनल सिंपोजियम ऑन इंडस्ट्री 4.0 : एंपावरिंग यंग माइंड्स' रखा गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में इंडस्ट्री 4.0 तकनीक प्रोग्राम को मुख्य भूमिका में रखा गया, जिसमें साइबर फिजिकल सिस्टम, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, स्मार्ट फैक्ट्री क्लाउड कम्प्यूटिंग आदि क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया। प्रो. सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. बिद्यानंद झा, डायरेक्टर किर्लोस्कर इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मैनेजमेंट स्टडीज एवं डॉ. प्रवीण पचौरी, डायरेक्टर नोएडा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ने शिरकत की।

प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय अगले शैक्षणिक वर्ष में इंडस्ट्री 4.0 तकनीकी का एक पेपर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में जोड़ने जा रहा है, जिससे विद्यार्थी नवीनतम शोध कार्यों से जुड़ेंगे। नेशनल सिंपोजियम के रिसोर्स पर्सन डॉ. विद्यानंद झा एवं डॉ. प्रवीण पचौरी ने बताया कि किस तरह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईओटी रोबोटिक्स हमारी उत्पाद वर्ग को एवं सेवा वर्ग को प्रभावित कर रहा है तथा किस तरह डिजिटल लर्निंग विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगी। उन्होंने कहा कि किस तरह सेवा क्षेत्र में क्रिटिकल थिंकिंग एप्रोच पर फोकस किया जाना चाहिए। इस वेबिनार कार्यक्रम के संयोजक प्रो. नीरज शर्मा एवं ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. सचिन गुप्ता थे।

सुविवि : दीप स्तंभ योजना

सुविवि के शिक्षकों के अकादमिक उन्नयन का नवाचार : विश्वविद्यालय के युवा शिक्षकों के प्रोत्साहन,वृहत अकादमिक ज्ञान, उनकी दक्षता, क्षमता, विशेषज्ञता, कौशल-संवर्धन और प्रेरणादायक व्यक्तित्व में अभिवृद्धि की संकल्पना।

विश्वविद्यालय के युवा शिक्षक उच्च शिक्षा की प्रगति के 'दीप स्तंभ' :

प्रो. अमेरिका सिंह, कुलपति

भारत का उच्च शिक्षा तंत्र दुनिया के सबसे बड़े शिक्षा-तंत्रों में से एक है। स्वतंत्रता के बाद भारत ने उच्च शिक्षा के मोर्चे पर सराहनीय वृद्धि की है। वैश्विक स्वीकारोक्ति ने भारत की शिक्षा व्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय दर्जा प्रदान किया है। हालांकि चिंता का एक विषय यह भी है कि जिस तरह से विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ी है शिक्षा की गुणवत्ता उस अनुपात में नहीं सुधरी। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के निर्धारण का जिम्मा हमारे विश्वविद्यालय के शिक्षकों के कंधों पर हैं और वे विश्वविद्यालय के उद्देश्य को पूरा करने के महत्त्वपूर्ण 'दीप स्तंभ' हैं।

विश्वविद्यालय का उद्देश्य है शिक्षा, शोध और विस्तार के माध्यम से समाज, देश और मानवता के विकास में योगदान करना। हमारे विश्वविद्यालय शिक्षक हमारे समाज और देश की ऐसी मूल्यवान धरोहर बनें जिन्हें भावी पीढ़ियाँ महापुरुष के रूप में याद करें। ज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान से आने वाली पीढ़ियों को मार्गदर्शन और प्रेरणा प्राप्त हो। भविष्य में ज्ञान-मार्ग के 'दीप स्तंभ' के समान उनकी पहचान बन सके। 'दीप स्तंभ' ऐसे ही शिक्षकों के अकादमिक उन्नयन की योजना का नाम हैं, जिनकी सेवानिवृत्ति वर्ष 2050 या उसके उपरांत है, उनके लिए यह कार्ययोजना प्रस्तावित की गई है। विश्वविद्यालय की मंशा है कि आज के युवा शिक्षक अपनी ऊर्जा के अधिकतम सदुपयोग और विचारशीलता से अध्ययन और शोध के क्षेत्र में महान योगदान करते हुए भविष्य के विराट व्यक्तित्व, समाज के आदर्श चरित्र और प्रेरणादायी महापुरुष बनें। इस उद्देश्य के साथ इस 'दीप स्तम्भ' योजना का क्रियान्वयन किया जाएगा।

अकादमिक विकास के साथ ही हमारे विश्वविद्यालय के शिक्षकों के व्यक्तित्व में संस्थागत निष्ठा का भी विकास होना चाहिए। एक शिक्षक अपने शैक्षणिक दायित्व निर्वहन के साथ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक और शिक्षणेतर कर्तव्यों के निर्वाह में भी कुशल होना चाहिए। हमारे युवा शिक्षकों के व्यक्तित्व में व्यापक सोच और संवेदनशीलता का विकास होना चाहिए जिससे देश और समाज तथा सम-सामयिक सरोकारों के प्रति सजगता रहे। शिक्षकों में अपने स्थानीय इतिहास संस्कृति कला साहित्य आदि के विषय में भी उनकी अभिरुचि के अनुसार समझ रहे तथा उनमें हमारे महापुरुषों के प्रेरणादायक चरित्र और उनके स्थापित मूल्यों की चेतना मौजूद रहे।

इस योजना के दूसरे चरण में समाज और उद्योग जगत से जुड़ाव कराने के साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कम से कम दो तिहाई छात्र सार्थक गतिविधियों में सक्रिय रहें। तीसरा बिंदु छात्रों में टीम भावना, संचार और नेतृत्व के गुणों, उद्यमिता के भाव और महत्त्वपूर्ण निर्णय-क्षमता का समावेश करना है। इसका चौथा पड़ाव यह तय करना है कि किसी भी समय शिक्षकों के स्वीकृत पदों में से 10 प्रतिशत से अधिक पद रिक्त न रहें। साथ ही शिक्षकों को उच्च शिक्षा के अद्यतन रुझानों से भी अवगत कराने के प्रयास किए जाएँ। पाँचवाँ बिंदु यह रखा गया है कि उच्च शिक्षा के प्रत्येक संस्थान को राष्ट्रीय आकलन एवं प्रमाणन परिषद यानी एनएएसी से वर्ष 2022 तक कम से कम 2.5 के स्कोर के साथ मान्यता हासिल करनी होगी। इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए यूजीसी ने कई पहलुओं को लेकर एक रणनीति भी बनाई है। मसलन अपनी इस मुहिम को सफल बनाने के लिए आयोग ने परिणाम आधारित शैक्षिक ढाँचा यानी ओबीई अपनाने का फैसला किया है। इसमें नियमित अंतराल पर पाठ्यक्रमों को दोहराया जाएगा। अध्यापन के लिए सूचना, संचार एवं तकनीक आधारित माध्यमों का सहारा लिया जाएगा। समाज एवं उद्योग के साथ भी संपर्क होगा। सभी नए शिक्षकों के लिए वार्षिक प्रशिक्षण का भी प्रस्ताव है। साथ ही शिक्षा प्रशासकों के लिए नेतृत्व क्षमता और प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। गुणवत्तापरक शोध को प्रोत्साहन मिलेगा। हालांकि इन सभी में परिणाम आधारित शैक्षिक तंत्र सबसे महत्त्वपूर्ण एवं उल्लेखनीय पहल है।

नतीजतन छात्रों को यह पता होगा कि उनसे क्या अपेक्षाएँ हैं तो शिक्षक भी इससे भलीभाँति वाकिफ होंगे कि पाठ्यक्रम की आवश्यकता और अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए उन्हें क्या करना होगा। परिणाम आधारित शिक्षा इसी दर्शन में विश्वास करती है कि पूर्व ज्ञान, सीखने की शैली और भविष्य में अपनी पसंद के करियर की आकांक्षा के लिहाज से प्रत्येक छात्र अपने आप में खास है। लिहाजा इसमें अध्यापन या आकलन के लिए कोई विशेष तौर-तरीका नहीं थोपा जाता और लक्षित परिणाम हासिल करने में छात्रों की मदद के लिए अलग-अलग आकलन पद्धतियों की गुंजाइश होती है। संस्थागत स्तर पर परिणाम आधारित तंत्र उच्च शिक्षा संस्थानों को एक महत्त्वपूर्ण संदर्भ बिंदु उपलब्ध कराता है जिसमें वे अध्ययन-अध्यापन रणनीति निर्माण, छात्रों के सीखने के स्तरों का आकलन और अकादमिक मानदंड तय कर सकते हैं। साथ ही यह तंत्र कार्यक्रमों और अकादमिक मानकों की अंतरराष्ट्रीय अनुरूपता में भी सहायक होता है, जिससे छात्र एक देश से दूसरे देश में शिक्षा के लिए आवाजाही कर सकते हैं।

सुविवि : इनोवेशन रैंकिंग में रचा इतिहास

सुविवि को भारत के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में सम्मिलित कराने के लिए दृढ़ संकल्पित : प्रो. अमेरिका सिंह

सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने अटल रैंकिंग में जनरल नोन टेक्निकल श्रेणी में देश के शीर्ष 131 संस्थानों में अपना स्थान बनाया है। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय, एआईसीटीई चेयरमैन एवं इनोवेशन सैल द्वारा यह प्रमाण पत्र दिया गया।

गौरतलब है कि सुखाड़िया विश्वविद्यालय राजस्थान का एकमात्र विश्वविद्यालय है, जिसने इस वर्ष अटल रैंकिंग, क्यूएस रैंकिंग, एनआईआरएफ रैंकिंग तीनों में अपना स्थान अर्जित किया है। विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग ने भी देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में अपना स्थान बनाया है। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. पी.एस. राजपूत ने बताया कि विश्वविद्यालय में इसी वर्ष बीटेक और आर्किटेक्चर पाठ्यक्रमों को प्रारंभ किया गया है। यह राज्य का पहला विश्वविद्यालय है जो बहुसंकाय विश्वविद्यालय के रूप में कार्य कर रहा है।

सुखाड़िया विश्वविद्यालय एवं महात्मा गाँधी ग्रामीण शिक्षा परिषद के बीच एमओयू

अब विद्यार्थी लेंगे ग्रामीण उद्यमों एवं संस्थाओं में प्रशिक्षण : कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु विश्वविद्यालय एवं महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन, भारत सरकार के साथ एक विशेष एमओयू दिनांक 10 जनवरी, 2022 को हस्ताक्षर किया गया है। इस एमओयू का उद्देश्य नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को ग्रामीण उद्योगों एवं संस्थाओं के साथ अधिक से अधिक प्रायोगिक प्रशिक्षण करवाना है। इसके तहत विद्यार्थियों को इंडस्ट्री से जोड़ा जाएगा जिससे प्रायोगिक ज्ञानार्जन को बढ़ावा मिलेगा। प्रो. सिंह ने यह भी बताया कि इसी के साथ विश्वविद्यालय अब रूरल मैनेजमेंट से संबंधित कार्यक्रम एवं विषयों को बढ़ावा देगा। इस एमओयू के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के उद्योगों एवं संस्थाओं में विद्यार्थियों को इंटर्नशिप करने का मौका मिलेगा जिससे कि आगे रोजगार के अवसर मिलेंगे। कृषि एवं सप्लाई चैन मैनेजमेंट में भी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा उच्च गुणवत्ता की व्यावसायिक सलाह प्रदान की जाएगी।

देवस्थान विभाग के आयुक्त ने संविधान पार्क का किया भ्रमण

उदयपुर देवस्थान विभाग के कमिश्नर श्री जोगाराम जी ने दिनांक 12 जनवरी, 2022 को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संविधान पार्क का भ्रमण किया। देवस्थान आयुक्त के साथ विश्वविद्यालय के पूर्व रजिस्ट्रार श्री आर.पी. शर्मा एवं अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कमिश्नर एवं उनके साथ आए अधिकारियों का मेवाड़ी पगड़ी और उपरणा पहनाकर स्वागत किया। सभी अतिथियों ने कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के साथ संविधान पार्क का भ्रमण किया और संविधान पार्क की विशेषताओं के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की। देवस्थान विभाग के आयुक्त ने संविधान पार्क की कलात्मक नक्काशी एवं निर्माण कार्य की प्रशंसा की।

सुखाड़िया विश्वविद्यालय के साथ फ्रांस के शिष्टमंडल की बैठक

शिक्षण, शोध और नवाचारों में सहयोग से काम करेंगे : कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के नेतृत्व में फ्रांस के शिष्टमंडल ने बैठक की। दिनांक 16 दिसंबर, 2021 को बैठक में डॉ. फेबिया शेरे, लिया पॉल, सौदामिनी देव, संजना सरकार तथा विश्वविद्यालय प्रतिनिधि मंडल में प्रो. एन लक्ष्मी, प्रो. मीरा माथुर, प्रो. प्रदीप त्रिखा एवं डॉ. अविनाश पंवार उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न संकायों के निदेशक एवं शिक्षाविद शामिल रहे। वार्ता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विदेशी राष्ट्रों में उचित अवसर प्रदान करना एवं विद्यार्थी तथा अध्यापक विनिमय था। फ्रांस के शिष्टमंडल के साथ की गई इस वार्ता में उच्च शिक्षा के स्तर पर सहयोग, विद्यार्थियों का परस्पर सांस्कृतिक आदान-प्रदान, शिक्षकों का वैचारिक आदान-प्रदान एवं दोनों देशों में परस्पर सहयोग के साथ अंतरराष्ट्रीय संगठन गोष्ठियों का आयोजन एवं प्रबंधन विकास जैसे कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार हुआ।

कार्यक्रम का आयोजन डॉ. मीनाक्षी जैन, डॉ. हर्षदा जोशी, डॉ. डोली मोगरा, डॉ. सचिन गुप्ता, डॉ. गिरिमा एवं डॉ. पामिल मोदी के द्वारा किया गया। फ्रांस के शिष्टमंडल ने कहा कि सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान किया जाएगा। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से 5 शिक्षकों को एवं विद्यार्थियों को चयनित कर फ्रांस में शोध के लिए भेजा जाएगा, जिससे कि वे विद्यार्थी एवं शिक्षक शोध एवं नवाचार के सर्वांगीण विकास में भरपूर योगदान दे सकें।

सुविवि एवं यूजीसी एचआरडीसी, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में रिफ्रेशर कोर्स : स्किल डेवलपमेंट एंड फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी का शुभारंभ

देश के विभिन्न भागों से आए शिक्षकों को कौशल विकास एवं तकनीकों को अपनाना चाहिए जिससे कि शिक्षक-वर्ग एक सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकें : प्रो. अमेरिका सिंह

सुखाड़िया विश्वविद्यालय एवं यूजीसी एचआरडीसी, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में 15 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स का शुभारंभ दिनांक 15 जनवरी, 2022 को हुआ। इस रिफ्रेशर में मुख्य विषय स्किल डेवलपमेंट एवं फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी रखे गए।

प्रो. अमेरिका सिंह अपने वक्तव्य में बताया कि रिफ्रेशर कोर्स समय की माँग है और नियत समय अंतराल में आयोजित होते रहने चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय न्यायाधीश श्री गोविंद माथुर रहे, कार्यक्रम के गेस्ट ऑफ ऑनर प्रो. संदीप शास्त्री, कुलपति, जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय, भोपाल रहे। कार्यक्रम के चेयरपर्सन जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रवीण चंद त्रिवेदी थे। वहीं कार्यक्रम के असिस्टेंट कॉर्डिनेटर डॉ. सचिन गुप्ता ने बताया कि यूजीसी एचआरडीसी, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. राजेश दुबे ने प्रतिभागियों को रिफ्रेशर कोर्स एवं एचआरडीसी जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय की गतिविधियों के बारे में बताया।

ओपन थिएटर में नुक्कड़ नाटक का मंचन

विश्वविद्यालय के ओपन थिएटर में दिनांक 15 दिसंबर, 2021 को विद्यार्थियों द्वारा कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की अध्यक्षता में एक नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। 'सोच' शीर्षक के इस नुक्कड़ नाटक में महिला शिक्षा और समाज में महिलाओं को समानता का दर्जा दिलाने का संदेश अभिनयपूर्वक दिया गया। कन्या भ्रूण हत्या, कार्यस्थल पर असमानता, बाल विवाह आदि को इस नाटक में दर्शाया गया। नाटक में श्रेया गौड़, उपासना सिंह, काजल वर्मा, भवानीशंकर कुमावत, ईशान शर्मा, कन्हैया सुथार, रिया चौधरी, सृष्टि पुरोहित, शिवानी सोनी, अपूर्व शर्मा, अजय डांगी, पीयूष टाँक, आंचल जैन और अजय शर्मा ने अपने शानदार अभिनय के बल पर विद्यार्थियों और दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। नाटक का निर्देशन जतिन भेरवानी ने किया जबकि संगीत निर्देशन भुवन शर्मा ने किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों में रचनात्मक योग्यता विकसित करने एवं परफॉर्मिंग आर्ट के जरिए उसे आम जनता तक पहुँचाने के लिए नुक्कड़ नाटक एक बेहतरीन माध्यम है।

सुविवि में समारोहपूर्वक मनाया गया : गणतंत्र दिवस

समावेशी विकास हमारे गणतंत्र को और अधिक शक्तिशाली बनाएगा : प्रो. अमेरिका सिंह

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस कोविड गाइडलाइन की अनुपालना करते हुए समारोहपूर्वक मनाया गया। संविधान स्तंभ के समक्ष कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान और संवेदना को आकार देते हैं। हमारे विद्यार्थी ज्ञान और कौशल के साथ संवेदनशीलता और दयालुता को भी अपने व्यक्तित्व में शामिल करें।

भारतीय गणतंत्र की आत्मा संविधान है और हमारी यूनिवर्सिटी की आत्मा यह संविधान स्तंभ है। यह स्तंभ हमारे गणतंत्र के गौरव का प्रतीक और हम सभी को राष्ट्र के प्रति सेवाभावना से कार्य करने की प्रेरणा देता है। भारत की वैश्विक भूमिका में विश्वविद्यालयों का योगदान महत्त्वपूर्ण है। हमें विकास के पथ पर गति और संतुलन का परिचय देना है।

प्रो. सिंह ने कहा कि समावेशी विकास मनुष्य मात्र के प्रति उत्तरदायी है और कुलपति के तौर पर अपने विश्वविद्यालय परिवार की ओर से हम इस पुनीत यज्ञ में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हैं। महामारी ने हमारी जीवन शैली को बहुत गहराई से प्रभावित किया है लेकिन मनुष्य ने अपनी एडेप्टेशन की ताकत से इस विकट समय का बहादुरी से सामना किया है। इस विकट समय में हमने स्टूडेंट वेलफेयर का विशेष ध्यान रखा है। समय से प्रवेश कार्य, समय से परीक्षा और नियत समय पर परिणाम घोषित किए गए। आदिवासी वर्ग को समाज की मुख्य धारा में शामिल करने के लिए हमने आदिवासी मिलाप योजना शुरू की है। विश्वविद्यालय के विभागों द्वारा 28 गाँवों को गोद लेकर उन्हें 100 प्रतिशत साक्षर करने का लक्ष्य रखा गया है। विश्वविद्यालय में 486 शिक्षक शोध कार्य में लगे हुए हैं, हमने प्रत्येक शिक्षक को एक-एक सीट आदिवासी क्षेत्र के शोधार्थियों के लिए आवंटित की है। कुलपति ने संकाय सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों, उपस्थित शिक्षाविदों, गणमान्य नागरिकों, छात्रसंघ पदाधिकारियों, एल्यूमिनी और विद्यार्थियों से आह्वान किया कि दक्षिण राजस्थान के इस आदिवासी बहुल अंचल में शिक्षा के विकास के लिए सब साझेदारी के साथ कार्य करें।

सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संविधान पार्क में सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन

आजादी के 75वें वर्ष में अमृत महोत्सव पर पतंजलि योग प्रतिष्ठान, आयुष मंत्रालय और संस्कृत भारती के साझे में चल रहे 75 करोड़ सूर्य नमस्कार के तहत दिनांक 04 फरवरी, 2022 को सुखाड़िया विश्वविद्यालय में स्थित राज्य के पहले नवनिर्मित संविधान पार्क में विद्यार्थियों द्वारा सूर्य नमस्कार एवं विभिन्न योगासन किए गए।

संविधान पार्क में देश और राजपूताना के शौर्य के प्रतीक प्रातःस्मरणीय महाराणा प्रताप एवं विभिन्न वीर महापुरुषों के चरिताख्यानों पर कविताएँ और गीत गाए गए। संविधान पार्क में विभिन्न प्रकार के जागरूकता जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों और समाज व देश के प्रति हमारे अधिकारों जैसे विषयों पर विभिन्न प्रकार के नुक्कड़ नाटक एवं अन्य विभिन्न माध्यमों से अपने संदेशों को प्रसारित करने का प्रयास किया गया।

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि सुखाड़िया विश्वविद्यालय का संविधान पार्क और उसके समीप स्थित ओपन थिएटर विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों और विद्यार्थियों की कलाओं के प्रदर्शन के लिए उपयुक्त स्थान बन गया है।

सुखाड़िया जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित

मुझे गर्व है कि सुखाड़िया साहब के नाम से नामांकित मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में काम करने का अवसर प्राप्त हुआ : कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

आधुनिक राजस्थान के निर्माता श्री मोहनलाल सुखाड़िया जी की 40वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सुखाड़िया विश्वविद्यालय परिवार ने श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के नवनिर्मित संविधान पार्क में स्थित श्री मोहनलाल सुखाड़िया जी की प्रतिमा के समक्ष किया गया।

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए सुखाड़िया जी के जीवनवृत्त और उनके कृतित्व पर प्रकाश डाला। आधुनिक राजस्थान के निर्माता स्वर्गीय श्री मोहनलाल सुखाड़िया जी ने अपनी आधुनिक सोच एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के द्वारा राजस्थान का विकास करके इसे पिछड़े राज्यों के दोयम दर्जे से निकालकर विकास के मार्ग पर लाए और राजस्थान को विकासशील बनाने में अपना योगदान दिया। आज राजस्थान राज्य विकास के पथ पर अग्रसर है उसमें सुखाड़िया जी के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन 4.0 पर पाँच दिवसीय एफडीपी

मैक इन इंडिया लक्ष्य को गति देने में उद्योग 4.0 की सक्रिय भूमिका : प्रो. अमेरिका सिंह

सुखाड़िया विश्वविद्यालय में दिनांक 21 फरवरी से 25 फरवरी तक देश के सभी शिक्षण संस्थाओं के लिए आयोजित होने वाले एफडीपी (फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम) की शुरुआत की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि यह कार्यशाला सुखाड़िया विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर, माइक्रोसॉफ्ट एवं सेप के टेकसक्षम प्रोग्राम के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित की गई।

कार्यशाला का शुरुआती वक्तव्य श्रीमती सैयद नवरा, सीनियर प्रोग्राम मैनेजर टेकसक्षम द्वारा दिया गया। कार्यशाला का मुख्य विषय इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन 4.0 एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस था, जिस पर पाँच दिनों तक अनुभवी वक्ताओं ने अपनी जानकारी साझा की। यह कार्यशाला पूर्ण रूप से ऑनलाइन संपन्न हुई। कार्यशाला की मेंटरिंग श्री मनप्रीत मन्ना, पूर्व डायरेक्टर एआईसीटीई कर रहे थे। इस कार्यशाला का उद्देश्य सभी संस्थानों के प्रतिनिधियों को इंडस्ट्री 4.0 एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में हुए नए शोध एवं वर्तमान स्थिति से अवगत करवाना था। कार्यशाला में मुख्य वक्तव्य प्रो. अनिल कोठारी, समन्वयक ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के द्वारा दिया गया।

कार्यशाला का समापन दिनांक 25 फरवरी, 2022 को हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला से मेक इन इंडिया के लक्ष्य को पूरा करने में सहयोग मिलेगा क्योंकि यह विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीक से रू-ब-रू करवाती है। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. सचिन गुप्ता थे। कार्यशाला के अंतिम दिन एफडीपी कन्वीनर प्रो. नीरज शर्मा ने बताया कि उद्योग 4.0 एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस निर्माण एवं विनिर्माण के क्षेत्र में भी बहुत महत्त्वपूर्ण है। कार्यक्रम के मेंटर श्री मनप्रीत सिंह मन्ना, पूर्व निदेशक एआईसीटीई ने भी बताया कि उद्योगों की प्रतिस्पर्धा एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धा में इसका आवश्यकता अनुसार तेजी से उपयोग हो रहा है।

समाज के कल्याण की आधारशिला प्रत्येक व्यक्ति के सुस्वास्थ्य पर निर्भर करती है : कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

विश्वद्यालय के विस्तार कार्यक्रम के तहत भीलू राणा कच्ची बस्ती के आशादीप प्राथमिक चिकित्सा केंद्र पर महिलाओं व बच्चों के लिए स्वास्थ्य जागरुकता एवं जाँच शिविर दिनांक 02 मार्च, 2022 को आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने संदेश में कहा कि आय-अर्जन और परिवार का स्वास्थ्य अच्छा रखने में महिलाओं की दोहरी भूमिका है, वे स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा समन्वित प्रयास निरंतर किए जा रहे हैं। स्त्री रोग चिकित्सक डॉ. प्रीति मल्होत्रा द्वारा सुस्वास्थ्य के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इसके बाद चिकित्सकीय जाँच करके महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का समाधान किया। डी.आई.जी. जेल्स से रिटायर प्रीता भार्गव ने महिलाओं को जोश व हिम्मत से जीवन को जीवंत बनाने को कहा।

एकेडमी ऑफ़ वेल बीइंग की संस्थापिका प्रो. विजयालक्ष्मी चौहान ने कहा कि मानव हितों का लालन-पालन करने वाली महिलाओं को समझदारी के साथ मेहनत करनी चाहिए ताकि परिवार और समाज दोनों विकसित हो पाए। कॉउंसलिंग हेड डॉ. क्रिस्टी पॉल ने कहा कि कच्ची बस्ती के बच्चों को इनफॉर्मल एज्युकेशन के साथ क्रिएटिव कार्य करवाया जाता है। डॉ. डॉली मोगरा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कच्ची बस्ती के बच्चों द्वारा पेपर आर्ट से बनाए हुए सुंदर गुलदस्ते भेंट किए। फैशन टेक्नोलॉजी एंड डिजाइनिंग विभाग और वेलबीइंग अकादमी के संयुक्त तत्त्वावधान में ग्रामीण महिलाओं द्वारा सस्टेनेबल रिसायकल प्रोजेक्ट के तहत बनाए गए उत्पादों को भी महिलाओं को दिखाया गया। चिकित्सक द्वारा जाँच के बाद श्रीमती रमा मल्होत्रा द्वारा पोषण युक्त आहार वितरित किया गया और सुनिश्चित किया गया कि एनीमिया से पीड़ित महिलाओं को पूर्ण पोषण मिल पाए।

प्रो. अमेरिका सिंह की अध्यक्षता में ग्राम चिरवा के विद्यालय का वार्षिकोत्सव संपन्न

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, चिरवा के वार्षिकोत्सव का आयोजन 12 मार्च, 2022 को किया गया। कार्यक्रम में प्रो. सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का सपना था कि समाज के सभी वर्गों को समान रूप से बेहतर शिक्षा मिलनी चाहिए और बाबासाहेब के सपने को पूर्ण करने के प्रयत्न में सुखाड़िया विश्वविद्यालय छात्रों को उच्च शिक्षा के सभी समुचित अवसर उदयपुर में ही उपलब्ध कराने को कटिबद्ध है। कुलपति ने अपनी बात को विस्तार देते हुए कार्यक्रम में पधारे छात्रों के परिवारजनों से घर में पढ़ाई का सही माहोल तैयार करने का आग्रह किया तथा विशेष रूप से लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने के अवसर देने का विनम्र आह्वान किया। शिक्षकों से भी आग्रह किया कि वे विद्यार्थियों के परिजनों से निरंतर संपर्क साधते हुए बच्चों के घर में भी पढ़ाई के अनुकूल वातावरण बनाने में सहयोग करें।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय के निदेशक प्रो. हनुमान प्रसाद ने विद्यार्थियों को मोटिवेशनल उद्‌बोधन देते हुए आत्मविश्वास के साथ ग्राम चिरवा का नाम रोशन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सरपंच गगन गमेती, उपसरपंच बिहारी दास, पूर्व सरपंच सुरेश सुथार, गेस्ट ऑफ ऑनर नीतू प्रसाद, भगवती मेनारिया, दुर्गाशंकर मेनारिया, शिक्षाविद ओंकार लाल मेनारिया, भामाशाह पप्पू मेनारिया, मदन मेनारिया, लाल जी मेनारिया आदि उपस्थित रहे। इस वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में की स्कूल के बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं।

सुखाड़िया विश्वविद्यालय मे कोरोना बूस्टर डोज का शिविर संपन्न

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के नेतृत्व में सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को कुशलतापूर्वक संपन्न किया जा रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा 101 दिवसीय कोरोना टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जा चुका है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के बूस्टर डोज का टीकाकरण शिविर का आयोजन दिनांक 11 जनवरी, 2022 को किया गया। टीकाकरण शिविर का उद्घाटन कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह द्वारा किया गया ।

कुलपति प्रो. सिंह ने अपने संबोधन में जिला स्वास्थ्य एवं प्रशासन विभाग टीकाकरण शिविर में नर्सिंग स्टाफ को धन्यवाद ज्ञापित किया। रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सदस्यों के कार्यों की प्रशंसा की। रेड रिबन क्लब के संयोजक डॉ. पी.एस. राजपूत ने बताया कि टीकाकरण शिविर में 128 लोगों को टीका लगाया गया।

विश्वविद्यालय में बूस्टर डोज लगवाने वालों का लगा तांता

अपने सामाजिक सरोकारों को अनवरत पूर्ण करते हुए, 12 जनवरी, 2022 को विश्वविद्यालय ने छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय में कोरोना टीकाकरण की तीसरी खुराक बूस्टर डोज के लिए टीकाकरण शिविर का आयोजन किया। बूस्टर डोज शिविर के दूसरे दिन डोज लगवाने वालों की भीड़ लगी रही।

टीकाकरण शिविर में सुखाड़िया विश्वविद्यालय एवं महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारी, उनके 60 वर्ष से अधिक उम्र के परिजन, कोरोना फ्रंटलाइन वॉरियर्स, चिकित्सा कर्मचारी, सेंट टेरेसा हॉस्पिटल के कर्मचारी, पुलिसकर्मी, नर्सिंगकर्मी, उदयपुर के पेंशनधारियों एवं 60 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों ने बूस्टर डोज लगवाई।

कुलपति, प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि ओमिक्रोन के प्रति जागरुकता तथा बूस्टर डोज के प्रति लोगों में उत्साह देखा जा रहा है। कुलपति ने उदयपुर स्वास्थ्य चिकित्सा विभाग तथा जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया कि इस प्रकार के टीकाकरण शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय प्रांगण में करवाया जा रहा है, जिससे कि आसपास के समस्त निवासियों को आसानी से बूस्टर डोज लगाई जा रही है।

उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उद्यमिता एवं कौशल विकास की दिशा में निरंतर सक्रिय : कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

सुखाड़िया विश्वविद्यालय के उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद एवं शिक्षा विभाग भारत सरकार के संयुक्त तत्त्वावधान में एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन 24 मार्च को किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय उद्यमिता एवं कौशल विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है।

कार्यशाला का उद्देश्य नई शिक्षा नीति 2020 में वर्णित परिणाम-आधारित शिक्षा, अनुभव-आधारित शिक्षा एवं विद्यार्थियों के क्षमता विकास को बढ़ावा देना है। प्रो. सिंह ने यह भी जानकारी दी कि 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट कॉन्सेप्ट' का उद्देश्य देश के प्रत्येक जिले को एक्सपोर्ट हब में बदलना है। कार्यशाला के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी एवं उप समन्वयक उद्यमिता प्रकोष्ठ डॉ. सचिन गुप्ता ने बताया कि कार्यशाला के मुख्य वक्ता महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के निर्देशक प्रो. चेतन चित्तालकर रहे तथा कार्यशाला के संयोजक डॉ. हनुमान प्रसाद, समन्वयक, उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ रहे।

एनसीसी

एनसीसी कैडेट्स का विदाई समारोह एवं कॅरियर काउंसलिंग का कार्यक्रम आयोजित

एम.बी. कॉलेज आर्मी विंग, 10 राज बटालियन एनसीसी उदयपुर के द्वारा कैडेट्स का विदाई समारोह एवं कॅरियर काउंसलिंग का कार्यक्रम दिनांक 02 मार्च, 2022 को आयोजित किया गया। केयरटेकर ऑफिसर डॉ. माया चौधरी ने बताया कि इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर्नल मनोहर सिंह राठौड़, डायरेक्टर शौर्यम् डिफेंस एकेडमी, उदयपुर, कर्नल इंद्रजीत घोषाल, कमांडिंग ऑफिसर 10 राज बटालियन एनसीसी उदयपुर, श्रीमान् दलपत सिंह राठौड़, लेखा नियंत्रक, मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी उदयपुर, डॉ. जी. एस. राठौड़, अधिष्ठाता, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ साइंस द्वारा की गई।

कार्यक्रम में आए अतिथि गणों ने विदाई ले रहे कैडेट्स को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं एवं एनसीसी कर रहे कैडेट्स को एनसीसी से होने वाले लाभ के बारे में बताते हुए उन्हें डिफेंस जॉइन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

एनएसएस

वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय : एनएसएस

कैंसर जागरुकता और स्वस्थ जीवनचर्या पर व्याख्यान का आयोजन

विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय की एनएसएस इकाई तथा 'संजीवनी लाइव बियोंड कैंसर' के संयुक्त तत्त्वाधान में कैंसर जागरूकता और स्वस्थ जीवनचर्या पर व्याख्यान दिनांक 27 फरवरी, 2022 को आयोजित किया गया। वाणिज्य महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. पी.के. सिंह ने अच्छी जीवन शैली और दिनचर्या की अनिवार्यता को समझाया तथा आज के दौर में कैंसर के प्रति जागरूकता के महत्ता को बताया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता 'संजीवनी लाइव बियोंड कैंसर' एनजीओ के प्रोग्राम ऑफिसर अर्चिता वर्मा ने बताया कि छोटे-छोटे आसान टिप्स को ध्यान में रखकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से निजात पाई जा सकती है। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य एवं एन.एस.एस. ऑफिसर डॉ. आशा शर्मा एवं श्री पुष्पराज मीणा ने किया।

एनएसएस : सात दिवसीय कैंप

वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय की तीनों एनएसएस इकाइयों द्वारा सात दिवसीय कैंप का आरंभ 23 मार्च को हुआ। शिविर के तीसरे दिन दिनांक 25–03–2022 (शुक्रवार) को एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. आशा शर्मा, श्री पुष्पराज मीणा एवं डॉ. रेणु शर्मा के निर्देशन में सार्वजनिक स्थल पर सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह सफाई कार्यक्रम रूप सागर झील (शोभागपुरा) के किनारे किया गया। प्रो. पी.के. सिंह, अधिष्ठाता वाणिज्य महाविद्यालय ने आम जीवन में स्वच्छता के महत्त्व को दर्शाया। इस सात दिवसीय कैंप के चौथे दिन दिनांक 26–03–2022 (शनिवार) को एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर के निर्देशन में जन जागरुकता रैली निकाली गई। एनएसएस टीम द्वारा फतहसागर झील से देवाली तथा बड़गाँव तक साइकिल रैली निकाली। इसी क्रम में बड़गाँव ग्राम पंचायत की उपसरपंच श्रीमती मीनाक्षी सुथार तथा सामाजिक कार्यकर्ता नैना शर्मा ने भी स्वच्छता और स्वास्थ्य हेतु जागरूक किया।

कैंप के पाँचवें दिन दिनांक 27–03–2022 को एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर के निर्देशन में एनएसएस स्वयंसेवकों में गाँधी दर्शन एवं प्रागैतिहासिक सभ्यता के प्रति जानकारी का कार्यक्रम रखा गया। इसी क्रम में महाविद्यालय की एनएसएस इकाइयों द्वारा आहड़ संग्रहालय में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जीवन के विषय में विभिन्न चित्रों द्वारा जानकारी प्राप्त की गई। कैंप के छठे दिन दिनांक 28–03–2022 को एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर्स के निर्देशन में प्रोत्साहन एवं सहयोग कार्यक्रम रखा गया। यह कार्यक्रम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शोभागपुरा, पंचायत समिति बड़गांव में आयोजित किया गया, जिसके अंतर्गत विद्यालय के छात्र-छात्राओं को स्टेशनरी वितरित की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा विद्यालय के खेल मैदान में उग रही अनावश्यक घास फूस को हटाने एवं साफ करने के लिए श्रमदान किया। कैंप के सातवें एवं अंतिम दिन दिनांक 29–03–2022 (मंगलवार) को एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर्स के निर्देशन में सात दिवसीय एनएसएस कैंप का समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अमरख जी महादेव, अम्बेरी, पंचायत समिति, बड़गाँव में आयोजित किया गया। प्रोग्राम ऑफिसर डॉ आशा शर्मा ने स्वागत भाषण दिया एवं प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. रेणु शर्मा द्वारा सात दिवसीय कैंप की प्रतिवेदन रिपोर्ट पढ़ी गई। इसी क्रम में कार्यक्रम के अतिथियों सहित एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा मंदिर परिसर के पेड़ों पर पक्षियों हेतु परिंडे बांधे गए। अंत में प्रोग्राम ऑफिसर श्री पुष्पराज मीणा द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर, प्रो. सी.आर.सुथार (एनएसएस समन्वयक एवं अधिष्ठता सामाजिक विज्ञान महाविद्यालय), प्रो. पी.के.सिंह (अधिष्ठाता, वाणिज्य महाविद्यालय), प्रो. मंजु बाघमार (सह अधिष्ठाता), प्रो. मुकेश माथुर, डॉ. शिल्पा वर्डिया, डॉ. शिल्पा लोढ़ा, डॉ. देवेन्द्र श्रीमाली, डॉ. शैलेन्द्र सिंह राव, डॉ. पारूल दशोरा, सब लेफ्टिनेंट डॉ. विनोद कुमार मीणा, शोधार्थी गण, कर्मचारी गण एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

विज्ञान महाविद्यालय : एनएसएस

राष्ट्रीय सेवा योजना : शहीद दिवस पर श्रद्धांजलि सभा और पोस्टर प्रतियोगिता

विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की समस्त इकाइयों द्वारा दिनांक 23 मार्च, 2022 को शहीद दिवस मनाया गया और भारत माता के वीर सपूतों शहीद भगत सिंह, शहीद राजगुरु और शहीद सुखदेव की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर और दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम में विज्ञान महाविद्यालय के कार्यवाहक अधिष्ठाता प्रो. के.बी. जोशी, सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. एस.के. गाँधी, डॉ. पी.एस. राणावत ने अपने विचार प्रकट किए। विद्यार्थियों ने भी शहीदों की याद में देशभक्ति से ओतप्रोत भाषण और कविता के रूप में अपनी भावनाओं को प्रस्तुत किया। इसी अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के लिए पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता का विषय 'आजादी के महानायक' था। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यकम अधिकारी डॉ. गिरिमा नागदा, डॉ. तृप्ता जैन, डॉ. अविनाश मारवाल, डॉ. प्रदीप कुमार विश्वकर्मा और दीप्ति श्रीमाल उपस्थित थे।

एनएसएस इकाइयों द्वारा सात दिवसीय शिविर का आयोजन

विश्वविद्यालय के संघटक विज्ञान महाविद्यालय की समस्त राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा सात दिवसीय शिविर की शुरुआत दिनांक 25 मार्च, 2022 को कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गिरिमा नागदा, डॉ. तृप्ता जैन, डॉ. अविनाश मारवाल, डॉ. प्रदीप विश्वकर्मा तथा दीप्ति श्रीमाल के निर्देशन में हुई। विज्ञान भवन ब्लॉक ए तथा IET विभाग में सफाई अभियान के साथ शिविर के प्रथम दिन शुभारंभ हुआ। शिविर के दूसरे दिन ढिकली, ग्राम पंचायत के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, वाड़ा में विद्यार्थियों को शरीर की स्वच्छता और स्वास्थ्य से जुड़ी महत्त्वपूर्ण जानकारीयाँ प्रदान की गईं तथा मास्क और सैनिटरी नैपकिन का वितरण किया गया।

सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन दिनांक 27 मार्च, 2022 (रविवार) को फतेहसागर पर मेराथन आयोजित हुई। स्वयंसेवकों ने मैराथन समाप्त होने के पश्चात कार्यक्रम स्थल पर फैले हुए फूड पैकेट्स, पानी की बोतलें और अन्य कूड़ा-करकट को एकत्रित कर साफ-सफाई अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

चौथे दिन दिनांक 28 मार्च 2022 को स्वयंसेवकों द्वारा महाविद्यालय परिसर में 125 परिण्डे लगाए गए। कार्यक्रम में अधिष्ठाता प्रो. जी.एस. राठौड़ ने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें राष्ट्रीय सेवा योजना में अपने महत्त्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

शिविर के पाँचवें दिन दिनांक 29 मार्च, 2022 को स्वयंसेवकों द्वारा महाविद्यालय परिसर में श्रमदान किया गया।

शिविर के छठे दिन दिनांक 30 मार्च, 2022 को राजस्थान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम स्वयंसेवकों के लिए राजस्थान की संस्कृति से जुड़ी पारंपरिक मांडणा प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने राजस्थानी एकल एवं समूह नृत्य, गायन, संवाद, कविता वाचन और कहानी पाठ आदि के माध्यम से राजस्थान के इतिहास, कला और साहित्य के विभिन्न महत्त्वपूर्ण पहलुओं को उजागर कर राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर और विरासत का परिचय दिया।

सातवें दिन दिनांक 31 मार्च, 2022 को स्वयंसेवकों के लिए 'जीवन एक कला है' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की मानव विकास और परिवार अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. गायत्री तिवारी ने कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में स्वयंसेवकों से अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में विज्ञान महाविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. पी.एस. राणावत, प्रॉक्टर डॉ. दिनेश यादव के साथ-साथ एनएसएस इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गिरिमा नागदा, डॉ. अविनाश मारवाल, डॉ. प्रदीप कुमार विश्वकर्मा तथा दीप्ति श्रीमाल उपस्थित रहे।

प्रबंध अध्ययन संकाय : एनएसएस

महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

भारत आज भी गाँवों में बसता है, वहाँ पहुँचकर उनका सम्मान करना गर्व एवं हर्ष का विषय : कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्त्वावधान में दिनांक 08 मार्च, 2022 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर ग्राम गोटीपा, तहसील वल्लभनगर में ग्रामीण महिलाओं एवं उच्च माध्यमिक की छात्राओं को मास्क, सेनेटरी नैपकिन, सैनेटाइजर और दवाइयाँ वितरित की गईं। प्रबंध अध्ययन संकाय के निदेशक ने सभी महिलाओं को शुभकामनाएँ दीं एवं उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रो. मीरा माथुर, प्रोग्राम ऑफिसर, राष्ट्रीय सेवा योजना, एफ.एम.एस. ने ग्रामीण महिलाओं को पर्सनल हाइजीन पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर प्रबंध अध्ययन संकाय निदेशक प्रो. हनुमान प्रसाद द्वारा संकाय में कार्यरत सभी महिला कर्मियों को उपरना व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

शहीदी दिवस मनाया गया

विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई व संकल्प द सोशल क्लब ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को याद करते हुए दिनांक 23 मार्च, 2022 को शहीदी दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम ठोकर चौराहे पर स्थित भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्पों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उसके पश्चात संकाय में शहीदों की महान शहादत के लिए श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जिसमें संकाय के निदेशक प्रो. हनुमान प्रसाद, पूर्व निदेशक प्रो. अनिल कोठारी, पाठ्यक्रम निदेशक प्रो. मीरा माथुर ने शहीदों की तस्वीर पर पुष्प अर्पण कर विद्यार्थियों को संबोधित किया। इसके पश्चात निबंध लेखन प्रतियोगिता, क्विज व स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने बड़े ही उत्साह के साथ भाग लिया।

शिक्षा संकाय : एनएसएस

सात दिवसीय शिविर का आयोजन

विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय महाविद्यालय द्वारा एनएसएस के सात दिवसीय शिविर का प्रारंभ दिनांक 24 मार्च, 2022 किया गया। एनएसएस प्रभारी डॉ. रश्मि सिंह, सहायक आचार्य, मनोविज्ञान विभाग ने बताया कि इस शिविर में शिक्षा संकाय के 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस शिविर में शोभागपुरा क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें एनएसएस यूनिट के स्वयंसेवकों ने अपनी सेवाएँ प्रदान की। शिविर के पहले दिन उद्घाटन सत्र में आर्ट्स कॉलेज के डीन प्रो. सी. आर. सुथार ने अध्यक्षता की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में एनएसएस के महत्त्व पर चर्चा की एवं उन्होंने स्वयंसेवकों को शपथ भी दिलायी। शिक्षा संकाय के विद्यार्थियों द्वारा नृत्य एवं नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति भी दी गई।

सात दिवसीय कैंप के दूसरे दिन, शिक्षा संकाय के एनएसएस वोलेंटियर्स ने शोभागपुरा स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में साफ-सफाई की। तीसरे दिवस में 26 मार्च, 2022 को परपल दिवस (मिर्गी जागरुकता दिवस) मनाया गया। इस उपलक्ष्य में एनएसएस स्वयंसेवकों ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय, शोभागपुरा में श्रमदान किया। इसी क्रम में डॉ. नवीन, एम.डी. जनरल मेडिसन, महाराणा भूपाल हॉस्पीटल, उदयपुर ने मिर्गी के दौरे से जुड़े तथ्य व प्राथमिक उपचार के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने मिर्गी के दौरों से जुड़े भ्रम व भ्रांतियों के बारे में भी अवगत कराया। चौथे दिवस में एनएसएस स्वयंसेवकों ने शोभागपुरा में 'जल बचाओ' विषयाधारित रैली निकाली व नुक्कड़ नाटक द्वारा जल बचाने का संदेश दिया। स्वयंसेवकों द्वारा आम लोगों को अपने नाटक द्वारा जल को बचाने के तरीके बताए गए। डॉ. सबीहा खान, सहायक आचार्य, भूगोल विभाग, ने स्वयंसेवकों को पर्यावरण के प्रति जागरूक होने के लिए प्रोत्साहित किया। पाँचवें दिवस 28 मार्च, 2022 को स्वयंसेवकों ने विद्यालय की साफ सफाई की। छठे दिवस पर एनएसएस स्वयंसेवकों ने शोभागपुरा के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में वृक्षारोपण किया। इसके पश्चात डॉ. दीपिका माली, सहायक आचार्य, दृश्य कला विभाग ने कला पर विस्तृत व्याख्यान दिया और स्वयंसेवकों को कोलाज बनाना सिखाया। सातवें दिवस कैंप के आखिरी दिन स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। राजस्थान दिवस उपलक्ष्य में स्वयंसेवकों ने राजस्थानी लोक गीत गाए और लोक नृत्य किए।

सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय : एनएसएस

एनएसएस यूनिट द्वारा जागरुकता अभियान

सेवा कार्यों में अग्रणी रहकर युवा अपनी ऊर्जा और जुनून को देश के विकास में लगा सकते हैं : प्रो. अमेरिका सिंह

आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय की एनएसएस यूनिट 1 एवं 2 द्वारा सात दिवसीय शिविर का आयोजन दिनांक 11–17 दिसंबर, 2021 तक किया गया। प्रथम दिन गैरसंचारी रोगों के विषय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिविर के दूसरे दिन विश्व स्वास्थ्य कवरेज दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर तथा समीपवर्ती क्षेत्र में एक स्वास्थ्य जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय में एनएसएस के समन्वयक प्रो. सी.आर. सुथार ने इस उपलक्ष्य में छात्रों को संबोधित किया। एनएसएस वोलेंटियर्स ने एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. डॉली मोगरा एवं डॉ. मनीष श्रीमाली के मार्गनिर्देशन में विभिन्न प्रकार की संचारी और गैर संचारी बीमारियों के बारे में लोगों से बात की।

शिविर के तीसरे दिन लघु नाटिका का मंचन तथा देशभक्ति गीत गायन एवं नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में राजश्री गांधी, मीठा लाल सिंघवी तथा प्रो. हेमंत द्विवेदी और विश्वविद्यालय में एनएसएस के समन्वयक प्रो. सी.आर. सुथार मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर में कहा कि युवा पीढ़ी को राष्ट्रीय सेवा योजना से जोड़ कर उचित मार्गदर्शन देकर उसे देश विकास व कल्याण में सकारात्मक भूमिका के रूप में काम मे लिया जा सकता है।

शिविर के चौथे दिन राजस्थान आर्म्ड कांस्टेब्लरी की 12वीं बटालियन का दौरा किया तथा वहाँ उपस्थित प्रभारी हेड कांस्टेबल श्री रामनिवास चौधरी से भेंट कर उनसे बटालियन के बारे में जानकारी प्राप्त की। अन्य दिनों में एनएसएस के छात्रों ने गाँव में एक कोविड जागरूकता रैली का आयोजन किया तथा ग्रामीणों के बीच मास्क और सैनिटाइजर का वितरण किया। शिविर के समापन समारोह पर कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने छात्रों को पुरस्कार वितरण किया एवं एनएसएस के प्लेटफॉर्म के माध्यम से सेवा एवं व्यक्तित्व निर्माण करने का संदेश दिया।

आहड़ संग्रहालय का शैक्षणिक भ्रमण एवं सात दिवसीय शिविर का समापन

विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय की एनएसएस की तीनों इकाइयों के वोलेंटियर्स द्वारा राजस्थान के 73वें स्थापना दिवस पर सेवा कार्य करते हुए तथा ऐतिहासिक महत्त्व के संग्रहालयों एवं स्थलों का भ्रमण करके मनाया गया। इस अवसर पर प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. डॉली मोगरा के निर्देशन में आयड़ स्थित ऐतिहासिक महत्त्व के 'आहाड़ संग्रहालय' का शैक्षणिक भ्रमण किया गया। महाविद्यालय की एनएसएस यूनिट-3 के प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. पी. एस. राजपूत ने वोलेंटियर्स एवं महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थियों को संबोधित किया। इसी के साथ ही महाविद्यालय की एनएसएस इकाइयों द्वारा पिछले एक सप्ताह से चल रहे सात दिवसीय सेवा शिविर का समापन समारोह का आयोजन रकमपुरा गाँव में आम ग्रामीणों के बीच किया गया। प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. मनीष श्रीमाली ने समापन समारोह कार्यक्रम में पिछले सात दिनों में चल रहे एनएसएस सेवा शिविर में आयोजित विभिन्न गतिविधियों, प्रतियोगिताओं, सेवा कार्यों, शैक्षणिक भ्रमण आदि का विवरण प्रस्तुत किया।

रोवरिंग/रेंजरिंग

स्काउट गाइड के शिविर सिखाते हैं अल्प संसाधनों का अधिकतम उपयोग एवं मानव सेवा : प्रो. अमेरिका सिंह

विश्व स्काउट दिवस एवं विश्व चिंतन दिवस के उपलक्ष्य में स्काउट गाइड मंडल मुख्यालय द्वारा दिनांक 22–26 फरवरी, 2022 तक आयोजित होने वाले पाँच-दिवसीय जिला-स्तरीय आवासीय रोवर-रेंजर निपुण प्रशिक्षण शिविर में सहभागिता करने के लिए मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के 50 रोवर्स एवं 50 रेंजर्स के दल को माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने हरी झंडी दिखाकर शुभकामनाओं एवं आशीर्वाद के साथ कुलपति निवास से विदा किया। प्रो नीरज शर्मा, समन्वयक, विश्वविद्यालय रोवेरिंग-रेंजरिंग विकास समिति ने सभी को विश्व स्काउट दिवस एवं विश्व चिंतन दिवस पर शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। डॉ. खुशपाल गर्ग, सचिव, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय रोवेरिंग-रेंजरिंग विकास समिति ने बताया कि विश्वविद्यालय के रोवर-रेंजर दल के साथ विश्वविद्यालय के रोवर लीडर डॉ. प्रद्युम्न सिंह राणावत, डॉ. हिमांशु भट्ट एवं विश्वविद्यालय की रेंजर लीडर्स डॉ. पारुल दशोरा, डॉ. जया अरोरा, श्रीमती मीना पूर्बिया भी दल के मार्गदर्शन के लिए दल के साथ शिविर में उपस्थित रहे।

स्काउट गाइड मंडल मुख्यालय, उदयपुर के द्वारा आयोजित शिविरों का प्रो. अमेरिका सिंह ने किया अवलोकन

रोवरिंग युवक-युवतियों के चरित्र निर्माण की पाठशाला है : प्रो. अमेरिका सिंह

स्काउट-गाइड मंडल मुख्यालय, उदयपुर के तत्त्वावधान में मंडल प्रशिक्षण केंद्र, उदयनिवास, उदयपुर में दिनांक 22 फरवरी, 2022 से आयोजित कब एवं स्काउट मास्टर बेसिक एवं एडवांस कोर्स, विशेष परियोजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति के छात्रों का स्काउट प्रशिक्षण एवं जिला स्तरीय रोवर-रेंजर निपुण प्रशिक्षण शिविरों का प्रो. अमेरिका सिंह, कुलपति ने अवलोकन किया। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट श्री सुरेंद्र कुमार पाण्डेय ने प्रो. सिंह को शिविरार्थियों द्वारा स्काउट-गाइड की विभिन्न कलाओं के अंतर्गत सीखे गए विभिन्न गजेट्स, विभिन्न पारंपरिक दिशा-सूचक कलाओं एवं कैंप क्राफ्ट, पयोनियरिंग के विभिन्न प्रोजेक्ट्स जैसे- मंकी ब्रिज, कमांडो ब्रिज, वाचिंग टावर आदि के बारे जानकारी दी।

इस अवसर पर बोलते हुए माननीय कुलपति ने बताया कि वास्तविकता में स्काउटिंग जीवन जीने की एक कला है जो कि मानव को कर्मठ, झुझारु, सक्रिय, सामाजिक एवं परोपकारी बनाते हुए उसे मानवसहित प्राणी मात्र की सेवा के लिए अभिप्रेरित करती है। सीओ गाइड श्रीमती विजय लक्ष्मी रोहिला ने धन्यवाद देते हुए माननीय कुलपति के कुशल नेतृत्व में रोवेरिंग-रेंजरिंग गतिविधियों को मिल रहे प्रोत्साहन को रेखांकित करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने की मंडल के स्काउट पदाधिकारियों से मंत्रणा

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो. अमेरिका सिंह की अध्यक्षता में कुलपति कार्यालय में विश्वविद्यालय में रोवरिंग और रेंजरिंग गतिविधियों की समीक्षा के लिए एक बैठक दिनांक 15 दिसंबर, 2021 को आयोजित की गई। बैठक में राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड, उदयपुर मंडल के सहायक राज्य संगठन आयुक्त श्री दामोदर प्रसाद शर्मा, सी.ओ.(स्काउट), श्री सुरेंद्र कुमार पांडे, सी.ओ. (गाइड), श्रीमती विजयलक्षी वर्मा, डॉ. खुशपाल गर्ग (रोवर लीडर), सुश्री विनीता राजपुरोहित (रेंजर लीडर) और श्रीमती स्नेहलता टेलर (रेंजर लीडर) उपस्थित रहे।

बैठक में कुलपति ने विश्वविद्यालय में रोवरिंग-रेंजरिंग गतिविधियों के विकास का जायज़ा लिया तथा इस पर संतोष प्रकट करते हुए रोवरिंग एवं रेंजरिंग प्रवृत्तियों की निरंतर होती प्रगति की प्रशंसा की। कुलपति सिंह ने स्काउट-गाइड संगठन के पदाधिकारियों से विश्वविद्यालय में रोवरिंग एवं रेंजरिंग गतिविधियों को किस प्रकार और बढ़ावा दिया जाए, इस पर सुझाव लिए। मीटिंग में विश्वविद्यालय में रोवरिंग-रेंजरिंग प्रवृत्तियों के विकास हेतु विभिन्न महत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई तथा उनके क्रियान्वयन के लिए कुलपति महोदय ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

यूजीसी महिला अध्ययन केंद्र

महिलाओं ने दिखाया हुनर, अधिकारों के लिए उठ खड़े होने की कही बात

विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सात दिवसीय कार्यक्रमों का समापन 8 मार्च को हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत 2 मार्च को हुई थी। कार्यक्रम के पहले दिन विद्यार्थियों को पिंक फिल्म दिखाई गई। वहीं दूसरे दिन पौधारोपण किया गया। तीसरे दिन 4 मार्च को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न पर बने क़ानून पर एक लेक्चर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 5 मार्च को पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता हुई जिसमें प्रतिभागियों ने महिला सुरक्षा, कन्या भ्रूण हत्या को रोकने, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने, आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तीकरण आदि विषयों पर पोस्टर बनाकर जागरुकता का संदेश दिया। वहीं 7 मार्च को डिबेट शो हुआ, जिसमें महिला-पुरुष समानता और महामारी में महिलाओं की भूमिका विषय पर प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रकट किए। कार्यक्रम में पैडवूमन नाम से विख्यात लाड लौहार, प्रो. सी.आर. सुथार, प्रो. सीमा मलिक आदि ने बालिकाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंतिम दिन 8 मार्च को सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए जिसमें प्रतिभागियों ने नृत्य, नाटक, कविता आदि से जुड़ी विभिन्न प्रस्तुतियाँ दीं। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने विश्वविद्यालय में टैलेंट को निखारने और आगे बढ़ाने के लिए ड्रामा सॉसायटी स्थापित करने की स्वीकृत दी। सांस्कृतिक संध्या में सुविवि कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह द्वारा मेवाड़ क्षेत्र की 14 महिला हस्तियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर सोशल मीडिया फेम जिगिशा जोशी, चेतना भाटी, नंदिता दत्त, उमा रत्नु, मिति गोडावत, प्रो. कलावती, कुसुम पालीवाल, सरला गुप्ता, लाड लौहार, भावना जाट, प्रियम्बरा झिलमिल, रेखा सिसोदिया, रुचि सिंह को सम्मानित किया गया और सभी कार्यक्रम में बतौर अतिथि शामिल हुए।

महिला दिवस आयोजन की शृंखला में नाटक मौजपुर का भी मंचन हुआ। यह नाटक कन्या भ्रूण हत्या से पनप रही सामाजिक बुराइयों को दर्शाता है। यूजीसी सेंटर फॉर वुमेन्स स्टडीज एवं गर्ल्स हॉस्टल द्वारा आयोजित इस नाटक में खास बात यह रही कि सभी पुरुष पात्र छात्राओं द्वारा अभिनीत किए गए। नाटक की मुख्य भूमिका में श्रेया गौड़, तमन्ना पृथ्वीराज गोयल, पायल कुमावत, हुलाश राजवी, शिवानी राठौड़, पूजा शर्मा, नीतू राठौड़, प्रियंका शर्मा, टीना शर्मा, दीक्षा बैरवा, तनशीरा बानो, दिव्या सोनी, दिव्या आदिवाल, रितिका चौधरी एवं खुशबू गौड़ ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया।

वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय

बसंत पंचमी को किया गया सरस्वती पूजन शिक्षित विनयशील व्यक्तियों को ही माता सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त होता है : प्रो. अमेरिका सिंह

दिनांक 05 फरवरी, 2022 को वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय में माता सरस्वती के जन्मदिन को बसंत पंचमी के रूप में मनाया गया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. शिल्पा वर्डिया ने बताया कि कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने अपने बधाई संदेश में कहा कि शिक्षित विनयशील व्यक्तियों को ही माता सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त होता है। महाविद्यालय अधिष्ठाता प्रो. पी.के. सिंह ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि बसंत पंचमी के दिन सभी शुभ कार्य प्रारंभ किए जाते हैं। इस कार्यक्रम में प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण ने कहा कि बच्चों के लिए शिक्षा का प्रारंभ बंसत पंचमी से होना चाहिए। इस कार्यक्रम में प्रो. मुकेश माथुर, प्रो. राजेश्वरी नरेन्द्रन, अतिथि DYSP श्री जरनेल सिंह ने विचार व्यक्त किए।

एमओयू संपन्न

'सतत विकास के लिए एजुकेशन एलायंस' पर ध्यान केंद्रित करते हुए आत्मिया विश्वविद्यालय, राजकोट के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर : कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

विश्वस्तरीय शिक्षा व्यवस्था एवं शिक्षा प्रसार के अपने मिशन में सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के नेतृत्व में एक और मील का पत्थर जोड़ा है। 22 मार्च, 2022 को विश्वविद्यालय द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में जिम्मेदार व्यवसाय आचरण' विषय पर एक फोकस समूह कार्यशाला को हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन एप्लाइड साइंसेज विश्वविद्यालय, चुर, स्विट्जरलैंड, आत्मिया विश्वविद्यालय, राजकोट और 'साउथ 17 : एजुकेशनल एलायंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (ईएएसडी)' के संयुक्त तत्त्वावधान में किया गया।

कार्यशाला का उद्‌घाटन कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह द्वारा किया गया और इसका संचालन प्रो. क्रिश्चियन हॉसर, एप्लाइड साइंस विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड और प्रो. शिव के. त्रिपाठी, कुलपति, आत्मिया विश्वविद्यालय, राजकोट द्वारा किया गया। स्विट्जरलैंड के शोधकर्ता ने कार्यशाला विषय पर अपने शोध के निष्कर्ष को प्रस्तुत किया।

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि इस कार्यशाला का फोकस नवीनतम सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा करना था।

कार्यशाला के समन्वयक डॉ. सचिन गुप्ता बताया कि आयोजन से पहले, एमएलएसयू और आत्मिया विश्वविद्यालय, राजकोट के बीच ईएएसडी पर ध्यान देने के साथ एमओयू ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। दोनों विश्वविद्यालय ईएएसडी में संस्थापक भागीदार हैं, जिसे विशेष रूप से साउथ के देशों में सतत विकास संबंधी ज्ञान-विनिमय को बढ़ावा देने के लिए गठबंधन के रूप में लॉन्च किया गया था। यह पहल 5 जनवरी, 2022 को एमएलएसयू, आत्मिया विश्वविद्यालय, सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय, मुंबई, शिक्षा विभाग, गुजरात सरकार, एसडीजी चौपाल, नागरिक फाउंडेशन, ह्यूमैनिस्टिक मैनेजमेंट नेटवर्क (स्विट्जरलैंड) के इंडिया चैप्टर, सैटो यूनिवर्सिटी कॉलेज, मलेशिया और बर्लिन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज, जर्मनी जैसे शैक्षणिक संस्थानों के साथ प्री-वाइब्रेंट गुजरात अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान शुरू की गई थी।

व्याख्यान आयोजित

विद्यार्थियों के लिए सफलता के आयाम- मूल्यवर्धन, दुर्लभता एवं अतुलनीयता : डॉ. रोजर गोपाल

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय के द्वारा अनौपचारिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 27 मार्च, 2022 को किया गया। इसमें वक्ता के रूप में डॉ. रोजर गोपाल, हाई कमिश्नर, रिपब्लिक ऑफ त्रिनिनाद एंड टोबैगो ने अपना उद्‌बोधन दिया। डॉ. रोजर ने शोधार्थियों को जीवन के तीन महत्त्वपूर्ण आयामों के बारे में बताया- मूल्यवर्धन, दुर्लभता, अतुलनीयता। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को इन आयामों को अपने जीवन में अपना लेना चाहिए।

राजस्थान दिवस पर कार्यक्रम 'सामाजिक समरसता की महक'

शक्ति की पराकाष्ठा एवं शौर्य का प्रतीक है राजस्थान : प्रो. पी.के. सिंह

विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय के द्वारा दिनांक 30 मार्च, 2022 को राजस्थान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता एवं लेखांकन एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. शिल्पा वर्डिया ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए राजस्थान की स्थापना का विस्तृत वर्णन किया। कार्यक्रम अध्यक्ष अधिष्ठाता प्रो. पी.के. सिंह ने अपने उद्‌बोधन में राजस्थान के गठन, पुनर्गठन, राजस्थान की संस्कृति तथ विशेषताओं का वर्णन किया। प्रो. मुकेश माथुर, विभागाध्यक्ष, बैंकिंग एंड व्यावसायिक अर्थशास्त्र ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि हमें हमारी संस्कृति को बचाने के लिए उसकी महत्ता तथा उपयोगिता को समझना चाहिए।

प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत, छात्र कल्याण अधिष्ठाता ने राजस्थानी भाषा की उपयोगिता का महत्त्व बताया तथा भाषा को उन्होंने सांख्यिकी के साथ जोड़ा। एम.कॉम. व्यावसायिक प्रशासन की छात्राओं कीर्ति एवं रवीना द्वारा राजस्थान के लोक नृत्य कालबेलिया की भी प्रस्तुति दी गई। इसके पश्चात महाविद्यालय परिसर में पक्षियों के लिए परिंडे भी लगाए गए।

लेखा और व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग

ब्लॉकचैन तकनीक को शिक्षण संस्थाओं के पाठ्यक्रम में शामिल करना वर्तमान समय की माँग : प्रो. अमेरिका सिंह

विश्वविद्यालय के लेखा और व्यवसायिक सांख्यिकी विभाग ने दिनांक 08 जनवरी, 2022 को 'लेखांकन में ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ' विषय पर ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी शृंखला-4 का आयोजन किया। संगोष्ठी के उद्‌घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. बी.पी. शर्मा, ग्रुप प्रेसिडेंट, प्लानिंग एंड कंट्रोल, पैसिफिक ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज, उदयपुर, राजस्थान थे। उन्होंने कहा कि ब्लॉकचैन में सूचना के कई ब्लॉकों को जोड़ने और उन्हें आपस में जोड़ने की क्षमता है तथा ब्लॉकचैन का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों जैसे यातायात प्रबंधन, रक्षा, धोखाधड़ी की रोकथाम आदि में किया जा सकता है। माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने अपने बधाई संदेश में कहा कि ब्लॉकचैन तकनीक को शिक्षण संस्थाओं के पाठ्यक्रम में शामिल करना वर्तमान समय की माँग है। अध्यक्षीय भाषण में प्रो. पी.के. सिंह ने ब्लॉकचैन तकनीक पर चर्चा की।

कार्यक्रम की शुरुआत में वेबिनार के निदेशक और विभागाध्यक्ष प्रो. शूरवीर एस. भाणावत ने वेबिनार के विषयों, उद्देश्यों और 'ब्लॉकचैन अकाउंटिंग : एन एक्सप्लोरेटरी रिसर्च' नामक परियोजना के बारे में चर्चा की। विभाग की सहायक आचार्य तथा संगोष्ठी की आयोजक सचिव डॉ. शिल्पा वर्डिया ने कहा कि ब्लॉकचैन तकनीक लेखांकन के क्षेत्र में लेखाकारों एवं अंकेक्षकों को अपने पेशे में न केवल कई नए अवसर प्रदान करेगी वरन् कई चुनौतियाँ भी उत्पन्न करेंगी।

तकनीकी सत्र में अध्यक्ष डॉ. अरिंदम गुप्ता, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल ने कहा कि ब्लॉकचैन प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रयोग हैं। मुख्य वक्ता डॉ. ओंकार नाथ, सूचना सुरक्षा, जोखिम प्रबंधन, साइबर सुरक्षा, डिजिटल फोरेंसिक और आईएस ऑडिट के लिए रणनीतिक स्तर पर सलाहकार ने कहा कि ब्लॉकचैन की आत्मा ब्लॉक के भीतर छिपी हुई है और हैश ब्लॉक की आत्मा है। वक्ता श्री राज ए. कपूर, इंडिया ब्लॉकचैन एलायंस के संस्थापक और कई ब्लॉकचैन कंपनियों के सलाहकार बोर्ड के सदस्य ने कहा कि ब्लॉकचैन एक सूचना प्रौद्योगिकी नहीं है, यह एक संस्थागत तकनीक है।

कार्बन क्रेडिट लेन-देन में लेखांकन और कराधान के मुद्दे पर सामूहिक परिचर्चा का आयोजन

वाणिज्य महाविद्यालय के लेखांकन एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग द्वारा दिनांक 15 मार्च, 2022 को 'कार्बन क्रेडिट लेन-देन में लेखांकन और कराधान के मुद्दे' पर सामूहिक परिचर्चा की गई। विभागाध्यक्ष एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत ने बताया कि कार्बन इमिशन की समस्या लेखांकन के क्षेत्र का सामयिक एवं ज्वलंत मुद्दा है। कार्यक्रम की आयोजन सचिव विभाग की सहायक आचार्य डॉ. आशा शर्मा रही।

प्रबंध अध्ययन संकाय

कैंपस प्लेसमेंट आयोजित

विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय में दिनांक 29 जनवरी, 2022 को ए.यू. स्माल फाइनेंस बैंक का कैंपस प्लेसमेंट आयोजित किया गया। बैंक क्लस्टर हेड श्री गजेंद्र शेखावत एवं एच.आर. सुश्री शिखा, संकाय के निदेशक प्रो. हनुमान प्रसाद एवं प्लेसमेंट टीम के साथ सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संविधान पार्क गए तथा इसे एक अनूठा ऐतिहासिक निर्माण बताया।

अर्थव्यवस्था की दिशा निर्धारित करने का सबसे सक्षम सूचक होता है बजट : प्रो. भगवती प्रकाश शर्मा

विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय के एम.बी.ए. फाइनैंश्यल सर्विसेज़ मैनेजमेंट प्रोग्राम द्वारा 'बजट 2022' विषय पर पैनल डिस्कशन का आयोजन दिनांक 05 फरवरी, 2022 को किया गया।

इस कार्यक्रम में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के पूर्व कुलपति प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा ने बजट पर प्रकाश डालते हुए हुए कहा कि किसी भी अर्थव्यवस्था की दिशा एवं गति निर्धारित करने का सबसे सक्षम सूचक बजट होता है।

उदयपुर चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष श्री कोमल कोठारी ने कहा कि इस बजट की सबसे मुख्य बात यह है कि फिजिकल डेफिसिट को नियंत्रित करना, रोजगार के अवसर उत्पन्न करना एवं आर्थिक व्यवस्था को सुदृढ़ करना है।

सी.ए. डॉ. महावीर चपलोत ने टैक्स अर्थात् कर पर बजट के प्रभाव को समझाया। इस अवसर पर पाठ्यक्रम निदेशक प्रो. अनिल कोठारी ने शिक्षा के क्षेत्र में वर्चुअल यूनिवर्सिटी के प्रावधान के बारे में बताया। संकाय निदेशक प्रो. हनुमान प्रसाद ने कहा कि इस बार बजट कुछ दृढ़ निश्चय लेकर आया है। चाहे वह आधारभूत ढाँचे में हो चाहे शिक्षा का क्षेत्र, चाहे कृषि क्षेत्र हो या बैंकिंग क्षेत्र, हर क्षेत्र में नवीनीकरण का प्रयास किया गया है। पर्यटन एवं होटल प्रबंधन की पाठ्यक्रम निदेशक प्रो. मीरा माथुर ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि हाल ही में घोषित बजट 2022 के बारे में सभी वक्ताओं ने बड़े ही सहज एवं संक्षिप्त रूप से जानकारी साझा की। इस कार्यक्रम का संचालन सुश्री डिम्पी सुहालका ने किया।

सरस्वती पूजन

प्रबंध अध्ययन संकाय की दोनों ही इकाइयों प्रबंध भवन एवं पर्यटन भवन में दिनांक 05 फरवरी, 2022 को वसंत पंचमी के अवसर पर माँ सरस्वती पूजन किया गया। इस अवसर पर संकाय के निदेशक प्रो. हनुमान प्रसाद, प्रो. मीरा माथुर, प्रो. अनिल कोठारी एवं समस्त टीचिंग कंसल्टेंट्स, गेस्ट फैकल्टी एवं विधार्थी उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस 'स्टेलवार्ट मैनेजमेंट प्रैक्टिसेस' का उद्घाटन

संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन संपूर्ण आर्थिक जगत की उन्नति का प्रमुख कारण : प्रो. अमेरिका सिंह

प्रबंध संकाय, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस 'स्टेलवार्ट मैनेजमेंट प्रैक्टिसेस' का उद्घाटन 25 फरवरी, 2022 को हुआ।

इसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने की। कॉन्फ्रेंस संयोजक एवं प्रबंध अध्ययन संकाय के निदेशक प्रो. हनुमान प्रसाद ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस के मुख्य अतिथि यूनेस्को लॉरिअट प्रो. बशिरू अरेमू, कुलपति क्राउन यूनिवर्सिटी यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका, गेस्ट ऑफ ऑनर- आर.वी. यूनिवर्सिटी बेंगलुरु के कुलपति प्रो. द्वारिका प्रसाद उनियाल थे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर गुरुग्राम विश्वविद्यालय के प्रबंध संकाय की अधिष्ठाता प्रो. अमरजीत कौर तथा मुख्य वक्ता के रूप में साउथ अफ्रीका डरबन विश्वविद्यालय ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रबंध अध्ययन संकाय के प्रो. रवींद्र रैना उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने अपने संबोधन में नए समय को अपनाने व उसके अनुरूप अपने पाठ्यक्रम को बदलने और जीवन में आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी। प्रो. हनुमान प्रसाद ने कहा कि कॉविड काल में जिस प्रकार सर्वोत्तम प्रैक्टिसेस के कारण भारत में मानव जीवन के साथ-साथ आर्थिक जगत को कम से कम नुकसान हुआ उन्हीं प्रैक्टिसेज को पहचानने एवं विश्व जगत के समक्ष लाने के ध्येय से यह विषय रखा गया है।

प्रो. द्वारिका प्रसाद उनियाल ने अपने मित्र के नाम से राहुल नाहर मेमोरियल स्कोलरशिप स्कीम की घोषणा की तथा प्रो. द्वारिका प्रसाद उनियाल ने नवाचार व नए व्यापार विचार पर बातचीत की।

प्रो. रवींद्र रैना ने बताया कि आज के दौर मे भारत में हर दिन कई नए बिजनेस शुरू हो रहे हैं जो कि बढ़ते भारत की नींव हैं। डॉ. अमरजीत कौर ने अपने उद्बोधन में प्रबंध अध्ययन के बदलते हुए कारणों पर प्रकाश डाला व बताया कि इसमें नई तकनीक का प्रयोग कैसे कर सकते हैं जिससे कि मार्केट में सस्टेन कर सकें। अंत में प्रो. अनिल कोठारी द्वारा लाईफ टाइम अचीवमेंट्स भाषण दिया गया।

टूरिज्म एवं होटल मैनेजमेंट में मनाया गया राजस्थान दिवस

सुविवि के डिपार्टमेंट ऑफ टूरिज्म व होटल मैनेजमेंट में राष्ट्रीय सेवा योजना, INTACH व संकल्प - द सोशल क्लब द्वारा 30 मार्च, 2022 को राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य पर राजस्थानी व्यंजनों के वैशिष्ट्य पर वेबिनार आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. संगीता धर ने राजस्थानी खानपान पर चर्चा की। इसी उपक्रम में होटल मैनेजमेंट ने राजस्थानी वेशभूषा में रैम्प वॉक व नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता प्रबंध अध्ययन संकाय निदेशक प्रो. हनुमान प्रसाद ने की। नादिर एंड ग्रुप ने अपनी मधुर आवाज से कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। पूजा धाकड़ ने अपनी कविता की प्रस्तुत की। नृत्य प्रतियोगिता में श्रुति लड्ढा व सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा का इनाम करण अरोड़ा को दिया गया।

विधि महाविद्यालय

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 08.03.2022 को विधि महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन राजकीय माध्यमिक विद्यालय पहाड़ा, उदयपुर में किया गया। इस कार्यक्रम में विधि महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक छात्रों ने भाग लिया तथा विद्यालय में उपस्थित छात्र-छात्राओं को कानूनी जानकारी प्रदान की। विधि महाविद्यालय के छात्र श्याम शर्मा ने बालिका शिक्षा और लैंगिक समानता पर विचार व्यक्त किए। महाविद्यालय की छात्रा हेमलता नागदा ने विधि की आवश्यकता तथा विधि क्षेत्र में अवसरों पर प्रकाश डाला। वीरेंद्र सिसोदिया ने कोरोना जागरूकता के बारे में छात्रों को अवगत कराया। कार्यक्रम के पश्चात स्कूल परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मास्क वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में कार्यवाहक प्राचार्य श्रीमती निर्मला बोहेड़िया ने बताया कि महिलाओं को प्रगति पथ पर बढ़ने और बढ़ाने के लिए परिवार का सहयोग महत्त्वपूर्ण होता है तथा साथ ही सभी महिलाओं से आह्वान किया कि जीवन में हौसले के साथ सदैव आगे बढ़ें। इस अवसर पर विधि महाविद्यालय के आचार्य एवं छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वीरेंद्र सिसोदिया के द्वारा किया गया।

विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय

सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विज्ञान महाविद्यालय पुस्तकालय में आरएफआईडी युक्त प्रणाली का उद्घाटन

शिक्षण में तकनीकों का समावेश शिक्षण को श्रेष्ठ बनाता है और यदि तकनीक का समावेश पुस्तकालय सुविधा में होता है तो यह शिक्षण को सर्वश्रेष्ठ बना देता है : प्रो. अमेरिका सिंह

विज्ञान महाविद्यालय पुस्तकालय में आरएफआईडी प्रणाली युक्त पुस्तकालय का उद्घाटन 17 फरवरी, 2022 को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह द्वारा किया गया। प्रो. सिंह ने पुस्तकालय में दिव्यांगों हेतु उपलब्ध सॉफ्टवेयर सुविधाओं, पूर्णता आरएफआईडी युक्त तकनीकी सेल्फ ईशु एवं सेल्फ रिटर्न प्रणाली से युक्त पुस्तकालय का उद्घाटन किया। प्रो. सिंह ने पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों की सराहना की।

इस तकनीक को लागू करने का श्रेय पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. पी.एस. राजपूत को जाता है। डॉ. पी.एस. राजपूत ने बताया कि उन्हें रूसा 2.0 के अंतर्गत पुस्तकालय ओटोमेशन हेतु 55 लाख रुपए का प्रोजेक्ट मिला था, इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत पुस्तकालय में आरएफआईडी तकनीक का समावेश, दिव्यांग जनों के लिए सॉफ्टवेयर के माध्यम से शिक्षण में सहायक तकनीकी सुविधा का उपयोग पुस्तकालय सुविधाओं में किया जा रहा है और ये सुविधाएँ छात्रों के लिए अतिलाभकारी हैं। आरएफआईडी के माध्यम से छात्र किताबों का लेनदेन कर सकेंगे जिससे उनके समय की बचत होगी। इस अवसर पर अधिष्ठाता प्रो. घनश्याम सिंह राठौड़ ने बताया कि डॉ. राजपूत पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के संभवतः पहले ऐसे सहायक आचार्य हैं जिन्हें इतनी बड़ी राशि प्रोजेक्ट के रूप में मिली है और उन्होंने अपनी लगन एवं मेहनत से यह कार्य संपन्न किया। रूसा परियोजना की नोडल ऑफिसर प्रो. कनिका शर्मा ने बताया कि विज्ञान महाविद्यालय पुस्तकालय पहला पुस्तकालय है जिसमें इस तकनीक का पूर्ण रूप से प्रयोग किया गया है। कार्यक्रम में सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. सी.आर. सुथार, वाणिज्य महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. पी.के. सिंह, केंद्रीय पुस्तकालय की प्रभारी प्रो. एन. लक्ष्मी, सेवानिवृत्त शिक्षक एवं पुस्तकालय कर्मचारी जिममें प्रो. एल.एन. वर्मा, डॉ. उमेश अग्रवाल, श्री टी.एस. बोहरा और प्रतिभा चौबीसा आदि उपस्थित थे।

विज्ञान महाविद्यालय में हुई प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर प्रतियोगिता

विज्ञान महाविद्यालय में 28 फरवरी, 2022 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इसी शृंखला में दिनांक 26 फरवरी को प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. एस. के. गाँधी और डॉ. पी.एस. राणावत ने बताया कि विज्ञान पर आधारित 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में महाविद्यालय के 150 से भी अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

पोस्टर प्रतियोगिता में करीब 65 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में 28 फरवरी को महाविद्यालय में एक विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। विज्ञान मेले के लिए 83 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया जिन्होंने 20 टीमों के रूप में अपने मॉडल प्रस्तुत किए। अधिष्ठाता प्रो. घनश्याम सिंह राठौड़ ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

भारतीय वायुसेना ने उदयपुर में छात्रों के लिए चलाया जागरुकता अभियान

भारतीय वायुसेना ने अपने राष्ट्रव्यापी जागरुकता कार्यक्रम के रूप में उदयपुर में 'इंडक्शन पब्लिसिटी एक्जीबिशन व्हीकल' ड्राइव नामक एक छात्र-वार्ता कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 02 मार्च, 2022 को विज्ञान महाविद्यालय में किया।

भारतीय वायु सेना में विंग कमांडर किंशुक ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा छात्रों के सामने प्रस्तुत की एवं प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार वितरित किए। माउंट आबू नोडल सेंटर में कार्यरत विंग कमांडर्स, एजुकेशन ऑफिसर्स, दिल्ली बैस से आए ऑफिसर्स, एयर ब्रांच के ऑफिसर्स ने तकनीकी जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता डॉ. घनश्याम सिंह राठौड़ ने की एवं इस कार्यक्रम को छात्रों के रोज़गार की दिशा में उपयुक्त मंच कहा और छात्रों को इस ओर प्रेरित किया। कार्यक्रम में सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. पी.एस. राणावत, केयर टेकर डॉ. सिद्धार्थ शर्मा एवं वायुसेना के कई पदाधिकारी तथा 500 से अधिक एनसीसी कैडेट और छात्र उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर दिनांक 08 मार्च, 2022 को विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित समारोह में अधिष्ठाता प्रो. जी.एस. राठौड़ ने चार महिला कर्मियों श्रीमती प्रतिभा चौबीसा, श्रीमती सरोज शर्मा, श्रीमती ईला श्रीवास्तव, श्रीमती साधना मेहता को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया।

भू-विज्ञान विभाग

भू-विज्ञान विभाग की वंदना मेवाड़ी को मिला 20 लाख रुपए का प्रोजेक्ट

विश्वविद्यालय की महिला साइंटिस्ट को यह प्रोजेक्ट मिलना महिला सशक्तीकरण की तरफ बढ़ता हुआ कदम : कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि फरवरी, 2022 में विश्वविद्यालय के भू-विज्ञान विभाग को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली की महिला साइंटिस्ट- ए श्रेणी के तहत वंदना मेवाड़ी को 3 वर्ष के लिए 20 लाख की परियोजना स्वीकृत हुई है जिसका शीर्षक 'उदयपुर के आसपास होने वाले भू-जन्य एवं मानवजनित बहुस्तरीय तात्त्विक विसंगतियों द्वारा होने वाली भू-चिकित्सीय समस्याएँ' है। यह परियोजना भू-विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रितेश पुरोहित के दिशा-निर्देश में पूर्ण की जाएगी।

भू-विज्ञान विषय की कॅरियर काउंसलिंग

सेंट मैथ्यू स्कूल, अपोजिट संजय पार्क, रानी रोड में विद्यार्थियों को भू-विज्ञान विषय की जानकारी तथा खनिज क्षेत्र में कॅरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भू-विज्ञान विभाग, सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ. रितेश पुरोहित ने इस विषय में उपलब्ध रोजगार के अवसरों के बारे में बताया एवं डॉ. माया चौधरी ने भू-विज्ञान विषय पर रोचक जानकारी दी।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के दल ने किया भू-विज्ञान विभाग का अवलोकन

विश्वविद्यालय के भू-विज्ञान विभाग में दिनांक 12–03–22 को भू-विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्रो. चलपति राव व डॉ. रोहित पांडे ने अपने शोध छात्रों के दल के साथ विभाग के संग्रहालय, पुस्तकालय तथा सैस्मिक स्टेशन का अवलोकन किया। इस दल में 10 शोधार्थी थे, जिन्होंने विभाग के शोध कार्यों की जानकारी हासिल की। प्रो. राव ने विभाग की आधारभूत संरचना की सराहना की व उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दोनों विभागों के विभागाध्यक्षों ने भविष्य में संयुक्त रूप से शोध कार्य करने का निर्णय लिया।

भू-विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

दिनांक 21 से 30 मार्च तक एम.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर के 30 विद्यार्थियों ने 10 दिन का शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण इंचार्ज डॉ. माया चौधरी ने बताया कि यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए पैलियोनटोलॉजी एवं फेनेरोजोईक स्ट्रेटीग्राफी विषय के प्रायोगिक अध्ययन पर आधारित रहा, जिसमें विद्यार्थी मार्बल, फ्लोराइड, ग्रेफाइट एवं मैग्नीज माइंस विजिट किया। साथ ही साथ बाघ फॉरमेशन के क्रीटेशस काल में मिलने वाले जीवाश्मों एवं जुरासिक काल के डायनासोर का अध्ययन प्रायोगिक रूप से किया।

भौतिक शास्त्र विभाग

दिनांक 07 मार्च, 2022 को इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर के एम.एस.सी. भौतिकी के विद्यार्थियों ने सुखाड़िया विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के अनुसंधान और पीजी प्रयोगशालाओं का दौरा किया। छात्रों ने शिक्षकों के साथ उनकी रुचि और भविष्य की संभावनाओं के बारे में बातचीत की। लैब में उपलब्ध अत्याधुनिक उपकरणों पर छात्रों द्वारा कई सवाल किए गए। छात्रों और उनके साथ आए संकाय सदस्यों ने इस यात्रा को प्रेरक और उपयोगी बताया।

प्राणि-शास्त्र विभाग

प्रशिक्षण और उससे सीखी जानकारियाँ एवं ज्ञान का क्रियान्वयन अत्यावश्यक : कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

विश्वविद्यालय के प्राणि-शास्त्र विभाग में रूसा 2.0 के केरियर हब के तहत चल रहा प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 18 दिसंबर, 2021 को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम समन्वयक एवं विभागाध्यक्ष प्रो. आरती प्रसाद ने बताया कि इस 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्व स्वास्थ्य संगठन के पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार, गुजरात राज्य के पूर्व स्टेट कीट वैज्ञानिक डॉ. पी.टी. जोशी, राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के पूर्व निदेशक डॉ. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र के पूर्व कंसल्टेंट डॉ. कौशल कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को कीट विज्ञान की विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण दिया तथा फील्ड में जाकर कीट विज्ञान की बारीकियों के बारे में बताया।

प्रो. प्रसाद ने बताया कि कीट विज्ञान के क्षेत्र में 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने वाला सुविवि देश का प्रथम गैर चिकित्सकीय शैक्षणिक संस्थान है। विभाग द्वारा कीट विज्ञान की

अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर प्रयोगशाला विकसित की गई है, जिसमें देशभर में चल रहे वाहक जनित बीमारियों के नियंत्रण कार्यक्रमों में कार्य कर रहे कर्मचारियों को भी प्रशिक्षण दिया जा सकता है। इस प्रशिक्षण में समस्त वाहकजनित बीमारियों के रोग विज्ञान एवं उनके नियंत्रण से संबंधित तकनीकी, सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। समापन कार्यक्रम विभाग के डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में आयोजित हुआ।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

महिलाओं का सम्मान देवताओं के सम्मान जैसा : कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस दिनांक 08 मार्च, 2022 के अवसर पर सुविवि के प्राणि-शास्त्र विभाग ने विभाग के सभागार में कार्यक्रम आयोजित कर महिला दिवस मनाया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. दीपक रावल ने बताया कि कार्यक्रम में विभाग की महिला शक्ति विभागाध्यक्ष प्रो. आरती प्रसाद, डॉ. गिरिमा नागदा, विभाग के सहायक कर्मचारी वदन कुंवर एवं सफाई कर्मचारी अनीता बाई को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. आरती प्रसाद ने कहा कि सभी महिलाओं को भी खुद के नारी होने पर गौरवान्वित होना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ. गिरिमा नागदा, डॉ. देवेन्द्र कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर कार्यशाला

सुविवि के प्राणि-शास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तत्त्वावधान में कौशल, अनुसंधान और उद्यमिता के उन्नयन के लिए आयोजित विचार-मंथन कार्यशाला का उद्घाटन दिनांक 28 मार्च, 2022 को हुआ। माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने विद्यार्थियों को इस कार्यशाला के वक्ताओं को ध्यान से सुनकर उनके वक्तव्यों को अपने जीवन मे उतारने हेतु प्रेरित किया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर के प्रो. मेवा सिंह ने उपलब्ध संसाधनों से अनुसंधान विषय पर चर्चा करते हुए वन्य जीवों के पर किए गए अध्ययनों के अपने अनुभवों को साझा करते हुए विद्यार्थियों को अनुसंधान के दौरान आ रही बाधाओं को दूर करने हेतु अपने आसपास उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग करने के बारे में बताया। कार्यशाला के दूसरे सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रो. विनोद कुमार ने अनुसंधान के तरीकों के बारे में बताते हुए एक अच्छे अनुसंधानकर्ता के गुणों के बारे में बताया।

कार्यशाला के दूसरे दिन NEP-2020 के तहत पाठ्यक्रम उन्नयन हेतु विशेषज्ञ-छात्र संवाद कार्यक्रम एवं विचार-मंथन कार्यक्रम आयोजित हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो. आरती प्रसाद ने बताया कि दूसरे दिन आयोजित प्रथम सत्र में प्रो. मेवा सिंह ने वन्यजीव संरक्षण विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यशाला के पहले सत्र के दूसरे संबोधन में सुविवि के पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के प्रो. एस.के. कटारिया ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख तथ्यों के बारे में बताते हुए उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में लाए जा रहे क्रांतिकारी परिवर्तनों के बारे में विद्यार्थियों को अवगत करवाया। कार्यशाला में प्रो. विनोद कुमार ने समयकाल विज्ञान के बारे में बताते हुए विद्यार्थियों को समय के महत्त्व के बारे में तकनीकी रूप से अवगत करवाया।

कार्यशाला के दूसरे सत्र में स्नाकोत्तर पाठ्यक्रम के उन्नयन पर विषय विशेषज्ञों से चर्चा की गई। इस कार्यशाला के दूसरे दिन का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार पाठ्यक्रम उन्नयन था। कार्यशाला के अंतिम सत्र में विशेषज्ञों के साथ विद्यार्थियों का संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को शांत किया। आयोजन सचिव डॉ. विजय कोली रहे।

इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (IET)

आई.ई.टी. के छात्रों द्वारा रेलवे ट्रेनिंग स्कूल उदयपुर का भ्रमण

छात्रों को प्रायोगिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना शिक्षण संस्थाओं का प्रथम दायित्व : कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के छात्रों ने दिनांक 14 फरवरी, 2022 को रेलवे ट्रेनिंग स्कूल जॉनल ऑफिस, सुखाड़िया सर्किल उदयपुर का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान छात्रों ने अपनी उत्सुकता से विभिन्न प्रकार की तकनीकों और

उनके क्रियान्वयन के संबंध में अधिकारियों से प्रश्न किए। रेलवे के अधिकारियों ने भी छात्रों को अपने जवाबों से पूर्ण रूप से संतुष्ट किया। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अपनी विभिन्न इकाइयों को प्रायोगिक ज्ञान हेतु समय-समय पर विभिन्न संस्थाओं और औद्योगिक क्षेत्रों का भ्रमण करवाता रहता है जिससे छात्र लाभान्वित होते रहे हैं। छात्रों को अवलोकन के दौरान वहाँ के कार्यरत अधिकारी श्री के. पी. सोनी ने वर्तमान नियंत्रण प्रणाली एवं वी.डी.यू. तकनीकी के बारे में अवगत कराया साथ ही साथ भविष्य में होने वाली प्रायोगिक कार्य प्रणाली पर भी प्रकाश डाला। इस दौरान आई.ई.टी. सुविवि के अध्यापकगण डॉ. पीयूष पाठक, डॉ. हिमानी, डॉ. प्रीति, इंजीनियर जय श्री चौहान, इंजीनियर प्रफुल्ल कोठारी एवं श्री अमर सिंह शक्तावत आदि भी उपस्थित थे।

क्यूसीआई के अधिकारियों द्वारा इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी का निरीक्षण

आई.ई.टी. सुविवि का भ्रमण एवं निरीक्षण श्री रणविजय बिहारी, ज्वाइंट डायरेक्टर मिनिस्ट्री आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया तथा उनकी टीम द्वारा दिनांक 16 फरवरी, 2022 को किया गया। निरीक्षण समूह ने छात्र-छात्राओं से वार्तालाप कर बताया कि कॅरियर से संबंधित संभावनाएं एवं कॅरियर में आने वाली विभिन्न चुनौतियों का सामना किस प्रकार करें।

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि समय-समय पर इस प्रकार के निरीक्षण विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण का निर्माण करते हैं। ज्वाइंट डायरेक्टर ने इस बात पर भी जोर दिया कि नए इंजीनियर को प्रमाणन के लिए हमेशा तैयार रहना पड़ेगा। इस अवसर पर प्रो. नीरज शर्मा ने मूलभूत तकनीकी पर प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. पी.एस. राजपूत ने बताया कि विश्वविद्यालय में प्रौद्योगिकी संकाय की स्थापना कुलपति के अथक प्रयासों तथा उच्च-स्तरीय तकनीकी ज्ञान का ही प्रमाण है, जो भविष्य में समस्त आदिवासी छात्रों को तकनीकी ज्ञान से उच्च स्तर पर भेजेगा। क्यूसीआई अधिकारियों की टीम ने 'जीरो डिफेक्ट तथा जीरो इफेक्ट सर्टिफिकेशन' पर जोर दिया। इस मौके पर सुविवि आईईटी तथा कालेज ऑफ आर्किटेक्ट के शिक्षकगण संयुक्त रूप से प्रतिभागी रहे। इस अवसर पर डॉ. पीयूष कुमार पाठक, डॉ. हिमानी, डॉ. प्रीति, इंजी. जय श्री चौहान, इंजी. प्रफुल्ल कोठारी, श्री अमर सिंह शक्तावत तथा केदार सिंह भी उपस्थित थे।

इंडस्ट्री और शिक्षण एक सिक्के के दो पहलू मानकर ही, एकेडमिक एवं इंडस्ट्री का विकास संभव है : कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

विश्वविद्यालय में इंडस्ट्री एकेडमिक इंटरफेस के तहत दिनांक 12 मार्च, 2022 को विशिष्ट इंडस्ट्री विशेषज्ञ ने कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर तथा इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग के छात्रों को संबोधित किया। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि सूचना व तकनीकी के युग में आपसी तालमेल, संवाद तथा एकेडमिक नवाचार अति आवश्यक है जिससे छात्रों का ज्ञानवर्धन किया जा सके।

इंडस्ट्री एकेडमिक इंटरफेस कार्यक्रम के तहत कंप्यूटर विभाग के प्रभारी डॉ. अविनाश पँवार ने इस इंटरफेस के माध्यम से छात्रों के होने वाले चहुँमुखी विकास पर चर्चा की। इस अवसर पर आए हुए इंडस्ट्री विशेषज्ञ ने आगामी सत्र 2022–23 के प्रवेश पोस्टर का अनावरण किया। साथ ही पाठ्यक्रम और इंडस्ट्री से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर बात की।

इस अवसर पर इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट के चेयरमैन एवं कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर के डिजाइन चेयर आर्किटेक्ट विभाग के प्रो. राजेंद्र मंत्री ने छात्रों को संबोधित करते हुए कला एवं तकनीक के मिश्रण की महत्ता बताई।

प्रो. उपेंद्र तातेड़ ने छात्रों को संबोधित करते हुए कॉन्सेप्ट स्केल तथा इकोनॉमी पर प्रकाश डाला। इंजीनियर राहुल माथुर ने कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती, सीखना और हर नई चीज के लिए तैयार रहना चाहिए।

विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय

अर्थशास्त्र विभाग

केंद्रीय बजट पर पैनल डिस्कशन का आयोजन

विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा केंद्रीय बजट 2022–23 पर 11 फरवरी, 2022 को पैनल डिस्कशन का आयोजन किया गया। प्रो. एस.के. कटारिया ने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में बजट पर विचार व्यक्त किए। विभाग की इंचार्ज-हेड डॉ. दीपा सोनी ने बताया कि इस पैनल डिस्कशन में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. प्रवीण झा, सेंटर फॉर बजट मॉनिटरिंग एंड अकाउंटेबिलिटी दिल्ली की स्पेशलिस्ट डॉ. मालिनी चक्रवर्ती, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के प्रो. विनोद सेन ने भाग लिया। प्रो. झा ने बजट के राजनीतिक, सामाजिक और गणितीय नैतिकता को बनाए रखने पर बल दिया। डॉ. मालिनी ने बजट के राजकोशीय पक्षों को स्पष्ट किया तथा केंद्र सरकार द्वारा बढ़ते पूँजीगत व्यय के दीर्घकालीन प्रभावों को बताया। वहीं प्रो. विनोद सेन ने केंद्रीय बजट के शिक्षा से संबंधित प्रावधानों का विश्लेषण किया।

Department of English

Fresher's Party 2021-2022

The students of the Department of English organized a Fresher's Party on 25th February 2022, in D.D.U Assembly Hall. The dress code for teachers was 'shades of blue' and for the students 'dress your best in traditional'. On behalf of the students, Ibtisam Hussain and Shifa Mansuri cordially welcomed the teachers of the department. Riddhi Katariya performed a welcome dance.

A three-round competition was organized. Nine students participated in the competition. In the first round, the participants walked on the ramp and posed for the judges and audience. The second Round, i.e., Talent Hunt, had the participants presenting their talent through dance, poetry recitation, shayari, guitar, etc. The final round was question-answer round and task performance round. Mr. Vatsalya Jalota was declared Mr. Fresher and Gaurangi Purohit were declared Miss Fresher. The other participants were also given gifts of participation. The event was followed by a few fun games for the teachers.

P. G. Students Visited Jaipur Literary Festival -2022

The 15th edition of Jaipur Literature Festival (JLF) was held in Jaipur from 5th to 14th March 2022. Eight students of the Department of English, Ibtisam Hussain, Riddhi Katariya, Ashish Singh, Devendra Sharma, Vipul Vaghela, Divyanshu Vyas, Gaurangi Purohit and Priyamvada Vyas attended the event on 10th and 11th March.

Four sessions were carried on simultaneously at venues such as Durbar Hall, Mughal Tent, Baithak and Front Lawns. The first session started at 10 AM and the last ended at 6:30 PM. This is followed by stage performances in the evening.

Award-winning novelists Anukrti Upadhayay, Shabir Ahmed Mir, Rijula Das and Shehan Karunatilaka shared their experiences. A very young author Yameer Adhar talked about his book "Voices in my Head". He discussed about physical and mental well-being. Sahitya Akademi and Padma Shri Award winner and an eminent Rajasthani writer Chandra Prakash Deval talked about the history of Rajasthani language in Rajasthani. The celebrity speakers William Dalrymple, Neena Gupta and Nahshad Forbes were in conversation with John Elliott on 11th March. Olivia Fraser's, a contemporary artist's session had a session on 'A Journey Within'. The last session was 'The Birth of a Novel'. The sessions gave the students an insight on a wide range of topics.

43rd Niaz Ahmed Memorial Debate

The Department of English organized the 43rd Niaz Ahmed Memorial Debate on 31st March, 2022. The topic of the debate was "Covid Crisis has highlighted Human Values in the Society". The Head of the Department, Dr. Minakshi Jain introduced the debate and said that the Covid Crisis brought the noble as well as the ignoble side of humanity to the fore.

Prof. Sharad Shrivastava, the Chief Guest of the event, spoke about how the freedom of expression has regularly been threatened by various regimes and how important are debates for maintaining social harmony. Prof. Pradeep Trikha, the Chairperson of the debate, said if one keeps debating with one's own innermost self, conflicts would not have any place in society. Prof. Hemendra Chandalia, the judge of the competition, talked about the violence in the world, which, according to him, could have been avoided if the various stakeholders had discussed and debated the issues that bothered them. Dr. Shilpa Verdia and Dr. Shilpa Seth were also the judges for the competition.

Twenty six participants from different colleges expressed their views in the debate. Avadhi Chittorah won the first prize, Tahir Lukhawala got the second place and the third place was won by Himanshu Paliwal. Bhopal Nobles University, Udaipur was declared the winners of the Running Trophy, this year.

फैशन टेक्नोलॉजी विभाग

पतंग निर्माण पर कार्यशाला आयोजित

विश्वविद्यालय के फैशन टेक्नोलॉजी विभाग ने दिनांक 4 से 7 जनवरी, 2022 तक चार दिवसीय पतंग निर्माण कार्यशाला आयोजित की। छात्रों ने कार्यशाला में विभिन्न पैटर्न और रंगों से सुंदर पतंगें तैयार कीं। कार्यशाला में 10 विद्यार्थियों ने भाग लिया। अपनी खुद की पतंग बनाने का उत्साह बहुत ही रोचक था। प्रत्येक छात्र ने औसतन 20 पतंगें बनाईं। कार्यशाला के अंत तक विभिन्न आकारों की 200 से अधिक पतंगें बनाई गईं।

इंडियन कल्चरल क्वीन ब्यूटी पंजेन्ट आयोजित होगा

भारत की सांस्कृतिक विशिष्टता को देश दुनिया के सामने प्रस्तुत करने में शैक्षणिक संस्थानों को सकारात्मक प्रयास करने चाहिए : प्रो. अमेरिका सिंह

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की मेजबानी में इंडियन कल्चरल क्वीन ब्यूटी पंजेन्ट आयोजित होगा। राष्ट्रीय स्तर के इस कार्यक्रम में बच्चों, युवाओं के साथ साथ विवाहित महिलाओं को भी मंच प्रदान किया जाएगा। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि यह शो कई नवाचारों से युक्त होगा जिसमें भारत की संस्कृति के विभिन्न रंगों से सभी को परिचित कराया जाएगा। नेटस्कोप एंटरटेनमेंट कंपनी डायरेक्टर महेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि चार अलग-अलग आयु वर्ग को इसमें शामिल किया जाएगा।

फैयरटेल फंतासी एंड फैशन विथ समारा के डायरेक्टर जाकिर खान ने बताया कि लुप्तप्राय सांस्कृतिक कला और कलाकारों को जीवंतता प्रदान करने की कोशिश की जाएगी। डॉ. डॉली मोगरा ने बताया कि इस शो के माध्यम से फैशन टेक्नोलॉजी एंड डिजाइनिंग विभाग के स्टूडेंट्स को कॉलेज एजुकेशन के साथ फैशन में अनुभवी सेलेब्रिटीज के साथ काम करने का मौका मिलेगा। इस अवसर पर कल्चरल क्वीन ऑफ इंडिया 2022 के पोस्टर का दिनांक 31 जनवरी, 2022 को विमोचन हुआ।

कौशल विकास शिविर का समापन समारोह

कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर युवाओं को आत्मनिर्भर बनने एवं स्वरोजगार प्राप्त करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम : प्रो. अमेरिका सिंह

सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय उदयपुर एवं आईसीआईसीआई, रूरल सेल्फ एम्प्लॉयमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, उदयपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित मासिक प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह का आयोजन दिनांक 08 फरवरी, 2022 को महाविद्यालय परिसर में किया गया। समापन समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. सुरेंद्र कुमार कटारिया ने की तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अमर दीक्षित, संयुक्त निदेशक, आईसीआईसीआई, RSETI, उदयपुर, श्री पी. सी. पितलिया, लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (एलडीएम), उदयपुर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि, श्रीमती प्रियंका भाटी, डिप्टी प्रोग्राम मैनेजर, आईसीआईसीआई, RSETI, उदयपुर एवं श्री भगवान दास, जिला उद्योग अधिकारी, डीआईसीसी, श्री शरद माथुर, प्लेसमेंट कॉर्डिनेटर, आईसीआईसीआई, RSETI और डॉ. डॉली मोगरा रहे।

इलस्ट्रेशन रेडरिंग की कार्यशाला का आयोजन

मेहनत, कला और कौशल के समन्वय से स्वरोजगार के रास्ते स्वयं बनते हैं तथा हाथों के हुनर से ही आत्मनिर्भरता आएगी : प्रो. अमेरिका सिंह

विश्वविद्यालय के फैशन टेक्नोलॉजी एंड डिजाइनिंग विभाग में पाँच दिवसीय इलस्ट्रेशन रेडरिंग की कार्यशाला का आयोजन 17 फरवरी, 2022 से विभागाध्यक्ष डॉ. डॉली मोगरा के नेतृत्व में किया गया। कार्यशाला प्रशिक्षक मुकेश कुमार औदिच्य, एसोसिएट प्रोफेसर, वेंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, उदयपुर ने विद्यार्थियों को रंगों के विभिन्न प्रकार और उनको प्रयोग करने के साथ रेडरिंग तकनीक की जानकारी दी। फैशन की दुनिया में इलस्ट्रेशन के महत्व को बताते हुए उससे जुड़ी बारीकियों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। प्रशिक्षण के दोरान लाइन स्केच, स्टिक फिगर, क्रूकी बनाना, ड्रेपिंग, ड्रेस डिजाइन, कलरिंग, शेडिंग, रेडरिंग आदि का प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। स्केचिंग के एडवांस लेवल को जानकर फिगर पर रेंडरिंग कर परिधानों को 3डी मॉडल का प्रेजेंटेशन भी दिया।

कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

दिनांक 07.01.2022 को राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय उदयपुर में प्राचार्य डॉ. शशि सांचीहर की अध्यक्षता तथा डॉ. डोली मोगरा, प्रभारी, फैशन टैक्नोलॉजी डिपार्टमेन्ट, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के मुख्य आतिथ्य में पाँच दिवसीय रोजगारोन्मुखी कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यशाला 'सीखो और कमाओ' आयोजित हुई। मुख्य अतिथि डॉ. डोली मोगरा ने छात्राओं को सकारात्मक रहकर नये मार्ग तलाशते हुए (लर्न एंड अर्न) की मानसिकता बनाने एवं अपने स्टार्ट अप तैयार करने के लिए प्रेरित किया। शैक्षणिक प्रभारी डॉ. नीलम सिंघल ने कार्यशाला को छात्राओं के लिए उपयोगी बताया।

समर्थ : केपिसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम इन हेंडीक्राफ्ट

हस्तशिल्प क्षेत्र में छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए वस्त्र मंत्रालय द्वारा समर्थ के अंतर्गत ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 'आजादी का कौशल महोत्सव' मनाने हेतु छात्रों को 'हस्तशिल्प प्रशिक्षण' प्रदान करने के लिए एक सहयोगी कार्यक्रम के रूप में कार्य करता है। इस तरह की शिल्प तकनीकों को सीखना छात्रों को विरासत शिल्प को जानने के अवसर के रूप में काम करता है। इन शिल्पों को मास्टर कारीगरों द्वारा पढ़ाया जाता है। यह आयोजन आकोला में 28 फरवरी से 10 मार्च के बीच आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में एमएलएसयू की 10 छात्राओं ने हिस्सा लिया। यह एक हस्तशिल्प प्रशिक्षण और इंटर्नशिप का एक प्रकार था जिसने लड़कियों को प्रैक्टिकल अनुभव दिया।

आकोला ग्राम में मनाया गया महिला दिवस

दिनांक 8 मार्च, 2022 को विभाग द्वारा आकोला गाँव में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में लैंगिक समानता, महिला सशक्तीकरण और महिला स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करना था। नुक्कड़ नाटक के द्वारा महिलाओं को जागरूकता का सन्देश दिया गया। नुक्कड़ नाटक में फैशन टेक्नोलॉजी एंड डिजाइनिंग विभाग की 10 छात्राओं ने भाग लिया।

भूगोल विभाग

वाटर-डे सेलिब्रेशन

एक सामान्य नागरिक 1 वर्ष में लाखों लीटर जल बचा सकता है : डॉ. अनिल मेहता

दिनांक 22 मार्च, 2022 को भूगोल विभाग तथा रूसा के तत्त्वावधान में विश्व जल दिवस मनाया गया जिसमें क्विज, वाद-विवाद, पोस्टर प्रतियोगिताओं तथा एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। विस्तार व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ. अनिल मेहता, सदस्य झील संरक्षण समिति, उदयपुर ने बताया कि जल संरक्षण के लिए व्यक्तिगत स्तर पर किए जाने वाले प्रयास अधिक सार्थक होते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. सी.आर. सुथार ने पश्चिमी राजस्थान का उदाहरण देते हुए जल संरक्षण के महत्त्व पर बल दिया। विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान ने जीव मात्र के जीवन में जल के महत्त्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. डी.एस. चौहान ने किया।

अरावली जियो-क्लब का गठन

विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग में दिनांक 04.01.2022 को अरावली जियो-क्लब का उद्घाटन विभाग के सेवानिवृत्त वरिष्ठ संकाय सदस्यों द्वारा किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान ने बताया कि भूगोल विभाग में अध्ययन, अध्यापन एवं शोध कार्य से जुड़ी सभी पूर्व, वर्तमान एवं भविष्य की पीढ़ियों को एक समग्र सहभागिता मंच प्रदान करने के उद्देश्य से इस क्लब का गठन किया गया है। विभाग के सभी वर्तमान एवं पूर्व विद्यार्थी तथा शोधार्थी इस क्लब के सदस्य होंगे एवं इसकी समस्त गतिविधियों को संचालित करेंगे। क्लब में पाँच समितियों का गठन किया गया है जिनके माध्यम से विद्यार्थियों के समग्र शैक्षणिक एवं व्यक्तित्व विकास के साथ ही सामाजिक कार्यों, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा।

इस क्लब के तहत विभाग के पूर्व छात्र एसोसिएशन का भी गठन किया जाएगा। समारोह में विभाग के सेवानिवृत्त पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. राजमल लोढ़ा, प्रो. रघुवीर सिंह राठौड़, प्रो. पी.आर. व्यास और प्रो. साधना कोठारी ने सम्बोधित किया एवं विभाग की समृद्ध विरासत एवं परम्पराओं से अवगत कराया। क्लब की प्रथम कार्यकारिणी में शोधार्थी राजेश यादव को अध्यक्ष, अनुभव सिंह को उपाध्यक्ष, स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थी गजेंद्र सिंह को महासचिव, प्रथम सेमेस्टर की छात्रा योगिता राणावत को संयुक्त सचिव एवं शोधार्थी विजय सिंह को कोषाध्यक्ष नामित किया गया। इस अवसर पर मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन भी किया गया। मैच का शुभारंभ प्रख्यात पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट अंपायर एवं पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. रघुवीर सिंह राठौड़ ने किया।

Two-Day Training

A two-day training on Handheld GPS/ GNSS Receiver having GAGAN constellation support and Robotic Total Station was organized under RUSA 2.0 R & I and Career Hub Projects in Department of Geography, MLSU, Udaipur on 19 – 21 January, 2022. The resource person of the workshop was Mr. Ambrish Shukla, Assistant Manager Application from AllTerra Solutions LLP, Haryana. He conducted a lec-dem session and discussed the working of the instruments. Post lunch the hands-on sessions were conducted for the participants where they were divided into small groups and performed small survey using instruments. The workshop was aimed to learn the latest surveying equipment and GPS. The total number of participants were 32 including faculty members from Geography and Geology departments of MLSU, scholars, PG students of Geography and staff members from Estate Office. The workshop was open for all the faculty members, scholars and PG students for one day and project fellows attended the workshop for all three days.

समूह चर्चा एवं भाषण

विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद, 2022 के तहत 'आर्थिक गतिविधियों का पर्यावरण पर प्रभाव' विषय पर एक समूह चर्चा एवं भाषण का आयोजन दिनांक 17 जनवरी, 2022 को किया गया।

अधिष्ठापन कार्यक्रम

दिनांक 5–6 जनवरी 2022 को भूगोल विभाग में नवप्रवेशित स्नातकोत्तर विद्यार्थियों हेतु अधिष्ठापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिन पूर्व छात्रों, वर्तमान विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों हेतु पाठ्यचर्या से संबंधित गतिविधियों के संचालन हेतु अरावली जियो क्लब का गठन किया गया। दूसरे दिन विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय, महाविद्यालय एवं विभागीय स्तर पर संपूर्ण प्रशासनिक एवं शैक्षणिक व्यवस्था से जुड़ी सभी जानकारियाँ देने हेतु व्याख्यानों का आयोजन किया गया। इस क्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान द्वारा विभागीय प्रशासनिक व्यवस्था, CBCS प्रणाली एवं पाठ्यचर्या के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल के उप-समन्वयक डॉ. सचिन गुप्ता द्वारा केन्द्र की गतिविधियों एवं भूगोल के विद्यार्थियों के प्लेसमेंट के अवसरों पर व्याख्यान दिया गया। विश्वविद्यालय रोवर एवं स्काउट्स के समन्वयक डॉ. खुशपाल गर्ग ने रोवर एवं स्काउट गतिविधियों के महत्त्व, उससे जुड़े अवसरों एवं व्यक्तित्व विकास में भूमिका के बारे में बताते हुए छात्रों को अधिकाधिक संख्या में भाग लेने हेतु प्रेरित किया। डॉ. पी.एस. राजपूत ने विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में उपलब्ध पुस्तकालय से संबंधित सभी सुविधाओं के बारे में विस्तार से अवगत करवाया। डॉ. डी.एस. चौहान ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भूगोल के महत्त्व एवं उपयोगिता पर व्याख्यान दिया। सुश्री उर्मि शर्मा ने भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान, देहरादून से ऑनलाइन प्रसारित होने वाले सर्टिफिकेट कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी।

हिंदी विभाग

संस्कृतियों के मध्य संवाद का सशक्त माध्यम है हिंदी : प्रो. अमेरिका सिंह, कुलपति

विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा 'वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में हिंदी : स्वरूप और संभावनाएँ' विषय पर एक ऑनलाइन संवाद दिनांक 11 जनवरी, 2022 को विश्व हिंदी दिवस आयोजन के निमित्त किया गया। विश्व हिंदी दिवस आयोजन के लिए इस संवाद में उत्तर बंग विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के आचार्य डॉ. सुनील कुमार द्विवेदी और जे.एस.एम. महाविद्यालय, अलीबाग, महाराष्ट्र के आचार्य डॉ. मोहसिन खान ने वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. नवीन नंदवाना ने बताया कि इस अवसर पर प्राप्त कुलपति संदेश में कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि हिंदी का वर्तमान बहुत व्यापक और भविष्य स्वर्णिम है। यह वह भाषा है जो हमारे देश की संस्कृति को वाणी प्रदान करती है। आज हिंदी विविध संस्कृतियों के मध्य सेतु का कार्य कर रही है। हिंदी का क्षेत्र नित-प्रति बढ़ रहा है। विदेश के कई विश्वविद्यालय हिंदी के अध्ययन-अध्यापन से जुड़े हैं।

मुख्य वक्ता के रूप में उत्तर बंग विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग के हिंदी विभाग के प्रो. सुनील कुमार द्विवेदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि भाषाएँ हमारी सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक होती हैं। हमारी भाषा हिंदी लोगों को जोड़ने वाली भाषा है। आज विश्व के विभिन्न देशों में अहम पदों पर हिंदी भाषा-भाषी लोग अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं। विशिष्ट वक्ता के रूप व्याख्यान देते हुए जे.एस.एम. महाविद्यालय, अलीबाग महाराष्ट्र के प्रो. मोहसिन अली खान ने कहा कि हमें भूमंडलीकरण के दौर की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए हिंदी भाषा को सशक्त बनाना होगा। हमें हमारे दौर की भाषा में हो रहे बदलाव को भी स्वीकारना होगा।

विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. सी.आर. सुथार ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि हिंदी को भारतीय भाषाओं के साथ जुड़ाव रखना चाहिए। आज के तकनीकी विकास के दौर में हिंदी ने अपनी विशेष छवि बनाई है। विभागाध्यक्ष डॉ. नीतू परिहार ने स्वागत उद्‌बोधन देते हुए हिंदी के वर्तमान वैश्विक परिदृश्य पर अपने विचार रखे। विषय प्रवर्तन डॉ. आशीष सिसोदिया ने किया।

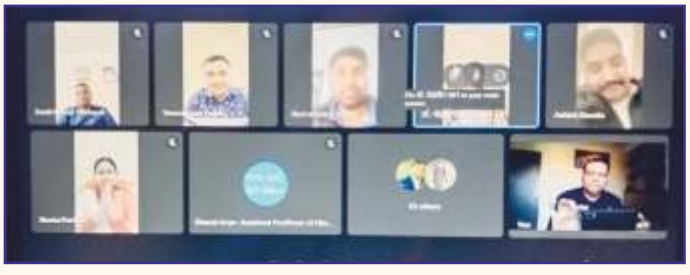

डॉ. नीतू परिहार को 'नारी गौरव रत्न सम्मान'

हिंदी विभाग की अध्यक्ष डॉ. नीतू परिहार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'नारी गौरव रत्न सम्मान 2022' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें अखिल भारतीय साहित्य परिषद, लक्ष्मण सिंह महर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पिथौरागढ़, उत्तराखंड द्वारा प्रदान किया गया।

इतिहास विभाग

'न्यू मेथड्स एंड अप्रोचेज ऑफ हिस्टोरिकल राइटिंग' पर सप्तदिवसीय कार्यशाला का आयोजन

इतिहास विभाग द्वारा 'न्यू मेथड्स एंड अप्रोचेज ऑफ हिस्टोरिकल राइटिंग' विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक प्रो. प्रतिभा ने बताया कि यह कार्यशाला 7 से 13 जनवरी, 2022 तक प्रो. दिग्विजय भटनागर एवं डॉ. मनीष श्रीमाली के रूसा प्रोजेक्ट के अंतर्गत हुई।

'आर्मेनिया-भारत ऐतिहासिक संबंध' विषय पर विस्तार व्याख्यान

इतिहास विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, और सभ्यता अध्ययन केंद्र, राजस्थान के संयुक्त तत्त्वावधान में 'आर्मेनिया-भारत ऐतिहासिक संबंध' विषय पर विस्तार व्याख्यान हुआ। आयोजन सचिव डॉ. पीयूष भादविया ने बताया कि आर्मेनिया में मुक्ति गोश्त मेडिकल विश्वविद्यालय में इतिहास एवं संस्कृति विषय की व्याख्याता डॉ. नायरा मर्कतचयन ने आर्मेनिया और भारत के प्राचीन काल से आधुनिक समय तक के संबंधों के बारे में विस्तार से बताया। मुख्य अतिथि प्रो. मदन सिंह राठौड़, अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर अध्ययन ने कहा

कि भारत में 4000 साल पुराना इतिहास लिखित रूप में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा इतनी विस्तृत है कि जो एक बार यहाँ बस गया वह यहीं का होकर रह गया। अध्यक्षता कर रहे प्रो. गिरीश नाथ माथुर ने बताया कि भारत की सभ्यता विश्व की प्राचीनतम सभ्यता रही है और भारत में ऐसी कोई विदेशी जाति नहीं रही जिनको भारत में आकर्षित नहीं किया हो।

डॉ. पीयूष भादविया द्वारा संपादित पुस्तक 'होली : ए कल्चरल कैलिडोस्कोप' का विमोचन

पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के कार्यक्रम ऋतु बसंत के पहले दिन दिनांक 14 मार्च, 2022 को रंगोत्सव प्रस्तुति के दौरान डॉ. पीयूष भादविया, सहायक आचार्य, इतिहास विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के द्वारा संपादित पुस्तक 'होली : ए कल्चरल कैलिडोस्कोप' का विमोचन शिल्पग्राम, उदयपुर में किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की निदेशक डॉ. किरण सोनी गुप्ता, महाराजा सियाजीराव विश्वविद्यालय के डीन प्रो. राजेश केलकर एवं सुविवि के इतिहास विभाग की अध्यक्ष प्रो. दिग्विजय भटनागर एवं डॉ. कैलाश चंद्र गुर्जर मौजूद थे।

विस्तार व्याख्यान आयोजित

स्वर्णिम विजय दिवस के अवसर पर इतिहास विभाग मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, इंडस इंटरनेशनल रिसर्च फाउंडेशन, और रेसोनेंस, उदयपुर द्वारा विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. पीयूष भादविया ने बताया कि इस विस्तार व्याख्यान एवं सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल नंदकिशोर सिंह राठौड़ थे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कर्नल डॉ. विजयकांत चेंनजी, अध्यक्ष, आईआईआरएफ थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. सी.आर. सुथार ने की।

'जनसांख्यिकीय असंतुलन : राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आर्थिक विकास' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

इतिहास विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय एवं प्रताप गौरव केंद्र के संयुक्त तत्त्वावधान में राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक 31 मार्च, 2022 को आयोजित हुई। समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश 'भय्या जी' जोशी ने कहा कि जब हमारा संविधान जातिभेद की बात नहीं करता तो समाज में धर्मभेद का विचार कहाँ से आ गया, इस प्रश्न पर सोचा जाना चाहिए। इस संगोष्ठी के निदेशक प्रो. कैलाश सोडाणी ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि हमारा बहुसंख्यक समाज अभिव्यक्ति को लेकर संकोच में है। अब उन्हें इस स्थिति से बाहर आना होगा। उन्होंने कहा कि धर्मनिरपेक्ष और गंगा जमुनी तहजीब के देश में जन सांख्यिकीय असंतुलन के आँकड़ों पर चिंतन-मनन अपेक्षित है। संगोष्ठी के उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश में सुशासन और उन्नति के लिए बढ़ रहे जन सांख्यिकीय असंतुलन पर ध्यान देना जरूरी है। इस उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता पूर्व कुलपति एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष प्रो. बी.एल. चौधरी ने की। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में निवासरत लोगों में राष्ट्रीयता का भाव जगाना आज के समय की महती आवश्यकता है।

संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एन. एस. राठौड़ ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत विविधताओं का देश है। यहाँ कई जातियाँ और उपजातियाँ निवासरत हैं। इस समापन सत्र के अध्यक्ष मावली विधायक धर्मनारायण जोशी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें हमारे देश के इतिहास के सकारात्मक पक्षों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। संगोष्ठी के निदेशक प्रो. कैलाश सोडाणी ने बताया कि संगोष्ठी में दो तकनीकी सत्र आयोजित हुए। प्रथम सत्र 'जन सांख्यिकीय असंतुलन :

राष्ट्रीय सुरक्षा' विषयाधारित रहा। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. उमाशंकर शर्मा, पूर्व कुलपति, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने की। वहीं इस सत्र के मुख्य वक्ता सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय थे। डॉ. मनीष श्रीमाली ने बताया कि दूसरा सत्र 'जन सांख्यिकीय असंतुलन : आर्थिक विकास' विषय पर केंद्रित रहा। इस दूसरे तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. जे.के. बजाज, निदेशक, सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज, चेन्नई थे वहीं इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. बी. पी. शर्मा ने की। संगोष्ठी आयोजन सचिव प्रो. दिग्विजय भटनागर ने संगोष्ठी का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समापन कार्यक्रम का संचालन डॉ. बालूदान बारहठ ने किया।

जैनविद्या एवं प्राकृत विभाग

आर्यिका विशुद्धमति व्याख्यानमाला आयोजित

आदर्श जीवन हेतु जैन धर्म की शिक्षाएँ आज भी अनुकरणीय : कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

जैनविद्या एवं प्राकृत विभाग, द्वारा परम विदुषी आर्यिका श्री 105 विशुद्धमति माताजी की स्मृति में 'आर्यिका विशुद्धमति स्मृति व्याख्यान-2022' का आयोजन 22 एवं 23 जनवरी, 2022 को ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इस मंगल कार्यक्रम में प्रज्ञाश्रमण मुनिश्री 108 अमितसागर जी महाराज का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ।

दिनांक 22 जनवरी को आयोजित प्रथम सत्र की अध्यक्षता प्रो. सी.आर. सुथार, अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, उदयपुर ने की। इस सत्र के मुख्य वक्ता प्रो. अनुपम जैन, इंदौर ने 'आर्यिका विशुद्धमति माताजी द्वारा संपादित कृतियों में गणित' विषय पर अपना वक्तव्य दिया। सत्र के निर्देशक प्रो. जिनेन्द्र कुमार जैन थे। सत्र में सारस्वत मनीषी के रूप में प्रो. प्रेमसुमन, डॉ. उदयचंद जैन, प्रो. वीरसागर जैन, पं. हंसमुख आदि उपस्थित थे।

दिनांक 23 जनवरी को आयोजित द्वितीय सत्र में डॉ. ज्योतिबाबू जैन एवं डॉ. अल्पना जैन ने पूज्य माता जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। सत्र की अध्यक्षता प्रतिष्ठाचार्य श्री अजित जी शास्त्री, ग्वालियर ने की। सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जैन, भोपाल तथा श्री राजेश जैन पंचोलिया, इंदौर और श्री जमनालाल हपाबत ने अपने विचार प्रस्तुत किए। सारस्वत अतिथि के रूप में प्रो. टीकमचंद्र जैन, दिल्ली तथा डॉ. नीलम जैन, पुणे विराजित थे।

डॉ. ज्योति बाबू जैन की पुस्तकों का लोकार्पण

'प्राकृत समय' और 'प्राकृत भाषा से अनुप्राणित भारतीय भाषाएँ' शीर्षक पुस्तकों को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्राकृत संगोष्ठी के अवसर पर प्राकृत एवं पाली के महामनीषियों को समर्पित किया गया। ये दोनों पुस्तकें विश्वविद्यालय के प्राकृत विभाग में सहायक आचार्य डॉ. ज्योति बाबू जैन के संपादन में भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली से प्रकाशित हुई हैं। प्रस्तुत कृतियाँ प्राकृत भाषा और साहित्य की महत्ता को समसामयिक संदर्भ में प्रस्तुत करने वाली महत्त्वपूर्ण कृतियाँ हैं।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

जनकवि माधव दरक की पहली पुण्यतिथि पर विचार गोष्ठी आयोजित

जनकवि माधव दरक की पहली पुण्यतिथि पर मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग तथा राजस्थानी विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में विचार गोष्ठी का आयोजन दिनांक 21 दिसंबर, 2021 किया गया। राजस्थानी के वरिष्ठ कवि एवं केंद्रीय साहित्य अकादमी से पुरस्कृत डॉ. ज्योति पुंज पंड्या की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ओजस्वी कवि सिद्धार्थ देवल थे। इस अवसर पर पत्रकारिता विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. कुंजन आचार्य ने कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह का संदेश पढ़ा जिसमें प्रो. सिंह ने कहा कि माधव दरक मेवाड़ के ऐसे लाडले कवि थे जिन्होंने महाराणा प्रताप की यशोगाथा को मेवाड़ी भाषा के माध्यम से दुनियाभर में पहुँचाया। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. ज्योति पुंज ने माधव दरक को एक मस्तमौला कवि एवं मेवाड़ी कलम का सपूत बताया।

मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि सिद्धार्थ देवल ने कहा कि जन-जन के लाडले कवि माधव दरक ने 'महाराणा प्रताप कठे, वो एकलिंग दीवान कठे' एवं 'ऐड़ो मारो राजस्थान' जैसे गीतों से दुनिया भर में प्रताप की यशोगाथा को जन-जन तक पहुँचाया। राजस्थानी विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेश सालवी एवं हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नवीन नंदवाना एवं डॉ. आशीष सिसोदिया ने भी विचार रखे। इस अवसर पर विपिन गांधी, डॉ. रवि शर्मा, डॉ. भारत भूषण ओझा ने माधव दरक के साथ बिताए अपने अनुभवों को साझा किया।

नाटक 'मरणोपरान्त' में मानवीय संवेदनाओं की सजीव प्रस्तुति से दर्शक हुए अभिभूत

विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग तथा मौलिक ऑर्गनाइजेशन ऑफ क्रियेटिव एंड परफोर्मिंग आर्ट के संयुक्त तत्त्वावधान में विश्व रंगमंच दिवस की पूर्व संध्या पर दिनांक 26 मार्च, 2022 को सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में सुरेंद्र वर्मा लिखित नाटक 'मरणोपरांत' का मंचन हुआ। प्रभारी-अध्यक्ष डॉ. कुंजन आचार्य ने बताया कि वरिष्ठ रंगकर्मी शिवराज सोनवाल के निर्देशन में मंचित इस नाटक में जिंदगी की कशमकश दिखाई गई। नाटक में मुख्य किरदार रमेश नागदा और उभरते हुए अभिनेता सचिन भंडारी ने सशक्त अभिनय से दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। संगीत चयन व संयोजन कुलदीप धाबाई एवं रूप सज्जा रेखा सोनवाल ने की। नाट्य प्रस्तुति सहायक अमित व्यास थे। इससे पूर्व एमए पत्रकारिता के विद्यार्थी अपूर्व गौतम ने 'किराएदार' शीर्षक से एकाभिनय प्रस्तुत किया जिसमें एक लेखक के प्रकाशकीय संकट पर गहरा कटाक्ष किया गया।

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस आयोजित

अच्छे साहित्य से ही अच्छा मस्तिक जन्म लेता है इसीलिए अच्छी पुस्तकों का अध्ययन अति आवश्यक : कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग एवं भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के तत्त्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में दिनांक 27 एवं 28 मार्च, 2022 को आयोजित दो दिवसीय सेमिनार के समापन सत्र पर प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि नवीन शिक्षा नीति के अनुसार पुस्तकालयों को भी अपने स्वरूप, अध्ययन विषयों ग्रंथों तथा तकनीक आधारित परिवर्तन करने होंगे जिससे आने वाले विद्यार्थियों, शोधार्थियों को अच्छी शिक्षा प्रदान की जा सके। आईसीएसएसआर के पूर्व आयुक्त डॉ. महावीर सिंह ने प्रतिभागियों को

संबोधित करते हुए कहा कि आईसीसीआर शोधार्थियों के विकास के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर कार्य करता है इसके लिए शोधार्थियों, पीडीएफ अनुसंधानकर्ताओं के लिए कई प्रकार की योजनाएँ लागू कर रखी हैं जिनसे विद्यार्थी छात्रवृत्ति प्राप्त कर सकते हैं।

विभिन्न तकनीकी सत्रों में शोध पत्रों का वाचन किया गया जिसमें विभिन्न विषयों पर प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रतिभागियों को नई शिक्षा नीति और पुस्तकालयों में होने वाले परिवर्तनों पर चर्चा की गई। राजस्थान विश्वविद्यालय के डॉ. संतोष गुप्ता ने नई एजुकेशन पॉलिसी एवं पुस्तकालय पर विस्तार से चर्चा की। राजस्थान विश्वविद्यालय डॉ. विजेंद्र कुमार द्वारा टेक्निकल सेशन में मूक कोर्सेज, स्वयं पाठ्यक्रम, इलेक्ट्रॉनिक थीसिस एवं डेजर्टेशन, इनफ्लाइब्नेट द्वारा प्रारंभ की गई ऑनलाइन क्विज पोर्टल के बारे में बताया गया।

सेमिनार के आयोजन सचिव डॉ. पी.एस. राजपूत ने कहा कि सभी पुस्तकालय नवीन शिक्षा नीति को ध्यान में रखते हुए पुस्तकालयों के स्वरूप में तकनीकी गत परिवर्तन करेंगे ताकि अच्छी शिक्षा, संसाधन, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को दिए जा सके।

संगीत विभाग

लता जी की स्मृति में 'स्वरांजलि' कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में लता मंगेशकर की स्मृति में एक स्वरांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगीत विभाग के विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने लता मंगेशकर के अनेक गीत प्रस्तुत कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। विभाग की प्रभारी डॉ. पामिल मोदी ने बताया कि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आत्मदीक्षित स्वर-साधिका डॉ. सुषमा जोशी ने लता जी के गीत प्रस्तुत किए। स्वरांजलि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मानविकी संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. हेमंत द्विवेदी ने कहा कि लता जी भारत के अनुराग का एक प्रतिनिधि स्वर हैं। संगीत के प्रति उनके अटूट समर्पण से सदियों तक संगीत प्रेमी प्रेरणा लेते रहेंगे।

बसंत पंचमी कार्यक्रम में दी प्रस्तुतियाँ

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के प्रशासनिक ब्लॉक में बसंत पंचमी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें संगीत विभाग के छात्र एवं छात्राओं द्वारा विभिन्न सांगीतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं।

मनोविज्ञान विभाग

'कॅरियर परामर्श के व्यवहारिक अनुप्रयोग' विषय पर कार्यशाला आयोजित

मनोविज्ञान विभाग ने 31 जनवरी, 2022 को रूसा 2.0 परियोजना के तहत 'कॅरियर परामर्श के व्यावहारिक अनुप्रयोग' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें प्रो. रविकांत गुन्थे, सेवानिवृत्त एवं विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं प्रो. ए.वी. सिंह मदनावत, पूर्व विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, शिक्षा विभाग निदेशक, पीजी स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज, यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, जयपुर ने प्रतिभागियों को सफल व्यावसायिक निर्देशन के बारे में बताया कि जीवन में सफलता के लिए विद्यार्थी पाठ्यक्रमों और शैक्षिक कार्यक्रमों का चयन करे। विद्यार्थी की क्षमता का उपयोग एवं वर्तमान समाज की समस्याओं व जरूरतों के आधार पर सही कार्यक्रम का चुनाव किया जाना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक प्रो. कल्पना जैन और आयोजन सचिव डॉ. हेमा कुमारी मेहर थीं।

Department of Public Administration

Department of Public Administration submitted Policy input for contemporary issues related to the implementation of the Constitution of India.

The Department of Public Administration organized a two days' National Seminar on Indian Republic and Constitution: Aspirations and Achievements (Nov.26-27, 2021). A total 61 academics and administrators had participated in the seminar. As a practice the Dept., submitted the following recommendations to the Ministry of Home Affairs, Govt of India, for further necessary action.

Recommendations

1. Fundamental duties must be made obligatory for all citizens especially for public servants.
2. Also, the reading of the Preamble of the Constitution and Fundamental Duties in school assembly must be declared mandatory (like in Maharashtra and MP).
3. Conducting activities in school and colleges like visits to see the Original copy of the Constitution of India, placed in the library of the Loksabha.
4. Declaring 26th November as a public holiday so that the general public can become aware of the Constitution day or Samvidhan Diwas. Devising a way to celebrate it and popularising it through TV and print media or social media campaigns involving 'influencers' or hash -tags.
5. Making a short and interesting film about the Constitution, its adoption and some main elements and provisions. Taking a popular actor, you- tuber or stand-up comedian (having a huge fan following esp. among millennials), to convey the message in an engaging and relatable manner. This can be shown on TV and OTT platforms, in schools, colleges, Govt. institutions, and cinema halls.
6. Constitutional and legal provisions regarding tribal areas and scheduled tribes need to be made clear and all such public policies must be implemented in letter and spirit.
7. All the people (citizens) must be treated as "citizens" and not just as voters or vote bank.
8. Having 'Scientific temper' is declared as a fundamental duty in our constitution. Keeping in mind the pandemic like COVID-19, it is suggested to launch a nationwide campaign on scientific temper.
9. There must be a constitution-park / pillar with inscription of preamble and fundamental duties on it, in every educational institution.

राजस्थानी विभाग

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

विश्वविद्यालय के राजस्थानी विभाग में विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मण सिंह राव की पुण्यतिथि पर 24–01–2022 को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उर्दू विभागाध्यक्ष प्रो. हदीस अंसारी ने कहा कि इस प्रकार के कार्य डॉ. लक्ष्मण सिंह राव के विभाग को दिए अवदान की याद दिलाते हैं। प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेश सालवी ने राव साहब के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। डॉ. लोकेश राठौड़ ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर डॉ. खुशपाल गर्ग, डॉ.तरुण शर्मा, डॉ. गजेंद्र सिंह राव, कपिल खटीक, भूपेंद्र सिंह राठौड़ ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

लोक कवि बावजी चतुर सिंह जी की 142वीं जयंती पर कार्यक्रम

आधुनिक जनचेतना से जुड़े लोक कवि थे बावजी चतुर सिंह जी : प्रो. अमेरिका सिंह

31 जनवरी, 2021 को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के राजस्थानी विभाग की ओर से मेवाड़ अंचल के संत कवि तथा राजस्थानी साहित्य में उल्लेखनीय योगदान करने वाले बावजी चतुर सिंह जी की 142वीं जयंती के अवसर पर उनकी कर्मस्थली सुखेर स्थित हवा मगरी पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कार्यक्रम के सफल आयोजन की शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए बावजी के अतुलनीय योगदान को याद किया।

विभाग के प्रभारी अध्यक्ष डॉ. सुरेश सालवी ने बताया कि

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए हिंदी-राजस्थानी के सुपरिचित कवि-आलोचक एवं अनुवादक प्रो. कुंदन माली ने कहा कि बावजी चतुर सिंह आधुनिक जनचेतना से जुड़े लोक कवि थे। उन्होंने कबीर की भाँति ही अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज में व्यंग्य, उलाहने तथा चेतावनी के बहाने मानवीय मूल्यों पर आधारित समाज की स्थापना का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में साहित्यकार गौरीकांत शर्मा ने कहा कि राजपरिवार से आने के बावजूद बावजी चतुर सिंह जी के मन में लोक के प्रति अगाध प्रेम था। विशिष्ट अतिथि सुखाड़िया विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के डॉ. खुशपाल गर्ग ने कहा कि बावजी चतुर सिंह जी की रचनाएँ राजस्थानी भाषा की थाती हैं।

राजस्थान दिवस मनाया गया

राजस्थान का स्वर्णिम इतिहास राजस्थान की अप्रतिम आभा का एहसास कराता है : कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

राजस्थान दिवस आयोजन के उपलक्ष्य में दिनांक 29 मार्च, 2022 को राजस्थानी विभाग की ओर से एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि राजस्थान देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जहाँ शौर्य और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

व्याख्यान में अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रभारी अध्यक्ष डॉ. सुरेश सालवी ने कहा कि राजस्थान की संस्कृति वीरता, भक्ति और नीति की रही है। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. कुंदन माली ने राजस्थानी संस्कृति को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि विश्व में राजस्थान की एक गौरवपूर्ण पहचान है, जिसे हमें कायम रखने की जरूरत है। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. खुशपाल गर्ग और डॉ. नीता त्रिवेदी ने भी विचार रखे।

संस्कृत विभाग

प्रो. नीरज शर्मा को संस्कृति-संवर्धन सम्मान

विश्वविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष एवं प्रबन्धमण्डल के सदस्य प्रो. नीरज शर्मा को कला एवं संस्कृति मंत्रालय, राजस्थान सरकार के द्वारा 31 मार्च को संस्कृति-संवर्धन सम्मान से सम्मानित किया गया।

राजस्थान संस्कृत अकादमी ने आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत संस्कृत भाषा, साहित्य, कला एवं संस्कृति के संरक्षण की दिशा में महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए प्रो. शर्मा को यह सम्मान प्रदान किया।

राष्ट्रीय वेद सम्मेलन का आयोजन

वैदिक ज्ञान परंपरा और भारतीय संस्कृति के अकादमिक संरक्षण के लिए विश्वविद्यालय है संकल्पित : प्रो. अमेरिका सिंह

सुविवि संस्कृत विभाग और राजस्थान संस्कृत अकादमी, कला एवं संस्कृति विभाग तथा श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय, निंबाहेड़ा के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 25 फरवरी, 2022 को राष्ट्रीय वेद सम्मेलन का आयोजन किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव और माघमहोत्सव के अंतर्गत आयोजित इस वर्चुअल कार्यक्रम में चारों वेदों की 11 दुर्लभ शाखाओं का सस्वर परंपरागत पाठ देश के विभिन्न भागों के वेद पंडितों द्वारा किया गया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि इस वैदिक ज्ञान की आवश्यकता न सिर्फ भारत को है अपितु संपूर्ण विश्व को है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जीजीटीयू के कुलपति प्रो. इंद्रवर्धन त्रिवेदी ने इस वैदिक ज्ञान के विकास और विस्तार की संभावनाओं को प्रदर्शित किया।

श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय की प्रेसिडेंट प्रो. लक्ष्मी शर्मा ने वेद सम्मेलन को आजादी के अमृत महोत्सव के अमृत के समान बताया

और चेयरपर्सन श्री कैलाश मूंदड़ा ने वेदविद्या के संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की। सम्मेलन के संयोजक प्रो. नीरज शर्मा ने बताया कि हैदराबाद के पं. नरेंद्र कापरे ने ऋग्वेद की शाकल शाखा मंत्रों का सस्वर पाठ किया। ऋग्वेद की ही शांखायन शाखा का पाठ करते हुए बाँसवाड़ा के श्री हर्षद लाल नागर ने पवमान सोम की स्तुति की। केरल के नंबूदरी समुदाय में प्रचलित ऋग्वेद की शाकल शाखा का मुद्रापाठ करते हुए श्री एम.एन.एन. आर्यनन् ने वेद मंत्र का संहिता, पद एवं क्रमपाठ प्रस्तुत किया। शुक्ल यजुर्वेद की माध्यन्दिन शाखा का पाठ वाराणसी के प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा ने किया। शुक्ल यजुर्वेद की ही काण्वशाखा का पाठ हैदराबाद के श्री श्रीकृष्ण पुराणिक ने किया। इसी तरह कृष्ण यजुर्वेद की तैत्तिरीय शाखा का सस्वर पाठ करते हुए आंध्रप्रदेश के श्री गुल्लपल्लि सीतारामचन्द्र ने किया। मैत्रायणी शाखा का पाठ करते हुए तेलंगाना के श्री के. वरप्रसाद आचार्य ने भगवान् सूर्य से प्रचुर जल, खाद्यान्न और उत्तम आरोग्य की प्रार्थना की। संगीतात्मक सामवेद की कौथुम शाखा का गान तिरुपति के डॉ. गणेशन् वैद्यनाथन अय्यर तथा राणायनी शाखा का गान महाराष्ट्र के श्री तुकाराम मुळे ने किया। सामवेद की ही जैमिनीय शाखा के प्रारम्भिक मंत्रों का गान तिरुपति के श्री केदारनाथ जोशी ने किया। अथर्ववेद की शौनक शाखा से लिए गए अग्नि उपासक मन्त्रों का सस्वर पाठ गोकर्ण- कर्नाटक के श्री श्रीधर अडी ने तथा पैप्पलाद शाखा के जल की उपासना के मंत्रों का पाठ झारखण्ड के श्री अशोक मिश्रा ने किया। इस प्रकार चार वेदों की सस्वर पाठ परम्परा की कुल 1131 शाखाओं में से आज शेष बची सभी दुर्लभ ग्यारह शाखाओं के लोक-कल्याणकारी मंत्रों का सस्वर परम्परागत पाठ इस सम्मेलन में किया गया।

डॉ. जी.एल.पाटीदार का भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में सह-अध्येतावृत्ति (Associateship) के लिए चयन

संस्कृत विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. जी.एल. पाटीदार का भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में सह-अध्येतावृत्ति (Associateship) के लिए चयन हुआ है। इसके तहत डॉ. पाटीदार तीन से चार वर्षों तक लगातार अपने प्रोजेक्ट ''भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षक की भूमिका'' को मूर्त रूप देने के लिए एडवांस स्टडी, शिमला जाएँगे।

समाजशास्त्र विभाग

मास्टर ऑफ सोशल वर्क : विवेकानंद जयंती का आयोजन

मास्टर ऑफ सोशल वर्क, समाजशास्त्र विभाग द्वारा 12 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय युवा दिवस और विवेकानंद जयंती का आयोजन किया गया।

मास्टर ऑफ सोशल वर्क प्रोग्राम की कोर्स कोर्डिनेटर डॉ. राजकुमारी अहीर ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. सी.आर. सुथार ने की। कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. बालूदान बारहठ एवं समाजशास्त्र विभाग से सहायक आचार्य डॉ. राजू सिंह ने विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर प्रो. सी.आर. सुथार ने एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम के महत्त्व पर प्रकाश डाला। डॉ. बालूदान ने राष्ट्रीय युवा दिवस के इतिहास और महत्त्व को रेखांकित किया। डॉ. राजू सिंह ने संदेश दिया कि लगातार मेहनत और प्रयास से ही वांछित परिवर्तन आएगा।

मास्टर ऑफ सोशल वर्क : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

मास्टर ऑफ सोशल वर्क कोर्स, समाज शास्त्र विभाग द्वारा 8 मार्च, 2022 को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज के परिसर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाविद्यालय अधिष्ठाता प्रो. सी.आर.सुथार तथा अतिथियों के रूप प्रो. दिग्विजय भटनागर, प्रो. पी.एम. यादव, प्रो. मीनाक्षी जैन, डॉ. राजू सिंह, डॉ. सुमित्रा, डॉ. बालूदान बारहठ, विनीता राजपुरोहित, डॉ. दीपा सोनी, डॉ. अनिता, डॉ. कैलाश गुर्जर उपस्थित थे।

कोर्स कॉर्डिनेटर डॉ. राजकुमारी अहीर ने बताया कि महिला दिवस कार्यक्रम के पहले भाग में महिलाओं की भूमिका और संघर्षपूर्ण यात्रा पर एक नाटक प्रस्तुत किया। दूसरे भाग में मास्टर ऑफ सोशल वर्क के छात्रों द्वारा बनाई गई एक शॉर्ट फिल्म की स्क्रीनिंग शामिल थी। फ़िल्म स्क्रीनिंग में मुख्य रूप से चिकित्सा के क्षेत्र में जनाना अस्पताल अधीक्षक डॉ. मधुबाला चौहान, डॉ. पूनम पोसवाल, राजनीति के क्षेत्र में पूर्व महापौर रजनी डांगी, न्यायिक क्षेत्र में एडीजे योगिता पारीक, कृषि के क्षेत्र में जिला मत्स्य अधिकारी डॉ. दीपिका पालीवाल, शिक्षा के क्षेत्र में प्रो. विजयलक्ष्मी चौहान, पुलिस के क्षेत्र में एडिशनल एसपी अंजना सुखवाल, दिव्यांग आर्टिस्ट जया एकनाथ महाजन का साक्षात्कार लिया गया तथा इनके जीवन के संघर्षों को शार्ट फ़िल्म के माध्यम से बताया गया। इन महिलाओं ने अपने संदेश में महिलाओं की शिक्षा तथा महिला सशक्तीकरण पर अपनी बात को रखा और सभी को प्रोत्साहित किया।

रुरल केम्प एवं सामाजिक कार्य दिवस का आयोजन

विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा समाज कार्य पाठ्यक्रम के तहत भीलवाड़ा के लखावली ग्राम पंचायत के गाँव के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में दिनांक 15 मार्च, 2022 को कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के मार्गदर्शन एवं सहयोग से रुरल कैंप व समाज कार्य दिवस का आयोजन किया गया। इसके तहत 4 दिनों तक छात्र-छात्राओं के द्वारा गाँव की शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, लैंगिक असमानता, आजीविका व पालन-पोषण के बारे में सर्वे किया गया। अंतिम दिन समापन कार्यक्रम के दौरान समाज कार्य पाठ्यक्रम की कॉर्स-कॉडिनेटर डॉ. राजकुमारी अहीर एवं विशिष्ट अतिथि मंगला पोरवाल, प्रधानाचार्य, भीलवाड़ा उपस्थित रहे।

उर्दू विभाग

साहित्य हमारी साझी विरासत है : प्रो. अमेरिका सिंह

विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग में दिनांक 26 मार्च, 2022 को अख्तर शीरानी स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि साहित्य और साहित्यकारों का योगदान हमारी साझी विरासत है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वरिष्ठ नाट्य निर्देशक भानु भारती ने अपने व्याख्यान में इंसान की जिंदगी और रंगमंच के रिश्ते की बारीकियों को समझाया। उन्होंने कहा कि हमारी बुनियादी आवश्यकताओं के अलावा ललित कलाएँ हमारी जिंदगी के लिए बहुत जरूरी हैं। कार्यक्रम में अधिष्ठाता प्रो. सी.आर. सुथार एवं संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. नीरज शर्मा ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम में डॉ. बंटी फरीद अली सैयद ने शोध पत्र का वाचन किया।

दृश्यकला विभाग

राष्ट्रीय युवा दिवस पर चित्र कार्यशाला का आयोजन

महापुरुषों से संबंधित चित्रों एवं उनके महान कार्यों पर कार्यशालाओं का आयोजन उनके नैतिक मूल्यों को नई युवा पीढ़ी में स्थानांतरित करने का श्रेष्ठ माध्यम है : प्रो. अमेरिका सिंह

राष्ट्रीय युवा दिवस दिनांक 12 जनवरी, 2022 के अवसर पर दृश्यकला विभाग द्वारा एक दिवसीय चित्र कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विद्यार्थियों ने अपने सृजनात्मक चित्रों का संयोजन बनाकर युवा शक्ति, विचार एवं कर्मठता जैसे नैतिक विषयों को दर्शाया। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि महान पुरुषों के कार्यों को चित्रों के माध्यम से और भी प्रभावी ढंग से दर्शाया एवं समझाया जा सकता है। इस कार्यशाला में विभाग के लगभग 30 विद्यार्थियों ने सृजनात्मक कार्यों का सामूहिक प्रदर्शन किया। कार्यशाला का संयोजन डॉ. शाहिद परवेज़ एवं डॉ. दीपिका माली द्वारा किया गया।

दृश्यकला विभाग द्वारा राजस्थान की परंपरागत लघुचित्र शैली पर डेमोस्ट्रेशन एवं कला प्रदर्शनी का आयोजन

राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के दृश्य कला विभाग द्वारा दिनांक 29 मार्च, 2022 को चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. मदन सिंह राठौड़ ने बताया कि प्रतियोगिता में विभाग के विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया और राजस्थान की कला और संस्कृति को अपने चित्रों में प्रदर्शित किया। दिनांक 30 मार्च, 2022 को इन चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन विभाग की कला दीर्घा में किया गया और विजेताओं को पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य पर दृश्य कला संकाय में छात्रों द्वारा सृजित चित्रों की चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया तथा इस अवसर पर पारंपरिक लघु चित्रशैली के प्रसिद्ध चित्रकार डॉ. युगल किशोर शर्मा द्वारा सृजित नाथद्वारा शैली के चित्रों का स्लाइड शो एवं लाइव डेमोस्ट्रेशन किया गया। इस चित्रकला प्रतियोगिता में आयुषी शर्मा प्रथम, ऋतिका श्रीमाली द्वितीय तथा रौनक सोनी तृतीय स्थान पर रहे। डॉ. युगल किशोर शर्मा ने स्लाइस शो के माध्यम से लघुचित्रण परम्परा की

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं राजस्थान की विभिन्न चित्रशैलियों की कलात्मक व विषयगत विशेषताओं को रेखांकित करते हुए चित्रों में अंतर्निहित दार्शनिक व मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. मदन सिंह राठौड़ ने कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली के पाठ्यक्रम में देशज कला के प्रति जो दृष्टिकोण रहा है, उसको नए सिरे से देखने व समझने की महती आवश्यकता है। यह देशज कलाओं के प्रति सम्मान एवं संरक्षण की पहल है। कार्यक्रम संचालन डॉ. शाहिद परवेज ने किया। डॉ. धर्मवीर वशिष्ठ, डॉ. दीपिका माली, मीनाक्षी असवारा, डॉ. सुनील नीमावत, डॉ. संदीप कुमार मेघवाल, गजेन्द्र कुमावत मौजूद रहे।

प्रो. हेमन्त द्विवेदी को 'कौसा ट्रस्ट कला अवार्ड'

दृश्यकला विभाग के प्रोफेसर और मानविकी संकाय के अध्यक्ष डॉ. हेमन्त द्विवेदी को राष्ट्रीय कौसा ट्रस्ट, के. टी. कला, अमृतसर द्वारा कला विषय से संबद्ध 'कौसा ट्रस्ट कला अवार्ड' 2022 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें 27 मार्च, 2022 को प्रदान किया गया।

डॉ. धर्मवीर वशिष्ठ के चित्रों की प्रदर्शनी आयोजित

विभाग के सह आचार्य डॉ. धर्मवीर वशिष्ठ के चित्रों को राज्य ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित कला मेला में प्रदर्शित किया गया। 9 से 16 मार्च, 2022 तक आयोजित इस कला मेला में डॉ. वशिष्ठ के लगभग 25 कृतियों को प्रदर्शित किया गया।

डॉ. शाहिद परवेज को 'संस्कृति संवर्धन सम्मान'

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के दृश्य कला विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शाहिद परवेज को कला एवं संस्कृति विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा 31 मार्च, 2022 को 'संस्कृति संवर्धन सम्मान' से सम्मानित किया गया।

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत राजस्थान ललित कला अकादमी द्वारा समकालीन कला में महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए यह विशेष सम्मान प्रदान किया गया।

डॉ. दीपिका माली के चित्रों की प्रदर्शनी

विभाग की सहायक आचार्य डॉ. दीपिका माली के चित्रों की प्रदर्शनी माइक्रोटोपिया अंतरराष्ट्रीय लघु कला उत्सव ढाका, बांग्लादेश स्थित चित्रक आर्ट गैलरी में आयोजित हुई। इस अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में देश के चयनित कलाकारों की कृतियों को प्रदर्शित किया गया है। जनवरी माह में वर्निका आर्ट सोसायटी, गुलबर्ग द्वारा आयोजित ऑल इंडिया वुमन्स नेशनल एक्सीबिशन ऑफ आर्ट में इनके चित्रों को प्रदर्शित किया गया। फरवरी माह में CIMA Award Show, CIMA Art Gallery कलकता द्वारा आयोजित नेशनल पेंटिग एक्सीबिशन में भी इनके चित्रों को प्रदर्शित किया गया है।

सुविवि : महिला पुलिसकर्मियों के लिए कार्यशाला अगले चरण में

साइबर सुरक्षा पर कार्यशाला का तीसरा चरण संपन्न

साइबर सुरक्षा कार्यशाला में 44 जवानों को ट्रेनिंग दी

साइबर सुरक्षा के लिए बनेगी विशिष्ट टीम– डॉ सुशील

साइबर सिक्योरिटी पर कार्यशाला शुरू

राष्ट्रहित व समाज हित के कार्यों हेतु विवि. सदैव सेवा करने को तत्पर: अमेरिका सिंह

सुविवि के कुलगीत से शुरू हुई इंटरनेशनल सीईओ कांफ्रेंस

वैदिक शिक्षा को आज की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ने की जरूरत : प्रो.अमेरिका सिंह

अंतरराष्ट्रीय सीईओ कॉन्फ्रेंस शुरू

कुलगीत से शुरू हुई अंतरराष्ट्रीय सीईओ कांफ्रेंस

द इंडियन इकॉनोमिक एसोसिएशन का अधिवेशन आज से

हर भारतवासी का कर्तव्य, अर्थव्यवस्था को दे गति

नवाचारों से युक्त रहा सुविवि का 29 वां दीक्षांत समारोह

पुस्तकों से संदर्भ निकालना शोध नहीं, विश्वस्तर पर मान्यता मिले वो ही 'शोध'

ई-स्पोर्ट्स व कुश्ती की एक्सपर्ट रितिका को दो गोल्ड मेडल

ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

ब्लॉकचेन तकनीक को पाठ्यक्रम में शामिल करना वर्तमान की मांग : प्रो. सिंह

सुविवि : सात दिवसीय कार्यशाला आज से

योग महोत्सव में सुविवि के स्टूडेंट्स ने दी प्रस्तुतियां

ऑल इंडिया इंटर जोनल महिला हॉकी • मैच देखने पहुंचे एआईयू के ऑब्जर्वर डॉ. गुरदीपसिंह, खिलाड़ियों से भी मिले

मैसूर, पंजाबी पटियाला व जीवाजी विवि, ग्वालियर विजय रथ पर

विशेष योगाभ्यास सत्र

विश्वविद्यालय योग केंद्र तथा वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महाराणा भूपाल खेल परिसर में स्थित इनडोर हॉल में योग प्रशिक्षक मीना जैन एवं प्रज्ञा सांखला के निर्देशन में विशेष योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। योग केंद्र समन्वयक डॉ. दीपेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि महिलाओं को समग्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस विशेष योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. पीके सिंह, छात्र कल्याण अधिष्ठाता तथा अध्यक्ष क्रीड़ा मंडल प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत आदि ने भी विचार रखे।

ऑल इण्डिया इंटर जोन हॉकी महिला प्रतियोगिता का आगाज

सुविवि : न्यूज़लेटर का प्रकाशन आरंभ

आईटीएम व जिवाजी ग्वालियर में है...

युवाओं में बढ़ाएं कला और कौशल, ताकि वे रोजगार से जुड़कर बनें आत्मनिर्भर : प्रो. सिंह

उदयपुर

ऑल इंडिया टूर्नामेंट संपन्न, राज्यपाल मिश्र ने दिए खिलाड़ियों को पुरस्कार

जीवाजी विवि को इंटर जोन महिला हॉकी का खिताब, उप विजेता भी एमपी की टीम

...मर और गरबा प्रस्तुति में दिखे राजस्थान और गुजरात के लोक रंग

योग प्रशिक्षक आशीष एवं आलोक ने सिखाया योग

उदयपुर। विश्वविद्यालय योग केंद्र के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में विवेकानंद ऑडिटोरियम परिसर में 19 अक्टूबर ... योग प्रशिक्षण शिविर के ... योग प्रशिक्षक आशीष एवं ... प्रशिक्षणार्थियों को योग की ... रही है। योग केंद्र समन्वयक ... ने बताया कि विगत 142 ... रहे इस शिविर में इस सप्ताह योगाचार्य आशीष आलोक के ... म, आसन के साथ भ्रामरी प्राणायाम तथा योगनिद्रा का पूर्ण ... र करवाया गया। भ्रामरी प्राणायाम से तनाव, गुस्सा और ... तथा दिमाग शांत होता है यह प्राणायाम माइग्रेन की समस्या ... मंद है। योगनिद्रा का अभ्यास रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, ... साथ साथ अनिद्रा और अवसाद मे बहुत ही लाभदायक है।

नि:शुल्क योग प्रशिक्षण शिविर के 106 दिन पूर्ण

...क पुकार 15 मार्च 2022

मेजबान राजस्थान ने दो स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य सहित 6 पदकों पर जमाया कब्जा

नेशनल जूनियर व सब जूनियर पावर लिफ्टिंग : केरल की टीम ओवरऑल चैम्पियन, जूनियर पुरुष वर्ग में तमिलनाडु विजेता

खिलाड़ियों के साथ अतिथि भी भूले गाइडलाइन

उदयपुर | एमबी कॉलेज आर्मी विंग 10 राज बटालियन एनसीसी उदयपुर की मेजबानी में कुमावत को कैडेट्स का विदाई समारोह एवं कैरियर काउंसलिंग का कार्यक्रम हुआ। अध्यक्षता कर्नल मनोहरसिंह राठौड़, कर्नल इंद्रजीत घोषाल ने विदाई ले रहे कैडेट्स को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। एनसीसी कर रहे कैडेट्स को एनसीसी से होने वाले फायदे बताए। उन्हें डिफेंस ज्वाइन करने के लिए मोटिवेट किया।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय एवं भोपाल नोबल्स् विश्वविद्यालय के बीच एमओयू

भारत की पहली अखिल भारतीय योगसूत्र वाक् प्रतिस्पर्धा

उदयपुर। योग की शास्त्रीय परंपरा के अनुसार भारत की पहली अखिल भारतीय योगसूत्र वाक् प्रतिस्पर्धा का आयोजन मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय योग केंद्र तथा अग्निमन्दिरम् ने किया। इस प्रतिस्पर्धा का प्रथम चरण 21 जून 2021 को हुआ था, द्वितीय चरण 30 नवम्बर 2021 को सम्पन्न किया गया था, प्रतिस्पर्धा का तृतीय चरण आज सम्पन्न हुआ, प्रथम चरण एवं द्वितीय चरण में सफल होकर तृतीय चरण में प्रतिभागियों ने भाग लेकर योगशास्त्र में अपनी विद्वता का प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय योग केंद्र के समन्वयक डॉ दीपेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि विश्वविद्यालय योग केंद्र की ओर से आयोजित यह प्रतिस्पर्धा योग के शास्त्रीय पक्ष में विद्यमान सूक्ष्म विज्ञान को समाज के सामने प्रकट किया तथा योग से जुड़े हुए तथा अन्य लोगों की बौद्धिक और मानसिक क्षमता को विकसित करने में सतत् महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगी। गुजरात के मुकानंद ने प्रथ... किया, गुजरात के ही जाने ऋत्विक कुमार ने द्वि... की डोली देवी ने तृतीय स्थान प्राप्त ... ने चतुर्थ एवं ...

डाटा एनालिसिस पर सात दिवसीय कार्यशाला आज 7 फरवरी से वाणिज्य महाविद्यालय में प्रारंभ

आत्मा की ज्वाला
www.aatmakijwala.com

सुविवि की शूटिंग चयन स्पर्धा

ब्यूरो/नवज्योति, उदयपुर। सुखाड़िया विश्वविद्यालय की शूटिंग पुरुष व महिला एयर पिस्टल एवं एयर राइफल टीम की चयन स्पर्धा गुरुवार को महाराणा प्रताप खेलगांव स्थित शूटिंग रेंज में हुई। समन्वयक डॉ दीपेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि स्पर्धा में कुल 11 महाविद्यालयों के लगभग 33 पुरुष व महिला शूटर्स ने हिस्सा लिया। इस दौरान क्रीड़ा मंडल सचिव डॉ. ... सिंह चौहान, शूटिंग विशेषज्ञ करणसिंह चौहान, ... पटेल, डॉ हेमराज सिंह, डॉ कुलदीप सिंह झाला, डॉ भीमराज पटेल, डॉ ... सिंह चूंडावत एवं भानुप्रताप सिंह उपस्थित रहे।

योग महोत्सव में सुविवि के स्टूडेंट्स ने दी प्रस्तुतियां

ब्यूरो/नवज्योति, उदयपुर। ... योग महोत्सव में रविवार को सुखाड़िया विश्वविद्यालय योग केंद्र के संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। केंद्र समन्वयक डॉ दीपेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि दल ने कोविड-19 नियमावली का पालन करते हुए ... द्वारा शोध पत्र का वाचन किया गया।

बीएचयू के शोध दल ने किया एमएलएसयू का भ्रमण

ब्यूरो/नवज्योति, उदयपुर। सुविवि के भू विज्ञान विभाग का बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (पृथ्वी संकाय) के प्रोफेसर ... व डॉ ... पांडे के नेतृत्व में 10 शोधार्थियों के दल ने भ्रमण किया। विभाग में स्थित संग्रहालय, पुस्तकालय तथा आदि देखा। भू विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ रितेश पुरोहित ने शोध कार्य एवं आगामी शोध परियोजनाओं के बारे में शोध दल के साथ विस्तार से ...

...जना : मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय

अकादमिक उन्नयन का नवाचार : विश्वविद्यालय ... वृहत अकादमिक ज्ञान, उनकी दक्षता-क्षमता- विशे... और प्रेरणादायक व्यक्तित्व में अभिवृद्धि की संकल्प...

दीपस्तम्भ योजना: मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय सुविवि के शिक्षकों के अकादमिक उन्नयन का नवाचार

नुक्कड़ नाटक से महिलाओं को समानता का दर्जा दिलाने का उठा मुद्दा

सुविवि के भूगोल विभाग में नवप्रवेशित स्नातकोत्तर विद्यार्थियों हेतु दो दिवसीय अधिष्ठापन कार्यक्रम संपन्न

सुविवि : लेखांकन एवं कराधान पर संगोष्ठी

उदयपुर। सुविवि के लेखांकन एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग द्वारा बजट 2022 विश्लेषण तथा लेखांकन एवं कराधान के परिप्रेक्ष्य पर संगोष्ठी सोमवार को हुई। विभागाध्यक्ष प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत ने बताया कि यदि एक रुपया पूंजीगत व्यय किया जाता है तो 1 से 7 वर्षों के बीच 2.50 से 4.80 तक का रिटर्न मिलता है। जबकि एक रुपए आयगत व्यय में खर्च करने पर 0.54 पैसे से 0.98 पैसे तक ही रिटर्न मिलता है। इस दृष्टि से यह बजट वृद्धि वाला कहा जा सकता है। डॉ. शिल्पा वर्डिया, डॉ. शिल्पा लोढ़ा, डॉ. आशा शर्मा आदि ने भी विचार रखे।

साइबर सिक्योरिटी पर कार्यशाला

ब्यूरो/नवज्योति, उदयपुर। सुखाड़िया विश्वविद्यालय की ओर से प्रबंध अध्ययन संकाय के रूसा कंप्यूटर लैब में पुलिसकर्मियों के लिए साइबर सिक्योरिटी पर सातवीं कार्यशाला मंगलवार को संपन्न हुई। समारोह में अतिथि सिटी पुलिस अधीक्षक हिम्मतसिंह देवल, दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. सुधा चौधरी एवं पीआरसी मानद निदेशक प्रो. कल्पना जैन थे। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने महिला पुलिसकर्मियों का आह्वान किया कि वे अर्जित ज्ञान से समाज, परिवार तथा आमजन में चेतना जागृत कर अच्छे पुलिसकर्मी होने का दायित्व निभाएं। डॉ. अविनाश पवार ने बताया कि महिला पुलिसकर्मियों ने बड़े ध्यान लगन से साइबर सुरक्षा के गुर तथा उपायों को जाना। प्रशिक्षक मानस त्रिवेदी ने बताया कि इस कार्यशाला में महिलाओं पुलिस प्रशिक्षणार्थियों का उत्साह देखने लायक था।

सुविवि : वंदना को मिला 20 लाख का प्रोजेक्ट

ब्यूरो/नवज्योति, उदयपुर। सुखाड़िया विश्वविद्यालय के शिक्षकों को विभिन्न परियोजनाओं के समय-समय पर अनुदान राशि मिलती रही है जो उनकी शोध योजना को गति देने उपयोगी होती है। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली की महिला साइंटिस्ट-ए श्रेणी में भूविज्ञान विभाग की वन्दना मेवाड़ा को 3 वर्ष के लिए 20 लाख रुपए की परियोजना मिली है जिसका शीर्षक उदयपुर के आस पास होने वाले भूजल एवं मानवजनित बहुस्तरीय तात्विक विसंगतियां द्वारा भू-चिकित्सीय समस्याएं है। यह परियोजना भू-विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ रितेश पुरोहित के दिशा निर्देश में पूर्ण की जाएगी।

पूर्व मुख्यमंत्री की 40 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

आधुनिक राजस्थान के निर्माता मोहनलाल सुखाड़िया को नमन

OFFICE OF THE PRINCIPAL & CONTROLLER, DR. S.N.MEDICAL COLLEGE & ASSOCIATED GROUP OF HOSPITALS, JODHPUR
No. F. 6( ) Store/SNMC/JU/2021-22/5366-70 Dated: 27.01.22
NOTICE INVITING BID No.24/ 2021-22 (E-tender)

कुलगीत

वीर भूमि के ज्ञान पीठ का सादर शत वन्दन।
शील ज्ञान विज्ञान कर्म, संगम को कोटि नमन।।

'सत्यम् शिवम् सुन्दरम्' की प्रतिमा कल्याणी।
'विद्यया विन्दतेऽमृतम्' उपनिषदों की वाणी।।
यह प्रताप की कर्म भूमि के माथे का चन्दन।
मीरा का निष्काम भक्ति से है अटूट बंधन।

श्रीएकलिंगजी, श्रीनाथजी, चारभुजा, बेणेश्वर।
सूफी संतों की धरती ने माना एक ही ईश्वर।।
वीर भूमि के ज्ञान पीठ का सादर शत वन्दन।
यहाँ साधनारत प्रतिभाएँ ज्योतिर्मन्त बनें।
राष्ट्र धर्म का स्वर विजयी हो, महिमावन्त बनें।

मुक्त गगन में आदर्शों की पुण्य ध्वजा फहरे।
जन मानस में ज्ञान ज्योति का दिव्य प्रकाश भरे।।
ज्ञानदायिनी मूर्तिमंत महिमा का अभिनन्दन।
युवाशक्ति हो सत्यनिष्ठ संकल्पित अन्तर्मन।।

वीर भूमि के ज्ञान पीठ का सादर शत वन्दन।
शील ज्ञान विज्ञान कर्म, संगम को कोटि नमन।।